



REGISTERED NO. D—(D)—73

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 14] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 5, 1980 (चंत्र 16, 1902)

No. 14] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 5, 1980 (CHAITRA 16, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 मार्च 1980

सं. ए. 32014/1/80-प्रशा. II—प्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा स्थायी अधीक्षक (हाँ) श्री एम. एल. धवन को 1-3-19 से 31-5-1980 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप नियन्त्रक (त० सं०) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 11 मार्च 1980

सं. ए. 32014/2/80-प्रशा. II—प्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित अधीक्षकों (हालांकि) को 1-3-1980 से 31-5-1980 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में सहायक नियन्त्रक (त० सं०) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

1. श्री जे. एल. कपूर
2. कुमारी संतोष हाँडा

65/80

(3695)

सं. ए. 35014/1/80-प्रशा. II—प्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग में कें. स० से० संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एम. एस. छावड़ा को 1-3-80 से 31-5-1980 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, वरिष्ठ विशेषक के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री एम. एस. छावड़ा, वरिष्ठ विशेषक संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग वास्तु पद पर प्रतिनियुक्त पर होंगे और उनका बेतन विस मंत्रालय के समय समय पर यथा संशोधित का. जा. सं. एफ. 10 (24)-ई. III/60 दिनांक 4-5-1961 में उल्लिखित उपबंधों के अनुसार विनियमित होगा।

एस० बालचन्द्रन,
अवर सचिव
कुनै प्रध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 मार्च 1980

सं. ए. 12019/1/80-प्रशा. II—इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुसंधान सहायकों (हिन्दी) को, सचिव

संघ सोक सेवा आयोग द्वारा 1-3-1980 से 31-8-1980 तक भी प्रबंधित के लिए अध्यक्षा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर तथा आधार पर स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

1. श्रीमती सुधा भार्गव
2. श्री बन्द किरण
3. श्री जे० एन० एस० त्वामी।

पं० बालचंद्रन,
अवर सचिव,
इते सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 फरवरी 1980

सं० ए० 12025 (ii)/1/78-प्रशा० III—कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० ८/७७/७९-सी० एस० (1) दिनांक 21-12-79 के अनुसरण में राष्ट्रपति द्वारा इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/79-प्रशा० III दिनांक 18 दिसंबर, 1979 द्वारा संघ लोक सेवा आयोग में के० स० से० संवर्ग के स्थायी सहायक तथा तवर्य आधार पर स्थानापन्थ अनुभाग अधिकारी श्री पी० एस० राणा को 21-12-1979 से आगामी आदेशों तक उक्त संवर्ग की उसी सेवा में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 12025 (ii)/1/78-प्रशा० III—कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० ८/७७/७९-सी० एस० (I) दिनांक 21-12-79 के अनुसरण में राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग में के० स० से० संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जीत राम को 21-12-79 से आगामी आदेशों तक उक्त संवर्ग की उसी सेवा में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

पं० बालचंद्रन,
अवर सचिव,
प्रशासन प्रभारी
संघ लोक सेवा आयोग

१३ OCT 1980

नई दिल्ली-110011, 28 फरवरी 1980
सं० ए० 32013/1/79-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/79-प्रशा० I (i) दिनांक 14-1-80 और सं० ए० 32013/4/79-प्रशा० I दिनांक 1-2-80 में आशिक संशोधन करते हुए राष्ट्रपति द्वारा केंद्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में नियुक्त हेतु 1978 की चयन सूची में सम्मिलित संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के निम्नलिखित अधिकारियों की 14-12-1979 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के रूप में

स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:—

क्रम सं०	नाम
1	2

1. श्री बी० बी० मेहरा, के० स० स्ट० सेवा के ग्रेड के स्थायी अधिकारी।
2. श्री बी० एस० कपूर, के० स० से० के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी।
3. श्री आर० एन० खुराना, के० स० से० के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी।
4. श्री जे० पी० गोयल, के० स० से० के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी।
5. श्रीमती भवानी रायगाराजन, के० स० से० के अनुभाग अधिकारी ग्रेड की स्थायी अधिकारी।
6. श्री एम० ए० गणपति राम, के० स० स्ट० सेवा के ग्रेड के स्थायी अधिकारी।

दिनांक मार्च 1980

सं० ए० 32013/4/79-प्रशा० I (ज) —संघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के तथा के० स० से० सेवा के ग्रेड I में नियुक्त हेतु 1978 वर्ष की चयन सूची में सम्मिलित अधिकारी श्री दाउदयाल को राष्ट्रपति द्वारा 8 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

उक्त नियुक्त भारत संघ के विद्वान् श्री एस० एस० शर्मा व अन्य द्वारा दायर 1979 के रिट पिटीशन सं० 626-630 पर सुनीम कोर्ट के अंतिम निर्णय के अध्यधीन हैं।

दिनांक 1 मार्च 1980

सं० ए० 32013/1/80-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में के० स० से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री एस० श्रीतिवासन को राष्ट्रपति द्वारा 1-2-80 से 29-2-80 तक की प्रबंधि के लिए अध्यक्षा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय द्वारा के ग्रेड I में तदर्य आधार पर अवर सचिव के पद पर स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 3 मार्च 1980

सं० पी०/1691-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर पुनर्नियुक्ति की मियाद की समाप्ति के परिणामस्वरूप श्री ए० गुप्ता ने 29 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 5 मार्च 1980

सं० ए० 32013/3/79-प्रशा० I (क) —संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० स० से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी अधिकारियों को जिन्हें के० स० से० के ग्रेड I में नियुक्त हेतु 1977 की चयन सूची में सम्मिलि-

किया गया था, राष्ट्रपति द्वारा 8-1-1980 (पूर्वीकू) से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवधि सचिव के पद पर स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

1. श्री किशन सिंह
2. श्री जीत सिंह
3. श्री भूपति बी० मुर्मू

इन नियुक्तियों पर श्री एस० एस० शर्मा तथा अन्य द्वारा भारत संघ के विश्व दायर 1979 की रिट याचिका सं० 626-630 पर उच्चतम न्यायालय द्वारा दिया जाने वाला अन्तिम नियम लागू होगा।

दिनांक 6 मार्च 1980

सं० ए० 38013/2/79-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के स्थायी निजी सचिव (के० स० स्ट० सेवा संबंध का प्रेड क) श्री एम० सी० मांगो को राष्ट्रपति द्वारा सी० सी० एस० (पैशन) नियमावली के नियम 48-ए के अनुसार 3 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से स्वेच्छा से सरकारी सेवा से निवृत होने की अनुमति दी जाती है।

एस० बालचन्द्रन

अवर सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

का० एवं० प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई विल्ली, दिनांक 18 मार्च, 1980

सं० ए०-36018/15/79-प्रशा० I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री फणी भूषण सरकार, पुलिस उप-निरीक्षक, पश्चिम बंगाल को दिनांक 13 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की सामान्य अपराध स्कूल, कलकत्ता को अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

की० ला० श्रोवर,
प्रशासनिक अधिकारी (स्पा०),
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई विल्ली-110001, दिनांक 16 मार्च 1980

सं० ओ०-दो०-182/769-स्थापना—श्री ई० एस० बद्रतामर की सेवाएं, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को आई० टी० बी० पी० में प्रत्यावर्तन पर सौंपी जाने के फलस्वरूप, उसने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कमांडेन्ट 68 बटालियन का कार्यभार दिनांक 11-2-80 पूर्वाह्न से संभाल लिया।

सं० ओ० दो० 1038/76—स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० (श्रीमती) ऊरा जैन को 20-2-80 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अवधा उस पद पर नियमित

नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले ही छह तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कमिक्ट विकिल्सा अधिकारी के पद पर तहस रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो० 1099/78-स्थापना—राष्ट्रपति ने कमिक्ट विकिल्सा अधिकारी (जी० डो० घो० घेड-II) डा० योगेन्द्र प्रकाश, नेस हास्पिटल-I केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई विल्ली, को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5(1) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 29-2-80 के प्रपराह्न से कार्य भार भूक्त कर दिया है।

बी० के० करकरा,
सहायक निवेशक,
(प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई विल्ली-110019, दिनांक 10 मार्च 1980

सं० ई०-38013(3)/25/79-कार्मिक—राउरकेला से स्थानांतरित होने पर श्री एच० एस० पन्नू ने 11 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेट, के० ओ० सु० ब०, फ्लर्ट रिजर्व बटालियन, सागर (म० प्र०) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

(ह०) अठानीय
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई विल्ली-110011, दिनांक 14 मार्च 1980

सं० 11/10/78-प्रशा० I—राष्ट्रपति, मणिपुर सिविल सेवा के अधिकारी श्री एल० पाशोट सिंह को मणिपुर, इम्फाल में जनगणना कार्य निवेशालय में तारीख 1 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निवेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री सिंह का मुख्यालय इम्फाल में होमा।

दिनांक 18 मार्च 1980

सं० 11/121/79-प्रशा० I—राष्ट्रपति, आन्ध्र प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री यादवीर रेडी को आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद में जनगणना कार्य निवेशालय में तारीख 1 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निवेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री रेडी का मुख्यालय हैदराबाद में होगा।

सं० 11/121/79-प्रशा० I—राष्ट्रपति, आन्ध्र प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री एम० एस० नरसिंह आरी को आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद में जनगणना कार्य निवेशालय में तारीख 3 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति

पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर संयुक्त करते हैं।

श्री चारों का मुख्यालय हैदराबाद में होगा।

पी० पद्मनाभ,
भारत के महापंजीकार

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली-11, दिनांक 15 मार्च, 1980

सं० टी० (6)/प्रशासन-II—निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर श्री आर० एस० तनेजा, सहायक प्रबन्धक (प्रशासन), भारत सरकार मुद्रणालय, रिंग रोड, नई दिल्ली, मुद्रण निदेशालय, 31 जनवरी, 1980 के अपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

ब्रजेन्द्र नाथ मुखर्जी,
संयुक्त निदेशक (प्रशासन)

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 मार्च 1980

सं० 606/सी० ए०-I/277-70—महालेखाकार द्वितीय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता के कार्यालय में कार्यरत श्री पी० अविकारी, लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) अपनी अधिविष्टा आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-12-79 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

एम० एस० ग्रोवर,
उप निदेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय : निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-2, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० प्रशा० I/का० आ० 647/पी० एफ०/आर० सी० बंसल—इस कार्यालय के स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी श्री आर० सी० बंसल राष्ट्रीय जलविद्युत शिवित निगम लि० नई दिल्ली में दि० 21-9-79 (पूर्वाह्न) से संलग्न प्रपत्र में उल्लिखित नियम एवं शर्तों पर स्थायी रूप से विलयन हो चुका है।

इस प्रस्ताव को विस मंत्रालय से नियंत्रक एवं महालेखा-परीक्षक के पत्र सं० 287-जी० ई० II/114-79 दि० 21-2-80 के द्वारा अनुमोदन मिल चुका है।

कौ० टी० छाया,
संयुक्त निदेशक, ले० प० (प्र०)

रक्षा मंत्रालय

आईनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 11 मार्च 1980

सं० 2/80/ए०/एम०—राष्ट्रपति जी तोष एवं गोला फैक्टरी, काशीपुर के निम्नलिखित सहायक चिकित्सा अधिकारियों

के स्थान-पत्र तारीख 7-4-79 (अपराह्न) से मंजूर करते हैं और तबनुसार उसी तारीख से उनके नाम तोष एवं गोला फैक्टरी, काशीपुर की नकरी से काट दिए जाते हैं:—

- (1) डा० केशव सिंह सागर, ए० एम० ओ०
- (2) डा० अरूप राय, ए० एम० ओ०

ओ० पी० बहल,
अपर महानिदेशक,
आईनैन्स फैक्टरियाँ

कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च, 1980

सं० 10/180/जी०—तीन माह की सूचना की समाप्ति पर, श्री ए० सी० पिलाई स्थानापन्थ भौतिक दर्वां स्थायी ढी० एम० दिनांक 1-5-1976 (अपराह्न) से सेवा से संवृत्तार्थक निवृत्त हुए।

वी० के० मेहता,
सहायक महानिदेशक,
आईनैन्स फैक्टरियाँ

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय (वाणिज्य विभाग)

मुद्र्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च, 1980

आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/957/72-प्रशासन (राज०)/1331—सेवा-निवृत्ति की आयु होने पर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी वर्ग-I के अधिकारी, श्री टी० ए० बालाकृष्णन ने 29 फरवरी, 1980 के दोपहर बाद से इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/632/61-प्रशासन (राज०)/1341—सेवा-निवृत्ति की आयु होने पर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी विभाग अधिकारी और उसी सेवा के वर्ग-I में स्थानापन्थ रूप में कार्य कर रहे श्री सी० ए० आर्थ ने 29 मार्च, 1980 के दोपहर बाद से इस कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 13 मार्च, 1980

सं० 6/1313/79-प्रशासन (राज०)/1370—मुद्र्य नियंत्रक, आयात-निर्यात एनद द्वारा आयकर कार्यालय, देहरादून में आयकर नियोक्त श्री महेश चन्द्र को, 5 फरवरी, 1980 के दोपहर पूर्व से अगला आदेश होने तक संयुक्त मुद्र्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, अहमदाबाद में स्थानापन्थ रूप से नियंत्रक, आयात-निर्यात वर्ग "ख" के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री महेश चन्द्र, नियंत्रक के स्वयं में रु. 650-30-740-35-810-द० रु०-40-1000-द० रु०-40-1200 के बेतनमान में बेतन प्राप्त करेंगे।

ए० एन० चटर्जी,
उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात,
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(ग्रोडोगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 मार्च 1980

सं० 12(610)/69—प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली के श्री पी० पी० बर्मा, सहायक निदेशक, ग्रेड-II (वैद्युत) को दिनांक 30 जनवरी, 1980 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक, उसी संस्थान में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (वैद्युत) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 12 (625)/69—प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति जी, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में महायक संपादक (हिंदी) श्रीमती रक्षा छिब्बर को दिनांक 15 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, इसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, ग्रेड-I (प्रचार) के स्वयं में नियुक्त अरते हैं।

सं० ए०-19018/431/79—प्रशासन (राजपत्रित)---राष्ट्रपति जी, डा० मुर्णील कुमार कपूर को दिनांक 29 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, नई दिल्ली में उप निदेशक (रसायन) के स्वयं में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018/10/73—प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, नागपुर के श्री एस० आर० मुण्डारामी, सहायक निदेशक, ग्रेड-I (कांच/मृत्तिका) को दिनांक 29 नवम्बर, 1979 से 30 जून, 1980 तक की अवधि के लिए लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई में तदर्थ आधार पर उप निदेशक (कांच/मृत्तिका) के स्वयं में नियुक्त करते हैं।

महेश पाल गुप्त
उप निदेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी, 1980

सं० प्र० 6/247 (475) II—सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद पर अवनत होने पर श्री वी० वी० हजेला ने निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए, वस्त्र शाखा के ग्रेड III) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 10-1-80 के पूर्वाह्न से उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली के अधीन उप निदेशक निरीक्षण,

कानपुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) का कार्यभार सम्भाल निया।

दिनांक 15 मार्च, 1980

सं० ए०-247 (264)—निरीक्षण निदेशक, जमशेदपुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) श्री एस० के�० नाग निवृत्तमान आयु होने पर दिनांक 31-1-80 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० प्र० 6/247 (374)—निरीक्षण निदेशक, वर्धान पर के कार्यालय में महायक निरीक्षण अधिकारी (धातु-रसायन) श्री वी० एन० राय चौधरी दिनांक 31-1-80 के अपराह्न से निवृत्तमान आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० ए०-17011/174/80-प्र० 6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी०) श्री एस० सी० गर्म को दिनांक 2-2-80 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के स्वयं में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-17011/175/80-प्र० 6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, निदेशक, पूर्ति तथा निपटान, मद्रास के कार्यालय में कनिष्ठ थोक अधिकारी श्री एन० एस० नटराजन को दिनांक 28-1-1980 के अपराह्न से आगामी आदेशों तक निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) के स्वयं में नियुक्त करते हैं।

(प्रशासन अनुभाग-1)

दिनांक 17 मार्च, 1980

सं० प्र० 1/1 (1153)/80—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति निदेशक (वस्त्र), बम्बई के कार्यालय में अवर प्रगति अधिकारी श्री ई० एल० श्रीनिवासन को दिनांक 1-3-80 के पूर्वाह्न से बम्बई ते उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड II) के स्वयं में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न स्वयं से नियुक्त करते हैं।

श्री श्रीनिवासन की सहायक निदेशक, पूर्ति (ग्रेड II) के स्वयं में नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर होती और उनसे अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों के अधिकार पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा और उन्हें वर्तमान स्थानापन्न व्यवस्था के आधार पर भविष्य में पदोन्नति का दावा करने का हक नहीं होगा।

सं० प्र० 1/1 (1154)/80—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में अधीक्षक श्री मनोहर लाल जे० ताहिल्यानी जो दिनांक 1 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक, पूर्ति (ग्रेड II) के स्वयं में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न स्वयं से नियुक्त करते हैं।

श्री मनोहर लाल जे० ताहिल्यानी की सहायक निदेशक, पूर्ति (ग्रेड II) के स्वयं में नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर

होगी और उनसे अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों के हक पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा और वर्तमान स्थानापन्थ व्यवस्था के आधार पर भविष्य में पदोन्नति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा।

सं. प्र० 1/1 (1156)/80:—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा निरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में अधीक्षक श्री टी० बी० पोते को दिनांक 1-3-80 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान निं० बम्बई के कार्यालय में तदर्थं आधार पर सहायक निदेशक ग्रेड- के रूप में नियुक्त करते हैं।

सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में श्री पोते की पदोन्नति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थं आधार पर होगी और उनसे अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा और उन्हें वर्तमान स्थानापन्थ व्यवस्था के आधार पर भविष्य में पदोन्नति का दावा करने का हक नहीं होगा।

पी० डी० सेठ,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात, खान और कोल मंडलय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 10 मार्च, 1980

सं. ए०-19011/163/75—स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति डा० एस० सी० पांडे, वर्तमान वरिष्ठ रसायनविद् (तदर्थं आधार पर) को स्थानापन्थ रूप में वरिष्ठ रसायनविद् के पद पर भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 28-2-1980 के अपराह्न से अगले आदेश तक सहर्षं नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एस० व्ही० अमी
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय भूवैज्ञानिक संबोधण

कलकत्ता-700016, दिनांक 13 मार्च, 1980

सं. 2034 बी० ए०-19011 (1-ए के बी०)/79-19ए:—राष्ट्रपति जी श्री अनुप कुमार बंद्योपाध्याय को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक संबोधण में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 ह० के वेतनमान में, स्थानापन्थ क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 29-12-1979 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

बी० ए० कृष्णस्वामी,
महा निदेशक

भारतीय संबोधण विभाग

महासंबोधक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 12 मार्च, 1980

सं. सी० 5607/718-ए—श्री ए० बी० सरकार, मैप-म्युरेटर, 8 फरवरी, 1980 (अपराह्न) से श्री राम लाल स्थापना एवं लेखा अधिकारी, जो क्षुद्री पर गए हैं, के स्थान पर पूर्वी संकिळ कार्यालय, भारतीय संबोधण विभाग कलकत्ता में 840-40-1000-द० रो०-40-1200 ह० के वेतन मान में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा० सी० सेवा ग्रुप 'बी') के पद पर तदर्थं आधार पर स्थानापन्थ रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

के० ए० खोमला
मेजर जनरल
भारत के महासंबोधक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

सं. 2/66/60-एस० दो०:—वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर श्री एस० ए० एन्टोनीमामी, प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, विजयवाड़ा दिनांक 30-9-79 (अपराह्न) से सेवा से निवृत हो गये हैं।

दिनांक 15 मार्च 1980

सं. 29/7/78-एस०-दो—इस निदेशालय के समसंबंधक आदेश दिनांक 14-1-80 के पालनार्थं श्री जी० बी० पटेल, तदर्थं आधार पर काम कर रहे फार्म रेडियो अधिकारी ने दिनांक 21-1-80 से फार्म रेडियो अधिकारी, आकाशवाणी, बड़ोदा के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

एस० बी० सेषांब्री,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृपेते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1980

सं. 6 (66)/62-एस-I—निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर, श्री डी० बेकेटेशन ने कार्यक्रम निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, मद्रास का पदभार दिनांक 31 जनवरी, 1980 अपराह्न से त्याग दिया।

नन्द किशोर भारद्वाज,
प्रशासन उपनिदेशक
कृपेते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च 1980

सं. 6-19/77-डी० सी०—राष्ट्रपति ने डा० पंकज कुमार चटर्जी को 25 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों

तक केन्द्रीय श्रीष्ठि प्रयोग शाला, कलकत्ता में जीवाणु विज्ञानी के पद पर नियुक्त किया है।

श्री पी० जी० राय ने उसी दिन से केन्द्रीय श्रीष्ठि प्रयोगशाला, कलकत्ता से जीवाणु विज्ञानी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है और वे अर्जित छहटी पर चले गये हैं।

श्री पी० जी० राय ने 25 जनवरी, 1980 ९ ८ फरवरी, 1980 तक 15 दिनों की अर्जित छुट्टियाँ बिताने के बाद 11 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रीष्ठि प्रयोगशाला, कलकत्ता तकनीकी अधिकारी (जीवाणुविज्ञान) के पद का कार्यभार संभाल लिया है। 9 फरवरी, तथा 10 फरवरी, 1980 को ऋषिः वित्तीय शनिवार और रविवार की छुट्टियाँ थीं।

संगत सिंह
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च, 1980

सं० ए० 19019/26/76-जे० आई० पी०/प्रशासन-I—
राष्ट्रपति ने जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी के जीव रसायन डा० पी० रामाकृष्ण राव का 1 फरवरी, 1980 पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से इस्तीफा मंजूर कर लिया है।

सं० ए०-12026/5/78-सी० एल० टी० आर० आई०/प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री टी० के० एम० पिल्ले अनुभाग अधिकारी, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय को 14 जनवरी, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय कुछ शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चिगलपुठ में प्रशासन अधिकारी के पद पर तब्दील आधार पर नियुक्त किया है।

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 15 जनवरी 1980

सं० पी० ए०/81 (12)/79-आर०-4—अपर निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, इस केन्द्र के मिम्नलिखित अधिकारियों को वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर घेड एम० बी० के पद पर उनके नाम के सामने कालम नं० 5 में अंकित तिथि से इसी अनुसंधान केन्द्र में, स्थानापन्थ रूप से, अधिक्रम आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

क्रम संख्या	नाम	यदि किमी पद पर स्थाई नियुक्त हो	स्थानापन्थ पद	दिनांक
1.	श्री जोखू राम गुप्ता	—	एस० ए० (सी)	1-8-79 (पूर्वाह्न)
2.	श्री परमानन्द लधाराम वामवानी	सहायक फौरमैन	फौरमैन	—वही—
3.	श्री सुरेश चंपकलाल ज्वरेरी	—वही—	—वही—	—वही—
4.	श्री विजयेन्द्र कृष्णराव हर्गेहल्ली	—वही—	—वही—	—वही—
5.	श्री नाना दामोदर गावङ्के	टी० मैन (सी)	—वही—	—वही—
6.	श्री कृष्णस्वामी वैकटेशन	—	एस० ए० (सी)	—वही—
7.	श्री अर्जय सिंह	—	—वही—	—वही—
8.	श्री माडप्पड वेलायुधन सुरेन्द्रनाथ	एस० एस० (बी)	—वही—	10-8-79 (पूर्वाह्न)
9.	श्री कार्सम मुस्तफा अली	—वही—	—वही—	1-8-79 (पूर्वाह्न)
10.	श्री शंकर रामचन्द्र चिच्चिंगकर	टी० मैन (जी)	—वही—	—वही—

सं० ए० 12025/7/78—(ए० आई० आई० एच० पी० एच०)/प्रशासन—I—राष्ट्रपति ने डा० जी० राजगोपाल को ४ फरवरी, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अधिन भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में जीव रसायन एवं पोषण विज्ञान के सहायक प्रोफेसर के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 11 मार्च, 1980

सं० ए० 12024/1/76—प्रशासन—I (भाग-2) (ख):—
केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में अपनी बदली हो जाने के फल-स्वरूप डा० (श्रीमती) जी० के० सच्चर ने 28 सितम्बर, 1979 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली के अधीन दन्त शल्य चिकित्सक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अधीन दन्त शल्य चिकित्सक के पद पर अपनी नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप डा० (श्रीमती) जी० के० सच्चर ने 28 सितम्बर, 1979 पूर्वाह्न को सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली से वन्त शल्य चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 12025/35/76—(ए० आई० आई० एच० पी० एच०)/प्रशासन—I—राष्ट्रपति ने डा० (श्रीमती) इन्दिरा चक्रवर्ती को १ फरवरी, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अधिन भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में जीव रसायन विज्ञान तथा पोषण के एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

क्रम संख्या	नाम	यदि किसी पद पर स्थाई नियुक्ति हो	स्थानापन्न पद	दिनांक
11.	श्री प्रधीणचन्द्र भंगलजीभाई शाह	एस० ए० (बी)	एस० ए० (सी)	1-8-79 पूर्वाल्कि
12.	श्री जगदीश बाबूश्वामी	—	एस० ए० (सी)	—वही—
13.	डॉ मन्नम् सुब्बाराव	—	—वही—	—वही—
14.	श्री वप्पला सेथुमाधवन्	एस० ए० (बी)	एस० ए० (सी)	—वही—
15.	श्री उश्मिपरम्पत कनिचुकलथु विश्वनाथन्	—वही—	—वही—	—वही—
16.	श्री वासुदेव कुरुप रवीन्द्रन नायर	—वही—	—वही—	—वही—
17.	श्री रमेश चन्द्र हरिश्वाई रखामिया	एस० ए० (बी)	एस० ए० (सी)	1-8-79 पूर्वाल्कि
18.	श्री चन्द्रपीखरन् कृष्णन् पिल्ली	—वही—	—वही—	—वही—
19.	श्री नरसिंहन् गोपालन्	एस० ए० (ए)	—वही—	—वही—
20.	श्री असुन्नाचलम् राजू	एस० ए० (बी)	—वही—	—वही—
21.	श्री सैयद अब्दुर दुसेन	एस० ए० (ए)	एस० ए० (बी)	—वही—
22.	श्री वैतिनाथ कन्नन	एस० ए० (बी)	एस० ए० (सी)	—वही—
23.	श्री सदानंद जनार्दन राऊत	—वही—	—वही—	—वही—
24.	श्री मधूत् रत्नाकरन्	—वही—	—वही—	—वही—
25.	श्री अश्वरफ़खान केरलखान पठान	—	एस० ए० (सी)	—वही—
26.	श्री कल्लरक्कल कुंजुभिं बालकृष्णन् नायर	टी० मैन (एफ)	—वही—	—वही—
27.	श्री सदानंद चित्तामण कारंदीश्वर	एस० ए० (बी)	—वही—	—वही—
28.	श्री सरदार सिंह मरहम	—वही—	—वही—	—वही—
29.	श्री कोडी वेनकप्पा किनी	—वही—	—वही—	—वही—
30.	श्री तूरानी कृष्णन् मोणाद्री	एस० ए० (बी)	—वही—	—वही—
31.	श्री अणोक रामचन्द्रराव कलुरकर	एस० ए० (ए)	—वही—	—वही—
32.	श्री लालोद्दनाथ सिंह	—वही—	—वही—	—वही—
33.	श्री बिस्मल रंजन भरकार	एस० ए० (बी)	—वही—	—वही—
34.	श्री शरद विश्वनाथ मयेकर	—वही—	—वही—	—वही—
35.	श्री रामचन्द्र रघुबरदस शर्मा	एस० ए० (ए)	—वही—	—वही—
36.	श्री मूलचेरि सुकुमारन नायर	एस० ए० (बी)	—वही—	—वही—
37.	श्री गदाधर मंडल	फौरमैन	—	—वही—
38.	श्री मंगेश रावलनाथ कंटक	—वही—	—	—वही—
39.	श्री पयाट्टिनडल खलौधननायर बालकृष्णन् नायर	—वही—	—	—वही—
40.	श्री रमाकान्त द्वारकानाथ तुंगारे	एस० ए० (बी)	एस० ए० (सी)	—वही—
41.	श्री कमल किशोर रामपाल	टी० मैन (सी)	—	—वही—
42.	श्री मुमाष गोविन्द बेलगांवकर	—वही—	—	—वही—
43.	श्री राजकुमार सुर्मा	—वही—	—	—वही—
44.	श्री अद्दुल अर्जीज उमर धाबी	एस० ए० (बी)	एस० ए० (सी)	—वही—
45.	श्री नारायणन् वसंतराव मंगलवेडकर	एस० ए० (बी)	एस० ए० (सी)	1-8-79 पूर्वाल्कि
46.	श्री नारायणन् पिल्ले षण्मुखन पिल्ली	एस० ए० (सी)	—	—वही—
47.	श्री वत्तापिल्ले गोपालकृष्णन्	एस० ए० (बी)	एस० ए० (सी)	—वही—
48.	श्री शंकरासुब्बीर वेंकटेश्वरन्	—वही—	—वही—	—वही—
49.	श्री अंगरि श्रीनिवासागणेशन्	—	—वही—	—वही—

सं० पी० ए०/81 (12)/79-प्रार०-4—प्रपर निवेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र की, बी० ई० सी० परियोजना के निम्नलिखित अधिकारियों को वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर मेंड एस० बी० के पद पर उनके नाम के सामने कालम 5 में अंकित निधि से अधिसम्मान तक, इसी अनुसंधान केन्द्र में नियुक्त करते हैं।

क्रम संख्या	नाम	यदि किसी पद पर स्थाई नियुक्ति हो	स्थानापन्न पद	दिनांक
1	2	3	4	5
1.	श्री तपन कुमार चट्टोपाध्याय	एस० ए० (बी)	एस० ए० (सी)	1-8-79 पूर्वाह्न
2.	श्री नादौर विजय राधवाचार्य मुरलीधरन्	एस० ए० (बी)	एस० ए० (बी)	16-8-79 (पूर्वाह्न)

ए० एस० दीक्षित
उप स्थानापन्ना अधिकारी

केन्द्रीय समिक्षा

बम्बई-400085, दिनांक 15 फरवरी 1980

संदर्भ : 5/1/79-स्था० II/583—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को, तदर्थ रूप से उनके नाम के सामने अंकित समयावधि के लिए स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम तथा पदनाम	स्थानापन्न रूप में नियुक्ति	समयावधि
		से	तक
1.	श्री पी० ई० जोब सहायक सुरक्षा अधिकारी	सुरक्षा अधिकारी	27-8-79 पूर्वाह्न
2.	श्री पी० ई० जोब सहायक सुरक्षा अधिकारी	सुरक्षा अधिकारी	28-12-79 पूर्वाह्न

सं० 5/1/79-स्था० II/585—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को, तदर्थ रूप से उनके नाम के सामने अंकित समयावधि के लिए स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी II/सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम तथा पदनाम	स्थानापन्न रूप में नियुक्ति	समयावधि
		से	तक
		पूर्वाह्न	प्रपराह्न
1.	श्री एस० के० कपूर सहायक कार्मिक अधिकारी	प्रशासन अधिकारी-II	29-10-79
2.	श्री जे० प्रार० कण्ठि सहायक कार्मिक अधिकारी	प्रशासन अधिकारी-II	3-11-79
3.	श्री बी० पी० कुलकर्णी सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	29-10-79
4.	श्री ए० के० कात्रे सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	3-11-79
5.	श्री जे० बी० नाईक सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	3-10-79
6.	श्री एस० प्रार० पिंगे सलैक्शन मेंड लिपिक	सहायक कार्मिक अधिकारी	17-12-79
			2-2-80

दिनांक 18 फरवरी, 1980

सं० 5/1/79—स्थापना II/625—नियंत्रक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्ननियमित अधिकारियों को तदर्थ रूप से स्थानापन सेवा लेखा अधिकारी II/स्थानापन सहायक लेखा अधिकारी पद पर उनके नाम के सामने अंकित समयावधि तक नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	नाम तथा पदनाम	स्थानापन रूप में नियुक्ति	समयावधि		अप्युक्ति
			में	तक	
1.	श्री कौ० जॉ० जॉर्ज सहायक लेखा अधिकारी	लेखा अधिकारी-II	5-11-79	31-12-79	
2.	श्री पी० बी० कलंके सहायक लेखाकार	सहायक लेखा अधिकारी	पूर्वाह्न 5-11-79	पूर्वाह्न 31-12-79	
3.	श्री पी० बी० कलंके सहायक लेखाकार	सहायक लेखा अधिकारी	पूर्वाह्न 1-1-80	पूर्वाह्न अग्रिम आदेशों तक	(श्री एन० गोकरणेशन के मूल विभाग में लौटने के कारण नियमित अधि- कारी के आने तक)।
4.	श्री जी० बी० मांडके सहायक लेखाकार	सहायक लेखा अधिकारी	पूर्वाह्न 24-12-79	पूर्वाह्न 30-1-80	

दिनांक 29 फरवरी, 1980

सं० 5/1/79/स्था० II/752—नियंत्रक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री बी० एम० नायक, सं० ए० लिपिक को स्थानापन सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर दिनांक 22-10-79 (पूर्वाह्न) से 25-1-80 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 मार्च, 1980

सं० 5/1/79—स्था० II/797—नियंत्रक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री पी० बी० करंदीकर, सहायक को स्थानापन सहायक कार्मिक अधिकारी पद पर दिनांक 29-12-1979 (पूर्वाह्न) से 29-1-1980 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

कु० एच० बी० विजयकर,
उप-स्थापना अधिकारी

ऊर्जा विभाग

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक मार्च, 1980

सं० प० ख० प्र०-2/2900/79—प्रशा०—श्री एम० जमील हुसैन शरीफ द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग में वैज्ञानिक अधिकारी/एस० बी० के प्रस्थानी पद से दिया गया त्यागपत्र परमाणु खनिज प्रभाग के नियंत्रक द्वारा 10 फरवरी, 1980 के अपराह्न से स्वीकार कर दिया गया है।

एम० एस० राव,
बरिष्ट प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अंतरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र

ग्रहमध्याद-380053, दिनांक 3 मार्च 1980

सं० ई एस टी/सी० ए०/7047—नियंत्रक, अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र, श्री भारत नवीनिकांत पण्ड्या को अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र/भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन/अंतरिक्ष विभाग में अभियंता एस० बी० के पद पर दिनांक 22 नवम्बर 1979 से 30 जून 1980 तक की प्रवधि के लिये प्रस्थानी रूप से नियुक्त करते हैं।

एम० पी० आर० पण्डिकर
प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विभाग का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च, 1980

सं० ए० 12026/1/78-ई० डब्ल्यू०—महानिदेशक, नागर विभाग श्री एच० एस० रावत को दिनांक 25-2-80 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक नागर विभाग विभाग में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-36-880-40-1200 के वेतनमान में सहायक अभियंता अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री रावत को क्षेत्रीय नियंत्रक कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता के अधीन अभियंता अधिकारी सेवा प्रशिक्षण केन्द्र, कलकत्ता में तैनात किया जाता है।

वी० बी० जौहरी
उप नियंत्रक प्रशासन
कृते महानिदेशक
नागर विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च, 1980

सं० ए०-३२०१३/१७/७८-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को 31 मार्च, 1980 तक या ग्रेड में नियमित नियुक्त होने तक, इनमें जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दी है :—

क्र०सं०	नाम	स्टेशन
1.	श्री जी० बी० बंसल	राजकोट
2.	श्री ए० के० शा	उत्तरी लखीमपुर
3.	श्री डी० एस० चतरथ	दिल्ली एयरपोर्ट, पालम
4.	श्री डी० डी० बुत्थू	श्रीनगर

विश्वविनोद जौहरी
उप-निदेशक
प्रशासन

नई दिल्ली-२२, दिनांक 7 मार्च, 1980

सं० ए०-३२०१३/१३/७९-ई०-I—राष्ट्रपति जी, श्री आर० पी० सिंह, उपनिदेशक विमान सुरक्षा, नागर विमानन विभाग को दिनांक 19 नवम्बर, 1979 से 31-३-१९८० तक तदर्थ आधार पर निदेशक, विमान सुरक्षा के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 मार्च, 1980

सं० ए० ३२०१३/१०/७९-ई०-I—इस विभाग की दिनांक 28-१-१९८० की अधिसूचना संख्या ए० ३२०१३/१०/७९-ई०-I के अम में महानिदेशक नागर विमानन ने नागर विमानन विभाग के स्थाई लेखापाल श्री एस० आर०

सं० ए०-३२०१४/४/७९-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 8-१-१९८० की अधिसूचना सं० ए० ३२०१४/४/७९-ई० सी० के अम सं० 3 और 4 का मंशोधन करने द्वाएँ महानिदेशक नागर विमानन निम्नलिखित दो संचार सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से नियमित आधार पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात करते हैं :—

क्र० सं०	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार संभालने की तारीख
3.	श्री के० जी० नाथर	वै० संचार स्टेशन, मद्रास	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	7-१२-७९ (पूर्वाह्न)
4.	श्री आर० पी० बर्तन	वै० संचार स्टेशन, बंगलौर	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	18-१२-७९ (पूर्वाह्न)

एन० ए० पी० स्वामी
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमान्शुल्क समाहर्तालय
समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मध्यप्रदेश
इन्वॉर, दिनांक 13 मार्च, 1980

क्रमांक 4/80—मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, इन्वॉर के बहु परीय रेंज I, सागर में तैनात

भाटिया की लेखा अधिकारी (लागत) के पद पर तदर्थ नियुक्ति को 18-१२-७९ से और 46 दिन की अवधि के लिये श्री टी० पी० नल्लैय्यन* के स्थान पर और 2-२-८० से तीन माह की अवधि के लिये अधिका पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, श्री एस० सी० भाटिया** (अपने मूल विभाग में प्रत्यावृत्ति किया गया है) के स्थान पर जारी रखने की संस्कृति दी है।

*लेखा अधिकारी (लागत)

**लेखा अधिकारी

चितरंजन कुमार वस्तु
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1980

सं० ए० ३२०१३/३/७९-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 6 मार्च, 1980 की अधिसूचना सं० ए०-३२०१३/५/७८-ई० सी० के अम में राष्ट्रपति जी महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय) में उपनिदेशक, संचार के रूप में तदर्थ आधार पर कार्यरत श्री आर० पी० शर्मा को 8-२-१९८० से उपनिदेशक संचार के ग्रेड में नियुक्त आधार पर नियुक्त करते हैं और उन्हें उसी कार्यालय में तैनात किया जाता है।

सं० ए० ३२०१३/९/७९-ई० सी०—राष्ट्रपति जी, श्री पी० के० वत्ता, I, सहायक संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता को दिनांक 21-१-१९८० (पूर्वाह्न) से 29-२-१९८० तक तदर्थ आधार पर संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात करते हैं।

सं० ए० ३२०१४/४/७९-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 8-१-१९८० की अधिसूचना सं० ए० ३२०१४/४/७९-ई० सी० के अम सं० 3 और 4 का मंशोधन करने द्वाएँ महानिदेशक नागर विमानन निम्नलिखित दो संचार सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से नियमित आधार पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं और उनके नाम के सामने दिये गये स्टेशन पर तैनात करते हैं :—

क्र० सं०	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार संभालने की तारीख
3.	श्री के० जी० नाथर	वै० संचार स्टेशन, मद्रास	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	7-१२-७९ (पूर्वाह्न)
4.	श्री आर० पी० बर्तन	वै० संचार स्टेशन, बंगलौर	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	18-१२-७९ (पूर्वाह्न)

श्री आर० एल० बावरिया, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' ने निर्वाचन की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31 जनवरी, 1980 के अपराह्न में सेवामुक्त कर दिये गये।

लिखित किण्ठन धर
समाहर्ता

मद्रास-600 034, दिनांक 13 मार्च 1980

सं० IV/16/384/78-सी० एक्स०-एड्ज०-II—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (सातवां संशोधन), नियमावली, 1976 के नियम 232 'क' के उपनियम (1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो कि दिनांक 21-2-1976 से प्रभावी है, यह शोधित किया जाता है कि उपनियम (2) के जन्तर्गत निर्दिष्ट केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा नमक अधिनियम की धारा 9 के अंतर्गत न्यायालय द्वारा बोधी ठहराए गए व्यक्तियों और उनके नाम, पते व अन्य विवरण जिन पर पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 33 में निर्दिष्ट अधिकारी द्वारा 10,000.00 रुपये या उससे शास्ति अधिक्षेपित की गयी है नीचे दिये जाते हैं। (साल का तौराई हिस्सा—31-12-79 के लिये) :—

क्र०	व्यक्ति का नाम	पता	अधिनियम के उल्लिखित उपबंध	अधिरोपित शास्ति की शक्ति
सं०		3	4	5
1	2	3	4	5
1.	श्री बालाजी एन्टरप्रेसेस, मद्रास-12	पं० 144, स्ट्राहन्स	केन्द्रीय उत्पादन शुल्क और नमक अधिनियम के 1944 की धारा 9(1)(ख) 9(1) (ख) (ख) और 9(1) (ख) (ख) (ख)	1. अपराध के कारण क-1 से क-8 तक प्रत्येक की धारा 9(1) (ख) के अंतर्गत दोषी ठहराया गया और उनको न्यायालय का समय समाप्त हो जाने तक कारबास की सजा और उसके अतिरिक्त प्रत्येक को ₹ 250/- का जुर्माना भी अनुपस्थिति में क-2 से क-8 को एक महीने का कठोर कारबास की सजा निवेश हुआ है।
2.	एस० हरिहरन क-1 कंपनी का मैनेजर पार्टनर			
3.	आर० मनोहरन, क-1 कंपनी का मैनेजर			
4.	श्रीमती एम० शिवरानी, क-1 कंपनी का पार्टनर			
5.	श्रीमती श्रलमेलु अम्माल, क-1 कंपनी का पार्टनर			
6.	श्री आर० रामचन्द्रन, क-1 कंपनी का पार्टनर			
7.	श्री के० आर० शेकर			(2) अपराध के कारण क-1 से क-3 और क-6 से क-8 प्रत्येक को धारा 9(1) के अंतर्गत ₹ 250/- जुर्माना, [अनुपस्थिति में क-2, क-3 और क-6 से क-8 प्रत्येक को एक महीने का कठोर कारबास की सजा निवेश हुआ है।
8.	एम० केवियराज	: } अधिकत मैनेजर्स		(3) अपराध के कारण क-1 से क-3 और क-6 से क-8 प्रत्येक को धारा 9(1) (ख) (ख) (ख) के अंतर्गत ₹ 250/- जुर्माना, अनुपस्थिति में क-2, क-3 और

1	2	3	4	5
2.	श्री आर० एस० गुलाबजान	एल० 5 नं० 35/75, कवारि पट्टिणम धर्मपुरी	केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा नमक अधिनियम के 1944 की धारा 9(1) (ख) 9(1)(ख) पढ़िए के० 3 श० के० 1944 की नियम 151 (ग) और 223 (क)	क-6 से क-8 प्रत्येक को एक महीने का कठोर कारा- बास की सजा निवेश हुआ है। दंडित और र० 250/- चुकाने का जुमाना, अनु- पस्थिति में 2 महीनों का कठोर काराबास की सजा आदेश हुआ है।
3.	श्री ए० के० गोविंदसामी	एल० 5 नं० 76-64 अट्टूर	केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा नमक अधिनियम के 1944 की धारा 9(1) (ख) 9(1)(ख) पढ़िए केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के 1944 की नियम 144 (ग) और 151 (ग)	दंडित और 3 महीनों का कठोर काराबास अनुभव करने की प्रत्येक सहजती सजा आदेश दिया गया है।
4.	श्री मानिकम चेट्टियार	एल० 5 नं० 106-74 नाडुपालथम गांव		दंडित और 6 महीनों का कठोर काराबास लेकिन मद्रास उच्चत न्यायालय पाटी के सिफारिश पर शिक्षा (जो अब तक अनुभव कर चुका है) कम कर दिया गया है और उसके अतिरिक्त र० 1,000/- जुमाना, अनु- पस्थिति में 1 महीने का कठोर काराबास की सजा निवेश हुआ है।
5.	श्री एम० अब्बास श्री हमैन मीरान साहेब के पुत्र	तंबाकू व्यापारी, एल० 5 [नं० 5/72 देणनायकन पट्टी सेलम्।।]	केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा नमक अधिनियम के 1944 की धारा 9(1) (ख), 9(1)(ख) और 9(1) (खख) पढ़िए के० 3 श० के नियम 29, 31, 151, और 223-क, तथा 226	दंडित और 1 साल की कठोर काराबास की सजा का आदेश दिया गया है।

II—विभागीय न्याय निर्णय

—शून्य—

बी० आर० रेड्डी
समाहसरी
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मद्रास-34

केन्द्रीय जल और विद्युत प्रनुसंधान शाला डाकघर खड़कासला
अनुसंधान शाला

पुणे-411024, दिनांक 23 फरवरी 1980

सं० 608/166/80-प्रशासन—निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत प्रनुसंधान शाला, खड़कासला, पुणे इसके द्वारा श्री छोटी जी० फडके की लेखा अधिकारी के पद पर केन्द्रीय जल और विद्युत प्रनुसंधान शाला, पुणे में वेतन रुपए 1040/- प्रति माह वेतनमान रुपए 840-40-1000-द० रो० 40-1200 पूर्वाह्नि 1 फरवरी, 1980 से प्रतिनिधित्व पर 1 साल के लिए नियुक्त करते हैं।

श्री छोटी० जी० फडके, रुपए 160/- प्रतिमाह प्रतिनियुक्ति (इयटी) भन्ता, वित्त मंत्रालय, (व्यय विभाग) के काठौं ज्ञा० संख्या 10 (24)/ई० 3/70 दिनांक 4 मई, 1961 के निबंधन के अनुसार भिन्नने के हकदार हैं।

श्री छोटी० जी० फडके की लेखा अधिकारी के श्रेणी में बिलकुल अस्थायी तथा तवर्धि रूप में नियुक्ति की गई है। लेखा अधिकारी की श्रेणी में जो काम वे करेंगे उस पर उन्हें वरिष्ठता/नियमित पदोन्नति के लिए दावा करने का हक नहीं रहेगा।

दिनांक 11 मार्च 1980

सं० 608/150/80-प्रशासन—संघ लोक सेवा आयोग से किए गए चयन के कारण निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत प्रनुसंधान शाला, पुणे 411024, श्री शंकर लक्ष्मण पाटील की सहायक प्रनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी-यांत्रिक) के पद पर केन्द्रीय जल और विद्युत प्रनुसंधान शाला, पुणे में वेतनमान रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 पर 25 सितम्बर 1979 के पूर्वाह्नि से नियुक्ति करते हैं।

श्री शं० ल० पाटील के लिए 25-9-79 से दो साल की परिवेशावधी होगी।

म० रा० गिडवानी,
प्रशासन अधिकारी
कूते निदेशक।

निर्माण महानिवेशलय
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
नई बिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1980

सं० 33/11/78-ई० सी०-९—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री राजेन्द्र वैद्य को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में रुपए 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में रुपए 700/- प्रतिमास वेतन तथा (सामान्य भत्ते) पर सामान्य घरतों पर 5-2-80 (पूर्वाह्नि) से उपचास्तु-विद् के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप-ए) नियुक्त करते हैं। उनका वेतन गीब्र ही नियमान्मार निर्धारित किया जाएगा।

2. श्री राजेन्द्र वैद्य 5-2-80 (पूर्वाह्नि) से दो वर्ष तकीय अवधि के लिए परीबोधा पर रखे जाते हैं।

के० ए० अनन्तनारायणन,
प्रशासन उपनिदेशक

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकारण

नई बिल्ली-110022, दिनांक 14 मार्च 80

सं० 2/2/80-प्रशासन-1(बी०)—मध्यस्थ केन्द्रीय विद्युत प्राधिकारण, एतद्वारा श्री शांति प्रसाद, सांखियकी सहायक, को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकारण में अतिरिक्त सहायक निदेशक (वाणिज्य) के ग्रेड में 3 मार्च, 1980 (पूर्वाह्नि) से, अगले आष्टे होने तक, नियुक्त करते हैं।

श्री राम खीथा
अवर सचिव।

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

मालीगांव, दिनांक 10 मार्च 1980

सं० ई०/55/111/97-ओ०—श्री जी० पी० बर्मा, मुख्य खजांची (श्रेणी-I) वेतनमान 1100-1600 रु० को दिनांक 1-12-78 से स्थायी किया जाता है।

2. निम्नलिखित अधिकारियों को सहायक लेखा अधिकारी श्रेणी-II सेवा में उनके नाम के सामने निर्दिष्ट तारीख से स्थायी किया जाता है।

नाम	किस तारीख से स्थायी किया जाता है
1. श्री ए० आर० भट्टाचार्य	1-12-78
2. श्री टी० आर० पाठक	1-6-79
3. श्री बी० एस० दुआ	1-8-79

बी० बेंकटरमणी,
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और उत्कल केबल इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 12 मार्च 1980

सं० एस० ओ० 455/80/5437(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उत्कल केबल इण्ड-

स्टोर्ज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विष्टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और भगवती एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 12 मार्च 1980

सं० एस० ओ०-४२०/५४३६(२)---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि भगवती एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विष्टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सिगमा स्टोल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 12 मार्च 1980

सं० एस० ओ०-३८६-८०-५४३५(२)---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सिगमा स्टोल प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विष्टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और झरया मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 12 मार्च, 1980

सं० एस० ओ० २९४/८०/५४३४(२)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि झरया मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विष्टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और उक्त कैमिकल एण्ड श्रायल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 12 मार्च 1980

सं० एस० ओ०-८९/८०-५४३३(२)---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त कैमिकल एण्ड श्रायल इंडस्ट्रीज लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विष्टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्रीखंड कन्सट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च 1980

सं० एस० ओ० ३९०/(८०)-५४ ३२९(२)---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री खंड कन्सट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विष्टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1936 ओर क० प्रोडियो फ्लाईंग कलब लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च 1980

सं० एस० ओ० ७५/८०-५४३१(२)---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि प्रोडियो फ्लाईंग कलब लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विष्टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जी०सी० दास एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 12 मार्च 1980

सं० एस० ओ० २८०-५४३०(२)---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जी०सी० दास एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विष्टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और नन्दन वुड ब्रॉडकट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 12 मार्च 1980

सं० एस० ओ० ५३१/८०-५४२९(२)---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नन्दन वुड ब्रॉडकट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विष्टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ओडिसा ट्रेलर्स सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 14 मार्च 1980

सं० एस० ओ० ५०२/८०(२)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह बे अवसान पर ओडिसा ट्रेलर्स सर्विस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विष्टित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सी माइड फृड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 14 मार्च 1980

सं० एस० ओ० ६६०/८०-५४५३(२)---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से

तीन मास के अवसान पर ती साईज कूड़ इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स एसपी एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कठक, दिनांक 14 मार्च 1980

सं० एम०ओ० 720/80-5455(2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स एसपी एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ओरिएण्ट मिनरल्स एण्ड ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कठक, दिनांक 14 मार्च 1980

सं० एम०ओ० 5455(2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ओरिएण्ट मिनरल्स एण्ड ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मीन उल इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के विषय में।

कठक, दिनांक 14 मार्च 1980

सं० एम०ओ० 5459(2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मीन उल इण्डस्ट्रीज लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रुरल सेविस एण्ड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के विषय में।

कठक, दिनांक 14 मार्च 1980

सं० एम०ओ० 755/80-5461(2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रुरल सेविस एण्ड इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

तीनी प्रधिनियम, 1956 और मून जीपर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कठक, दिनांक 14 मार्च 1980

सं० एम०ओ० 631/80-5463(2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मून जीपर प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

डी० के० पाल, कम्पनियों का रजिस्ट्रार उड़ीसा

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में व मै० मालवा धाकर कार्पोरेशन लिमिटेड के मामले में।

ग्वालियर, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० 1047/याद्व/989—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अंतर्गत सूचित किया जाता है कि मै० मालवा धाकर कार्पोरेशन लिमिटेड का नाम रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी समाप्त हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में व मै० स्मार्ट इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० 970/याद्व/992—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अंतर्गत एतद्वारा सूचित किया जाता है कि मै० स्मार्ट इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी समाप्त हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में व मै० मोहनलाल एण्ड मोहन लाल (इन्वीर) प्राइवेट लिमिटेड के मामले में।

ग्वालियर, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० 872/याद्व/995—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अंतर्गत एतद्वारा सूचित किया जाता है कि मै० मोहनलाल एण्ड मोहनलाल (इन्वीर) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी समाप्त हो गई है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना, कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश, ग्वालियर

आयकर आयुक्त का कार्यालय
कोम्बीन-16, दिनांक 26 फरवरी 1980

आदेश

विषय : संस्थापना, आयकर अधिकारी, श्रेणी 'बी' पदोन्नति का आदेश जारी करना।

सं० 2/एस्ट०/कोण/79-80—निम्नलिखित पदोन्नति और नियुक्ति का आवेदन एतद्वारा दिए जाते हैं :—

2. श्री जी० जगदीशन, आयकर निरीक्षक, आयकर आयुक्त का कार्यालय, केरल, एरणाकुलम को दिनांक 29-2-1980 के पूर्वाह्न से या उनके कार्यभार लेने की तारीख से, जो बाद में आता है और आगामी आदेशों तक रु० 650-30-740-36-810 -ई० बी०-36-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में आयकर अधिकारी, श्रेणी 'बी' के पद पर स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए एतद्वारा नियुक्त किये जाते हैं। वे दो वर्ष कि अवधि तक परिवीक्षा पर होंगे।

3. उपर्युक्त पद की नियुक्ति बिल्कुल अस्थायी और सामयिक है जो किसी सूचना के बिना ही समाप्त करने लायक है। इनकी नियुक्ति, उच्च न्यायालय केरल में फायल किए हुए मूल याचिका सं० 4023/1978 और सं० 263/1980 एम तथा उच्च न्यायालय, दिल्ली में फायल किए गए सिविल रिट याचिका सं० 25/1979 के फल पर प्राधारित है।

4. पदोन्नति करके श्री जी० जगदीशन को कर वसूली अधिकारी, कोल्लम के रूप में, 29-2-1980 के प्रभावात्मक से सेवा निवृत्त होने वाले श्री एस० गंगाधरन के स्थान पर नियुक्त किया जाता है। यदि आवश्यक है तो श्री गंगाधरन करवसूली अधिकारी, कोल्लम का कार्यभार, श्री टी० टी० जोसफ, करवसूली अधिकारी, एरणाकुलम को तात्कालिक रूप में सौंप सकते हैं। श्री जी० जगदीशन को कार्यमुक्त करने तक, श्री टी० टी० जोसफ अपने कर्तव्यों के साथ-साथ करवसूली अधिकारी, कोल्लम के अतिरिक्त कार्यभार भी संभालेंगे।

दिनांक 29 फरवरी 1980

आदेश

विषय : संस्थापना-आयकर अधिकारी, श्रेणी 'बी'-पदोन्नति का आदेश जारी करने की बाबत

सं० 2/एस्ट०/कोण/गज/79-80—इस कार्यालय के दिनांक 25-2-1980 के सम संख्यक आदेश के अंशिक संशोधन के अनुसार, श्री जी० जगदीशन, आयकर निरीक्षक, आयकर आयुक्त का कार्यालय, केरल, एरणाकुलम को आयकर अधिकारी

श्रेणी 'बी' के रूप में पदोन्नत करके आयकर अधिकारी (विशेष कार्य) आयकर मण्डल, कोल्लम में तैनात किया जाता है।

2. आयकर अधिकारी (विशेष कार्य), आयकर मण्डल, कोल्लम के कार्यभार ग्रहण करने के बाद श्री जी० जगदीशन को स्थानान्तरित करके और श्री टी० टी० जोसफ, कर वसूली अधिकारी, एरणाकुलम को दिये गए अतिरिक्त कार्यभार से विमुक्त करते हुए, अर वसूली अधिकारी के रूप में तैनात किया जाता है। श्री जी० जगदीशन 1-3-1980 के पूर्वाह्न से करवसूली अधिकारी, कोल्लम का कार्यभार ग्रहण करेंगे। आयकर अधिकारी के पद पर श्री जी० जगदीशन के पदोन्नति और नियुक्ति के संबंध में इस कार्यालय के दिनांक 25-2-1980 के सम संख्यक आदेश में विनिर्दिष्ट अन्य शर्तों में परिवर्तन नहीं होगा।

एम० एस० उष्णिनायर,
आयकर आयुक्त,
केरल-1।

नई दिल्ली, दिनांक 21 फरवरी 1980

सं० जुरि०/दिल्ली-1/79-80/43955—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वाँ) की धारा 124 की उपधारा (1) और (2) धारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले जारी की गई अधिसूचनाओं में अंशिक परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि आयकर अधिकारी, प्राईवेट वेतन संकिल-2, का आयकर अधिकारी, प्राईवेट वेतन संकिल-6 के द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों/मामलों के संबंध में आयकर अधिकारी, प्राईवेट वेतन संकिल-6 के साथ समर्ती अधिकार खेत्र होगा किन्तु उसमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो धारा 127 के अधीन सौंपे गए हों या जो इसके बाद सौंपे जाएं।

कार्यनिष्पादन की सुविधा के प्रयोजन से आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124 की उपधारा (2) में अवैधित अद्वेशों को पास करने के लिए निरीक्षिय संख्यक आयकर आयुक्त रेंज-1-सी को प्रायिकृत भी करते हैं।

यह अधिसूचना 21-2-1980 से प्रभावी होगी।

एम० डब्ल्यू० ए० खान
आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली

प्रकृष्ट प्राइंट टी. एम. एस.---
ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत मंत्रालय

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 मार्च 1980

मिशेन सं० पी-78/अर्जन —प्रतः मुझे, प्रमर्तिह विसेन, ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इवरु पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को घारा 269-ए के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/13/32 है, तथा जो सिविल लाइन, फैजाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पैर्स रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फैजाबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तारक के दायित्व में कठी करने या उनमें बचने में नुकसान के लिए;

(ख) ऐसी किसी माय या हिसी बत या अन्य प्राप्तियों को शिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ग्रामकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में भविष्य के लिए;

अहं, प्रब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ए की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवति ।—

1. श्री राजा जगदम्बिका प्रताप नारायण सिंह
(अन्तरक)

2. श्री प्रह्लाद चन्द्र व श्रीमति सुभद्रा
श्रीमति किरन अग्रवाल
श्रीमति सुरेखा अग्रवाल
श्रीमति स्लेहसता अद्यग्रवाल
श्री रमेश चन्द्र अग्रवाल
श्री गुलाब चन्द्र अग्रवाल
श्री राम निवास अग्रवाल

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त विकेता व किरायेदार
एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज, फैजाबाद
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. उपरोक्त विकेता
(वह व्यक्ति, जिसके दारे में अप्पोहस्ताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त उम्मारा के अंतर्गत कार्यवाहियां करना हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के यस्तव्य में कोइ भा माझें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अप्पोहस्ताकारी के बास लिखित में किए जा सकेंगे ।

उपरोक्त उक्त सूचना को प्रयुक्त शब्दों और पर्शों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभ्रान्त है, वही पर्श होगा जो उस अन्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता बहार दिवारी जिसके अन्दर एक मकान मध्य 60 वें व एक कोठावास जिसका साक्षात् नं० 4039 हवाई नं० 4167 मकान नगर पालिका नं० 1/3/32 है वाके मोहल्ला सिविल लाइन पराना हूँडेली, अवध तहसील व शहर फैजाबाद है तथा वह सारी सम्पत्ति जिसका वर्णन सेलडीड और फार्म 37-जी संख्या 1914 में किया गया है जिन दोनों का पंजीकरण सब रजिस्ट्रार फैजाबाद के कार्यालय में दिनांक 21/7/1979 को किया जा चुका है ।

अमर सिंह विसेन,
संक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लारीख : 7-3-1980

मोहर :

प्र० श्र० आई० ई० एन० एम०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, लखनऊ

1. श्री पदम सिंह
 (अन्तरक)
2. श्री रमेश कुमार (वालिंग) दिनेश कुमार नरेश कुमार
 (मालालिंगान) पुत्रगण श्री मुकन्दराम
 (अन्तरिती)
3. स्वप्न मुकिर
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

लखनऊ, दिनांक 22 फरवरी 1980

निवेश सं० प्रा०-144/अर्जन, —प्रतः मुझे, अमर सिंह
 बिसेन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है।
 और जिसकी सं० 124 है, तथा जो ग्राम गजरोला, जयसिंह
 मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
 पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण, अधिकारी के कार्यालय
 मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन दिनांक 18-7-1979
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिक्रिय के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय के
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए
 तथा पाया गया प्रतिक्रिय, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) एसो फिसा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

प्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपशारा (1)
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
 भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 द्वितीय द्वितीय व्यक्ति द्वारा, अद्वैतस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधीकरण :——इसर्वे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
 गया है।

अनुसूची

कुषि भूमि नं० 124 खेत फल 16 एकड़; 49 जिसमें
 स्थित मोजा गजरोला, जयसिंह परगना ठाकुरद्वारा, तहसील व
 जिला मुरादाबाद तथा वह समस्त अवल सम्पत्ति जिसका वर्णन
 सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 1069 में किया गया है जिनका
 पंजीकरण सब रजिस्टार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक
 18-7-1979 को हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन,
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 22-2-1980

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

ग्रामीन प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 26०-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 दिसम्बर 1979

निवेश सं० पी० शार० नं० 839 एक्वी० 23/19-7/79-80

—अतः मुझे, एस० एन० मण्डल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 26०-व
के अधीन सकाम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० नोंद नं० 4371-वी वार्ड नं० 3 है तथा जो
सलाबतपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के
कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 11-7-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि प्रयाप्तीकरण सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान निकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
फलहर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वापत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 26०-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 26०-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यातः:—

- 1. (1) मगन भाई, रंगीलदास कांती वाला
- (2) नरेन्द्रभाई मगनभाई कांतीवाला
- (3) गनानभाई मगनभाई कांतीवाला
- (4) प्रकाशभाई, मगन भाई, कांतीवाला

4-2434, सलाबतपुरा, मेन रोड, सूरत।
(अन्तरक)

- 2. (1) मोहम्मदहुसैन नूरमोहम्मद जरदावाला
- (2) बलीमोहम्मद नूरमोहम्मद, जरदावाला
- (3) गुलाम मोहम्मद नूरमोहम्मद जरदावाला
- (4) अब्दुल मोहम्मद नूरमोहम्मद जरदावाला

3-2677, सलाबतपुरा, मोमनावाड सूरत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस घटना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या न्यूम्बर्डी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जिसका नोंद नं० 4371-वी है, और जो
वार्ड नं० 3, सलाबतपुरा सूरत में है, और जो रजिस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी सूरत द्वारा दिनांक 11-7-79 को रजिस्टर्ड नं०
2622/79, द्वारा रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मण्डल

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 20-12-1979

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयोड्स अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

निदेश सं० पी० आर० नं० 841, एक्वो० 23/6-1/79-80
अतः मुझे, एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने का कारण है कि स्थावर भवति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ५० रुपये अधिक है

और जिसकी आर० एस० नं० 984/1/41 है, तथा जो बड़ीदा कस्बा, फ्लाट नं० ४६, फेन्डस हाऊसिंग में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बड़ीदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-7-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याता गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कहा गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसका वित्तन, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रतोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्ननिखित व्यक्तियों प्रधात :—

1. श्रीमती धर्मेन छोटालाल पटेल
प० ए० होल्डर, श्री सुधीर मगनभाई पटेल,
मालाबार हिल, बम्बई।

(अन्तरक)

2. (1) श्री विपन चन्द्र राव जी भाई पटेल,
(2) श्रीमती बकुलाबेन, विपन चन्द्रा पटेल
द्वारा श्री आर० डी० अम्मीन,
मीलन सोसायटी,
न्यू रेसकोर्स रोड, बड़ीदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी ठहर पुर्वीका समति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त समति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजनाम में प्रत्याशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजनाम में प्रत्याशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संरक्षि म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणार्थी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही प्रथम होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो माप में 13910 स्क्वायर्स फिट है और जिसका आर० एस० नं० 984/1/41 है और जो बड़ीदा कस्बे में है। इसका फ्लाट नं० ४६ है जो फेन्डस को० आप० हो० सोसायटी लि० अलंकापुरी में है। जमीन वस्तावेज नं० ३७६८ द्वारा रजिस्ट्री कर्ता प्रधिकारी बड़ीदा के कार्यालय में तारीख 30-7-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मण्डल
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 27-12-1979

मोहर :

प्ररूप प्राइ० टी० एन० एस०—————

प्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
धारा २६९-घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक २३ जनवरी १९८०

निवेदण सं० पी० आर० नं० ८५६ एक्वी० २३-II/१९-७/
७९-८०—अतः मुझे एस० एन० मन्डल

प्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-
इ० से अधिक है

और जिसकी सं० नोंद नं० ९५६, वार्ड नं० २ है तथा जो
नरसिंग शेरी, सग्रामपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाख्य
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८
(१९०८ का १६) के अधीन दिनांक २-७-१९८०
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यथा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. (१) श्री हीरा लाल नाथामाई घमनवाला
जो एव० थ० एक० के० कर्ता और मैनेजर
(२) जशुबेन हीरालाल घमनवाला ।
(३) हरीशभाई, हीरालाल घमनवाला,
हीरा मोदीना शेरी, सग्राम पुरा, सूरत ।
(अन्तरक)

2. श्री हरीशचन्द्र ठाकोरवास जरीवाला,
२/७९९, सग्राम पुरा, मेन रोड, सूरत ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस मूल्यांकन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर
मूल्यांकन की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि याद में सपात होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्य के द्वारा ;
- (ख) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्य द्वारा अधिकृताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

संशोधनरूप :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय २०-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन और मकान नोंद नं० ९५६ वार्ड नं० २ जो नरसिंग
शेरी सग्रामपुरा, सूरत में स्थित है और जो रजिस्ट्री कार्यालय
सूरत में नं० २५१६ में दिनांक २-७-७९ को रजिस्टर्ड किया
गया है ।

एस० एन० मान्डल
सक्तम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : २३-१-८०

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही० डी० एन० एस०——

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-४(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद
अमहादाबाद, दिनांक 8 फरवरी 1980

निवेश नं० पी० आर० नं० 867 द० सी० इ० 23-II/13-1/
79-80—अतः मुझे एस० एन० मान्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिस इनमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-४(1) के अधीन भक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिन बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी प्लाट नं० 33, विट्ठल उद्योगनगर, ज० आर० डी०
सी० एस्टेट है तथा जो वल्लभ विद्यानगर, (वाया) आनन्द में
स्थित है (और इससे उत्तरांश अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनन्द में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 20-7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तिन बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विभास करने का कारण है कि प्राप्तवैष्टिक सम्पत्ति
का उत्तिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह ग्रामीणता से पर्याप्त है और भन्तरक
(भन्तरकों) और अन्तरिती से (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण न हिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण न हुई निसी आय का बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन नहीं देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और या

(न) ऐसी निसी आय या निता धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-४ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-४ की उपाधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. म० ओंगे मेन्सन इंजीनियर्स कापोरेशन
यू० पार्टनर सावित्री, कै० मंजानी और अन्य
वल्लभ विद्या नगर, तालुका, आनन्द।
(अन्तरक)
2. म० इन्डियन इंजीनियर्स मैन्युफैक्चर्स।
पार्टनर: जसभाई० पी० पटेल और दूसरे
प्लाट नं० 33, विट्ठल उद्योग नगर, जी० आर० डी० सी०
एस्टेट, वल्लभ विद्या नगर, तालुका आनन्द।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बर्ग्र में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राज्यव्रत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज्यव्रत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हित-
बद्ध नियी अवधि बन्धित द्वारा, अधिकारी के
पास निवित न हिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित
हैं, वही प्रयोग होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और इन्डस्ट्रीयल प्लाट नं० 33 है जो विट्ठल उद्योग
नगर, जी० आर० डी० सी० एस्टेट वल्लभ विद्यानगर, में स्थित है
और इनकी रजिस्ट्री रजिस्टर्ड कार्यालय आनन्द में नं० 1690,
दिनांक 20-7-80 को की गई है।

एस० एन० मान्डल

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक 8-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जनवरी, 1980

निदेश सं० पी० आर० 863 ए० सी० क्य० 23-I/1783/

79-80—ग्रतः मुझे एस० एन० मांडल

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रतीक सम्बन्ध प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नोंबर नं० 1504, वाड नं० 1, है तथा जो गोछो शेरी, नानपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याद गया प्रतिफल, निम्नलिखित चर्चेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या इनी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

1. श्री केशवेन बामनशा वेहवाला, कॉटेक्टर विल्डिंग, 18 तीसरी मंजिल, विकटोरिया, गांडन रोड, भायखला, बोम्बे-27
(अन्तरक)

2. श्री भगवती शाल दुर्शी शंकर, दवे, मार्फत, म० बी० टी० दवे, गोधा शेरी, नानपुरा, सूरत ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामेष्ठः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय छिपानी अव्य अक्षित द्वारा, प्रयोगस्थानकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों द्वारे प्रयोग का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हासा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान नोंबर नं० 1504 है, जो गोधा शेरी नानपुरा सूरत में स्थित है और रजिस्ट्री रजिस्टर्ड कार्यालय सूरत में नं० 2575/79, दिनांक 6-7-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मांडल
सम्बन्ध प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अहमदाबाद

तारीख : 30-1-1980
मोहर :

प्रूलप श्राई० टी० एन० एस० —
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद
 अहमदाबाद, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० पी० आर० 865, ए० सी० क्य० 23-II/79-80—
 अतः मुझे, एस० एन० मांडल,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2 भवानी पुर सोसायटी, है तथा जो नाजामपुरा
 नेशनल हाईवे नं० 8, बड़ौदा, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
 अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
 के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
 का 16) के अधीन दिनांक 16-7-1979
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
 4—6GI/80

1. श्री शनवाभाई जी पटेल,
 पौ० ओ० होल्डर, रमेशभाई निट्सल भाई
 52, विठ्ठल नगर, सोमायटी कारेनी बाग,
 बड़ौदा ।

(बड़ौदा)

2. रमेश भाई नालजी भाई पटेल,
 नं० 2 भवानीपुर सोसायटी,
 नेशनल हाईवे नं० 8, नीजामपुरा, बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के
 लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाव ये समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
 अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही प्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है ।

मनसूची

जमीन और मकान भवानीपुर सोसायटी नं० 2 में है और
 नेशनल हाईवे नं० 8 नाजामपुरा, बड़ौदा में स्थित है जिसकी
 रजिस्ट्री रजिस्टर्ड कार्यालय बड़ौदा में नं० 3968 दिनांक
 16-7-79 को की गई है ।

एस० एन० मांडल
 मकान प्रधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 11-2-1980
 मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग(1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 फरवरी, 1980

निदेश सं० पी० आर० 866/ए०सी०क०० 23-II/79-80—
अतः मुझे एस० एन० माडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग
के पश्चीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 503 है, तथा जो ऐसे कोर्से
रोड, प्लाट नं० 1, सम्पत्त राय कालोनी बड़ीदा में स्थित है
(और इससे उपादान अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी का कार्यालय बड़ीदा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 17-2-70
को पूर्वोंकि संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंकि संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पक्ष्य
प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में
बाह्यिक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कभी
करने या उससे बचने में मुदिष्ठा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्रन या अन्य प्राप्तियों
को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्राधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनाब्द अंतरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुचिक्षा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपबारा (1) के
पश्चीन, निम्नलिखित अवित्यों, पर्याप्ति :—

1. श्री हनुमार्ह अम्बालाल पटेल हस्टन सोसायटी
फलोड़गंज, समारोड, बड़ीदा ग्रीमल बालो के पावर आफ
अधारिती है।
(1) श्री भूपेन्द्र कुमार नरसिंहभाई पटेल
(2) श्री दलीप कुमार नरसिंहभाई पटेल
(3) श्री जगदीश चन्द्र नरसिंहभाई पटेल
(4) श्री गिरीष कुमार नरसिंहभाई पटेल

(अंतरक)

2. भगवान एपार्टमेंट कोओपरेटिव सोसायटी लि०
द्वारा हिंगुस्तान लेड इस्टेट कारपोरेशन
महाजन लेन के सामने, रावपुरा,
बड़ीदा।

(अंतरिती)

जो यह सूचना आयी करके पूर्वोंकि सम्बन्धि के अर्जन के
निए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक —

- (क) इस पूर्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
43 दिन को घवधि या नहसेंद्री व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकि व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूर्वता के राजपत्र में प्राप्ति की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्तानीरी के पास लिखित
में किए जा चुके;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रत्युक्त बद्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में व्याप-
परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जसीन आर० एस० नं० 503, प्लाट नं० 1 है जो
सम्पत्त राय कालोनी, ऐसे कोर्से रोड बड़ीदा में स्थित है। जिसकी
रजिस्ट्री रजिस्टर्ड कार्यालय बड़ीदा में नं० 1807, 1808,
2940 और 2941 को दिनांक 17-2-70 को की गई
है।

एस० एन० माडल
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख 6-2-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी० डी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 15 जनवरी 1980

सं० ए०सी०क्य० 23-I 2656(927)/1-1/7०-८०—

मतः मुझे, एस० एन० मोडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सञ्चालनाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कायनथ फ्लाट नं० 517-2-बी, पैकी टी० पी० एस०-३ एलीसब्रीज का० है तथा जो ई-फ्लाक, दूसरा फ्लॉर, नं० सी-१०, ई-११, ई-१२, कैपिटल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा अहमदाबाद का० में स्थित है (प्रीत इससे उपर भनुतूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 26-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (असरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई फिली आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या फिली धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें सुविधा के लिए;

मतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपलब्ध (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्ध-:

1. मैसर साधुराम गोरखनाथ, नेताजी कलाश मार्केट, कालुपर कोठी रोड, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. नी सरीर ग्रीवेम जयेन्द्रभाई जाराबाला, महाराष्ट्रा सोसायटी, मीठाबली ; एलीसब्रीज, मवरंगपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों द्वारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में न ताप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोद्धतावारी के पास निवित में किए जा सकेंगे ।

एव्वलो हरण :—इसमें उक्त व्यक्तियों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में वरिष्ठापित हैं, वहीं शब्द होगा, जो उक्त प्रधारा में दिया गया है ।

अनुप्रबो

कलार जो 1835.20 वर्ग मीटर के 1/17 में छड़ी हुई है याने 96.24 वर्ग मीटर अविभक्त, योगर जिसका कायनथ फ्लाट नं० 517-2-बी, पैकी टी० पी० एस०-३, का० एलीसब्रीज है, जो ई-१०, ई-११, ई-१२ दूसरी मंजिल पर कैपिटल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा अश्रम रोड, अहमदाबाद में स्थित है तथा ता० 26-7-1979 से रजिस्टर्ड विको बस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन किया गया है ।

एव्वले एव्वले मोडल
सञ्चालनाधिकारी
आयकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 15-1-80
मोहर ।

प्रह्लण्ड शाही० ई० एन० एस०—

ग्रामहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1980

सं० ए०सी०क्य० 2581 (930)/10-1/79-80—प्रतः

मुझे एस० एन० मांडल

ग्रामहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० हाउस नं० 548, एम० वार्ड नं० 14, सर्वे
नं० 41, है तथा जो दीविजय फ्लैट शेरी नं० 7, न्यू इंग्लिश
स्कूल के सामने, जामनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में प्रौढ़ पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जामनगर, में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 23-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
प्रत्येक (अन्तर्गत) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की वाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी ग्राम या ग्रामीण या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामहर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए:

ग्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की ग्राम 269-ग के प्रनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दामोदर दास जमनावास
रसीक टीन फैक्टरी,
बेडी गली के सामने, जामनगर।

(ग्रामतारक)

2. मसर्स अनुपम थियेटर्स,
अनुपम थियेटर के मारकत
बेडी की गली के बगर,
जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायंवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामकर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रतिशत की तारीख से 45
दिन की अवधि वा तत्त्वावधी व्यक्तियों पर सूचना की
जामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृश्यकारी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परेशानित हैं, वहीं
मर्ज होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इमारत का ग्राउन्ड फ्लोर का हिस्सा जो 1972 वर्ष
फुट जमीन पर खड़ा है जिसका सर्वे नं० 41, मकान नं० 548 है
जो दीविजय प्लाट शेरी नं० 7, न्यू इंग्लिश स्कूल के सामने
जामनगर में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 1832 ता०
23-7-1979 से रजिस्टर्ड बिक्री वस्त्रावेज में जैसे पूर्ण वर्णन
दिया गया है।

एस० एन० मांडल
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख 2-2-1980
मोहर :

प्रलेप आर्ड टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी, 1980

निवेश सं० एसीक्यू०-23-I-2581 (931)/10-1/79-80-

भ्रतः मुझे एस० एन० माइल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को आरा 269-ब(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० हाउस नं० 548, एम० बांड, नं० 4 सर्वे० 41, है तथा जो दीर्घीजय प्लाट, शेरी नं० 7, न्यू इंग्लिश स्कूल के सामने, जामनगर, में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-7-1979

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का हारण है कि पश्चात्वान सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य रात प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा नाया गया प्रतिफल निम्नलिखित अदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री वामोदर दास जमनादास
रसीक टीन फैक्टरी,
बेडी गली, जामनगर ।

(अन्तरक)

2. श्री जमनादास लालजी सोलंकी,
विविजय प्लाट, शेरी नं० 7, न्यू इंग्लिश स्कूल के सामने,
जामनगर ।

(अन्तरिती)

को प्र० दूरा जरी हरक दूर्जा न्यानि के प्रजेन के लिए कार्याद्विषय शुरू होता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के नम्बरमें कोई भी वाकेप :—

(क) इन सूचना के रजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, पा तत्सम्बन्धी अधिकार्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नाम होना ता, के भीतर पूर्वोक्त अधिकार्यों में से किंवा अक्षित द्वारा ;

(ख) इन सूचना के रजात्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद किरी अन्य अधिकारी द्वारा, प्रधानहस्ताभरी के पाव नियमित में किए जा सकेंगे ।

संघीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ईमारत की पहली मंजिल जो 1792 वर्ग फुट जमीन पर बड़ी है, जिसका सर्वे नं. 41 हाउस नं० 548 है जो विविजय प्लाट, शेरी नं० 7, न्यू इंग्लिश स्कूल के सामने, जामनगर में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 1833 दिनांक 23-7-1979 से रजिस्टर्ड विक्री वस्तावेज में जैं पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मण्डल

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-ब(1) के अधीन, उक्त अधिनियम की आरा 269-ब(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

तारीख : 2-2-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1980

निवेश सं० ए०सी०क्य० 23-I-2918(932)/16-3/79-
80—ग्रतः मुझे, एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 21 पैकी है तथा
कण्ठिया प्लाट, जैतपुर में स्थित है (और इससे उपादान भ्रम सूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जैतपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तभी राष्ट्र गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी बन या अवय आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या जिसे जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधातिः—

1. श्री जमनावास हमीरभाई सोनी,
सान्ता नेकुस, एस० वी० रोड,
तिवेणी, नी०-३, ग्राउन्ड फ्लोर,
बम्बई-५४

(अन्तरक)

2. श्री बावण जी शकाभाई,
स्टेशन फ्लाट, घोराणी,
जिला राजकोड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रधात में कोई भी प्राक्षेपः—

(न) इन सूचना के राजावत्र वें प्रहाशन को तारीख से 45
दिन तो प्रतिवा रखनेवाली वाकिरणों पर सूचना की
जानी तो 30 दिन तो प्रतिवा, जो भी प्रत्यधि बाद में
प्रवाप्त होता हो, तो भी उक्त प्रत्यक्षा वाकिरणों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजावत्र में प्रहाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य वक्ता द्वारा, अप्रौद्धताकारी के पास लिखित
में किए जा सकें।

सरलीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अवधार 20-क में परिभाषित हैं, वही
ग्रन्थ होगा, जो उक्त अवधार में दिया गया है।

प्रतुम्भुची

लुली जमीन प्लाट नं० 21, पैकी 300 बर्ग गज, क्षेत्रफल
वाली जमीन जो कण कीया प्लाट, जैतपुर में स्थित है तथा
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जैतपुर द्वारा बिक्री दस्तावेज नं० 101/573/
222/जुलाई, 1979 से रजिस्टर्ड किया गया है याने प्राप्ती
का जैसे पूर्ण वर्णन किया गया है।

एस० एम० मांडल,
संक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-१, अहमदाबाद

तारीख : 2-2-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राप्ति ३० डी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, भ्रह्मदाबाद
भ्रह्मदाबाद, दिनांक 2 फरवरी, 1980

निवेदन सं० ए० सी०क्य० 23-I-2918(933)/16-3/70-
८०—अतः मुझे, इस० एन० मांडल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए०
से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 21, पैकी है तथा जो काणकीया
प्लाट, जैतपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जैतपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्लिन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिक्लिन से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्लिन का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पावा पवा प्रतिक्लिन,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वे वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रभुरत्न से हुई किसी आय की वादा छूट अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायिष्य
में कमी करने वा उसमें बनने वे सुविधा के लिये,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन वा अन्य आस्तियों
की, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, जिसने मैं भूविद्या के लिये;

अतः आय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के प्रत्युत्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिक्षियों, प्रवात :—

1. श्री बाबूलाल बल्लभ रास गठिया,
एस० वी० रोड, लिवेणी बी-3, ग्रा उन्न फ्लोर,
सान्ताकुज, बम्बई-54।

(अन्तरक)

2. श्री बाबनजी एकाभाई, गठिया,
स्टेशन फ्लाट, धोराजी,
जिला राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के मध्यम में कोई भी घामेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरां व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में सवाल्प होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिक्षियों में
से किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्व
किसी प्रम्य अधिक द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में
विया गया है।

अनुसूची

बुली जमीन प्लाट नं० 21, 300 वर्ग गज, क्षेत्रफल
बाली, जो काणकीया प्लाट जैतपुर में स्थित है, तथा रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी जैतपुर द्वारा विकी दस्तावेज नं० 102/874/
223/जुलाई, 1979 से रजिस्टर्ड हुआ है याने उसमें प्राप्ती का
जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मांडल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, भ्रह्मदाबाद

तारीख 2-2-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 6 फरवरी 1980

निवेदण सं० एसी क्य०-२३-१-२६२८(९४२)/१६-६/७९-८०—ग्रतः, मुझे, एस० एन० मण्डल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० श्रीद्वौगिक इमारत "सुपर इंडस्ट्रीयल कार्पोरेशन" नाम से प्रख्यात है तथा जो मवडी प्लाट स्ट्रीट नं० 1 और 7, रेलवे कार्सिंग के पास, राजकोट में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिवैदों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात् :—

1. श्री भगवतीप्रसाद नवलशंकर भाई व्यास,
भर लालाजी रोड, राजकोट।

(अन्तरक)

2. सुपर इंडस्ट्रीयल कार्पोरेशन
भागीदार श्री बल्लभदास जेठाभाई के मारफत
मवडी प्लाट, मेरी नं० 1 एण्ड 7,
रेलवे कार्सिंग के पास, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रक्रिया में कोई भी प्रोत्तेव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्त्ती अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध हिसी अन्य अविक्षित द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास अविक्षित में किए जा सकेंगे।

एल्डीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रीद्वौगिक इमारत जो "सुपर इंडस्ट्रीयल कार्पोरेशन" नाम से प्रख्यात है और जो ५५०-३-१३४ वर्ग गज जमीन पर बड़ा है तथा पटेल बाबा करण के प्लाट, मवडी प्लाट, स्ट्रीट नं० 1 और 7 (रेलवे कार्सिंग के पास) राजकोट में स्थित है जो रजिस्ट्रीकरण अधिकारी राजकोट द्वारा विक्री दस्तावेज नं० १०३६/जुलाई, 1979 से रजिस्टर्ड किया गया है याने प्राप्ती का जैसे उसमें वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मण्डल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंजा, अहमदाबाद

तारीख : ६-२-१९८०

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०--

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विकास 11 फरवरी, 1980

निवेश सं० एसी क्य० 23-I 2619(943)/16-6/79-80—अतः, मुझे, एस० एन० मंडल,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लेख नं० 132 तथा 336-प्लाट नं० 75, दो मंजिल की इमारत है तथा जो रामनगर, कॉर्मस कालिज के पास, गोडल रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-7-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त सूचना की धारा 269-प्र के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-6GI/80

1. श्री गांतीलाल गोकल दास पंचासरा,
29-डी, इन्डस्ट्रीयल एस्टेट,
राजकोट-2।

(अन्तरक)

2. श्री रमणीकमाल हरामोविन्दवास सवाणी,
के० आर० इन्डस्ट्रीयल कार्पोरेशन के मारकन
भवितनगर, स्टेशन रोड, नं० 2,
राजकोट-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रर्जन के मम्बन्द्र में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताकारी के पात्र निवित में किए जा सकेंगे।

संपूर्णकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिलों की इमारत जो 264.88 वर्ग मीटर जमीन पर बढ़ा है जिसका लेख नं० 132 तथा 336 पैकी जो रामनगर राजकोट में स्थित है जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा बिक्री दस्तावेज नं० 4310/24-7-1979 से रजिस्टर्ड किया गया है याने प्राप्ती का जैसे पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० एन० मंडल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 11-2-1980

मोहर :

प्रलेप प्राइंटी० टी० एन० एस०—
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 871, एसीक्य० 23-II/79-
80—प्रतः, मुझे, एस० एन० मण्डल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-प
के अधीन पश्च आधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर गमनि, जिनमें उत्तिं बाजार मूल्य 25,000/-
खपा से अधिक है

और जिसकी सं० नोंध नं० 2541-ए-3-25, वार्ड नं० 11 है
तथा जो मच्छली पीय, सूरत में स्थित है (और इससे उपाखड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी
के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 30-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उत्तर दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
उक्त प्रतिशत अधिक है और अतरक (अन्तरकों)
पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी ग्राम की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अतरक के
शर्यत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आक्षियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
गुप्तिका के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की वारा 269-प की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. (1) कैरीबेन आरचणा बामगजी दास्तुर भिक्षुकुड़ी,
तारदव रोड, बम्बई।
(2) शेमी उर्गे येम्ननजी मिस्त्री चिकलवाडी,
तारदव रोड, बम्बई।
(3) नौशीरवान आरचणा दास्तुर,
मछलीयीठ, सूरत। (अन्तरक)
2. (1) द्वी कन्हैया लाल सुन्दरलाल कंसारा,
(2) श्री नवीनचन्दा सुन्दर लाल कंसारा,
(3) श्री राजेन्द्र मुन्दरलाल कंसारा,
(4) श्री अशोक चन्द्रा सुन्दरलाल कंसारा,
खांड बाजार, लाल गेट, सूरत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए जार्याहियां भरना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वस्वी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोद्धस्ताक्षरी के पास
तिवित में हिं, जा जाकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गद्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भीलका नोंध नं० 2541-ए-3-2, वार्ड नं० 11 है जो
सूरत में स्थित है और रजिस्ट्री रजिस्टर्ड कार्यालय सूरत में
नं० 2868/79 से दिनांक 30-7-79 को की गई है।

एस० एन० मण्डल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 16-2-80
मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 का 43)
की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 फरवरी 1980

निर्देश मं० पी० आर० नं० 872 एसीक्यू०-23-II/
79-80—यतः, मुझे, एम० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष
के अधीन यथा अधिवाहो की, वह विश्वास करो का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तरांश मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० नोंधनं० 380 देकी मालयता है, तथा जो
सूरत में स्थित है (प्रीरद्धमें उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवाही के कार्यालय, सूरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथार्थवात् सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) न बोल एवं अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में
पासवालिक रूप से कायि नहीं किया गया है:

(x) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कर्मा करने या जससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(x) ऐसा किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती लीला गोरी लक्ष्मीनदाम उर्फ अश्रुमती
हिमतलाल सीमवाला श्याम भवन, चौगा बाजार
बम्बई-2
(2) श्रीमती बावलीबेन चन्द्रकांत रेणम दलाल
मुरली भगवान निवास, लेटवाडी, बम्बई-4
(अन्तरक)
2. (1) श्री पुहमसद कामिम अलीभाई अहमदाबादी
(2) श्री मोहम्मद हाफिय अलीभाई अहमदाबादी
(3) श्री मोहम्मद सिदीक अलीभाई अहमदाबादी
(4) मोहम्मद सलीम अलीभाई अहमदाबादी
रानी तालाब, मुख्य रोड, बम्बई
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्तर्गत में कोई भी प्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकृत नोंधनं० 380 वार्ड नं० 12 हैं जो रानी तालाब
सूरत में स्थित हैं और रजिस्ट्री रजिस्टर्ड कार्यालय सूरत
में दिनांक 19-7-79 को नं० 1583 से रजिस्टर्ड की गई है।

एम० एन० मण्डल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 23-2-1980

गोहूर :

प्र०प्र० आई० टी० एन० एम०---
प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेंज-II, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 23 फरवरी 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 873 ए० सी० क्य०-23-II/
79-80—यतः, मुझे, एम० एन० मण्डल,
श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मिलकत आर० एम० नं० 22/2 है, तथा जो
वेद रोड सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 9-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और
प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षी) और प्रत्यक्षी (प्रत्यक्षिती), के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय श्रावकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे प्रत्यक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा; के लिए;

अतः, यह उक्त अधिनियम को आय 269-ग के अनु-
सरण में, यै, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपचारा
(1) के अधीन लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री बाबूमाई के शब्दभाई
- (2) टंकरा फालिया, कटारगाम, सूरत
- (3) श्रीमती वसुमती बाबूमाई
- (3) श्री हेमन्त कुमार बाबूमाई
टंकरा फालिया, कटारगाम, सूरत

(अन्तरक)

2. त्रिभुवन नगर को-प्राप्त हाउसिंग सोसायटी लि०,
मेकेटरी श्री जगदीश चन्द्र चम्पक लाल सुद्धिवाला
प्रमुख : श्री जगजीवन भाई पराग भाई पटेल 4/780,
धारिया हाउस टावर रोड सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रयोग होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और भकान आर० एम० नं० 22/2 गांव टुकी वेद
रोड, सूरत में स्थित है और रजिस्ट्री रजिस्टर्ड कार्यालय सूरत
में नं० 2608/79 से दिनांक 9-7-1979 को रजिस्टर्ड की
गई है।

एम० एन० मण्डल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 23-2-1980

मोहर :

प्रत्यक्ष आई० टो० एन० एम०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 फरवरी 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 874 ए० मी० क्य० 23-II/
79-80—यतः, मुझे, एम० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- इ० से अधिक है।

और जिसकी सं० नोंदू नं० 3014 वार्ड नं० 2 है, तथा जो
संग्रामपुरा सूरत में स्थित है (और इससे उपावदू अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 4-7-799

को गूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकृत के लिए पन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकूल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और पन्तरक (पन्तरणों) और पन्तरिती
(पन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में वास्तु-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) पन्तरण से ही किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के पन्तरक के वायिक्षण में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवधियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री गुलामनबी सीधु भाई
(2) श्री गुलाम मोहम्मद गुलामनबी
(3) श्री गुलाम रसूल गुलामनबी
(4) श्रीमती मायरा बीबी गुलामनबी हीरीपुरा
कांसकीबाड़, सूरत

(अन्तरक)

2. (1) श्री मोहम्मद सैयद गुकीम मुस्तफा
(2) श्री उस्मानगनी मंजिल मुस्तफा
2/3014, संग्रामपुरा बड़ी मस्जिद के पास सूरत

(अन्तरिती)

को यदि सूचना जारी करके गूर्वांक सम्पत्ति के ग्रंजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के वंशधार में कोई भी प्राक्षेप।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवधियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत अधिनियमों
में से किसी अवधित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू-
बदू किसी अन्य अवधित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय
में दिया गया है।

मनुसूची

मलकियत नोंदू नं० 3014, वार्ड नं० 2 संग्रामपुरा सूरत
में स्थित है और रजस्ट्री रजिस्टर्ड कार्यालय, सूरत में नं० 1740
दिनांक 4-7-1979 को की गई है।

एम० एन० मांडल

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 26-2-1980

मोहर :

प्रस्तुत प्राइंटी टी. एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, प्रह्लाद कार्यकर मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 फरवरी 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 875 ए० सी० क्य०-23-II/
79-80—यह, मुझे, एस० पान० मांडन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के
अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 870-A-1-1, 871-2+3+4,
872 है, तथा जो पारडी में स्थित है (और इसमें उपावङ्ग
ग्रन्तुमूली में प्रौढ़ पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 16-7-1979

को पूर्णोत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल का पूर्वानु प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निष्पत्तिवित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) प्रक्षरण से हुई किसी आय की बावेत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने वा उससे उबने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाद्वारा अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसर
में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1)
के अधीन निष्पत्तिवित अस्तियाँ, अस्ति :—

1. श्री हंसमुद्रलाल नगनदाल शाह पारडी
(अन्तरक)
2. श्री गायत्री विकाम पुंज भागीदार श्री विनोदराय
मोसामाई नायक पारडी
(अन्तरिती)

की पह सूचना जारी 85के पूर्वानु सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वानु व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
फिसी घन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताश्री के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधीकरण :—इनमें ग्रन्ति गद्दी और पर्दी का, जो उक्त अधि-
नियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

ग्रन्तुमूली

जमीन 2 एकर 17-23 गुठा एस० नं० 870-A-1-1,
871, 869-2+3+4 और 872 हैं जो पारडी में स्थित
हैं और रजिस्ट्री कार्यालय पारडी में रजिस्टर्ड दिनांक 16-7-79
को की गई है।

एस० एन० मांडन
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II अहमदाबाद

तारीख : 26-2-1980

गोदर :

प्रख्य आई० टी० एन० एम० ---
आयकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) की धारा
269-ध (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, महायान प्राविकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 22 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० सी० क्य०-23-3-2689(944)/16-6
79-80—यह, मुझे, एस० एन० मांडल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ध के प्रधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० दीवानपुरा रोड पर है, तथा जो दीवानपुरा
रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय
राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का,
16) के अधीन, तारीख 23-7-1979
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के
दृष्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और पुनः यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिकूल का पञ्चव प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) पीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे ग्रहण के लिए तथा पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त ग्रहण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अक्षरण से हुई किसी प्राप्ति की वापत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी जिसी आप या निसी उन या उन्य वास्तवियों
के लिए भारतीय वापकर अधिनियम 1922
(1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या
वापकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपकारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, वर्णति ।—

1. श्री जौ० जी० मोदी रेस कॉर्स सोसायटी राजकोट
(अन्तरक)
2. श्री जयन्तीलाल गोरधनदाम मोदी 6, दीवानपुरा,
राजकोट (टी० न० 25040 तथा 26984)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी अवित्यों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में
समाप्त होनी दी, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किया अवित्या दारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख + 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इन्हें निकी
ग्रन्थ अवित्या द्वारा, अधीक्षिताक्षरों के पास दिखिन
में किए जा पक्के ।

स्वाक्षरण:—इसे पढ़का गया और यह जा, जो उक्त अधि-
नियम के अन्तर्याम 20-क में परिभाषित है, वही
अवं होगा, जो उन दिन में दिया गया है ।

प्रसूति

इमारत जो 312-84 वर्ग गज जमीन पर खड़ी है तथा
6, दीवानपुरा राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन सं० 4591
दिनांक 23-7-1979 से रजिस्टर्ड विक्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण
वर्णन दिया गया है ।

एस० एन० मांडल
सक्षम प्राविकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 22-2-1980
मोहर य:

प्रारूप आई० टी० एन० एम० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 फरवरी 1980

निर्देश सं० एसी० क्य०-८२३-२६५४(९४५)/१-१/
७९-८०—यतः, मुझे, एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सब प्लाट नं० १-ए, सर्वे नं० 389, फायनल प्लाट नं० 61, टी० पी० एस० १२ का है, तथा जो असाखा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-7-1979 को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिकूल निम्नलिखित स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्रन या अन्य ग्राहितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अहमदभाई रमसान भाई सोदागर नी पोल, कालुपुर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. केतन को० ओपरेटिंग इण्डस्ट्रियल एस्टेट, चेयरमैन—सुरेशचन्द्र जयन्तीलाल के मारफत ८७७/१०, बालाभाई गिरधरलाल मारकेट कास लालन, रिलीफ रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

4. सरस्वती मेम्युफैचरिंग वर्स असाखा, अहमदाबाद। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए रायबाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसीबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाइं में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 924 बर्ग गज है जिसका सर्वे नं० 389, सब प्लाट नं० १-ए०, फायनल प्लाट नं० 61 टी० पी० एस० १० का जो असाखा, अहमदाबाद में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 8401 दिनांक 26-7-1979 से रजिस्टर्ड विश्वी दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मण्डल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-2-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० सी० क्य०-२३-३-२६५४ (९४६)/१-१/
७८-८०—यतः, मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० फायनल प्लाट 61, सब प्लाट नं० 2ए, टी०
पी० एस० 12 का है, तथा जो असाखा, अहमदाबाद में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
26-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया त्रिनिकत, तिम्लिंगित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रथातः:—

6—6GI/80

1. श्री इस्माइल भाई रमजानभाई मनवाली पोल, मध्ये
पोल कालुपुर अहमदाबाद
(अन्तरक)

2. केन्त को० अपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट लिमिटेड
चैयरमैन—सुरेशचंद्र जयतीलाल के मारकत
677/10, बालाभाई गिरधरभाई मारकेट, क्रोस
लाइन, रिलीफ रोड, अहमदाबाद
(अन्तरिती)

4. सी० जे० इन्डस्ट्रीस असाखा अहमदाबाद (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीन सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या नवम्बर्न्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध दिली अवधि व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रत्यक्ष शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 924 वर्ग गज
है, जिसका फायनल प्लाट नं० 61, सब प्लाट नं० 2ए, टी०
पी० एस०ब12 का जो असाखा अहमदाबाद में स्थित र तथा
रजिस्ट्रेशन नं० 8402 दिनांक 26-7-1979 से रजिस्टर्ड
बिक्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एम० एम० मांडल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 23-2-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा—
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-27-2654 (945)/1/1

79-80—यतः, मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 389, फायनल प्लाट नं० 61,
सब प्लाट नं० 3-ए, टी० पी० एस० 12 का है, तथा जो
असाखा, अहमदाबाद, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के
कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
वृद्धमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिसन
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
वा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अब्दुलकरीम रमसानभाई होम स्वीट होम, मिरजा
पुर पुलिस बौकी के सामने अहमदाबाद
(अन्तरक)
2. केतन को०-आप० इंडस्ट्रीयल एस्टेट लिमिटेड, चेयरमैन
सुरेशचन्द्र जयन्तीलाल के मारफत 677/10,
बालाभाई मार्केट, कोस लाइन, स्टेशन रोड, से
अहमदाबाद

(अन्तरिती)

4. सागा इंडस्ट्रीस असाखा, अहमदाबाद (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रक्रम्य पर्याप्त भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजनव म प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का खुला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1115 वर्ग गज
है जिसका सर्वे नं० 389 फायनल प्लाट नं० 61, सब प्लाट
नं० 3-ए, टी० पी० एस० 12 का जो असाखा, अहमदाबाद
में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 8403 दिनांक 26-7-1979
को रजिस्टर अधिकारी वस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन किया गया है ,
एस० एन० मांडल

सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 23-2-1980

मोहर :

प्रस्तुप्राप्ति ३० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेज-1 अहमदाबाद

ग्रहणशब्द, दिनांक 23 फ़रवरी, 1980

सं० ४० सी० क्र०--२३-१-२६५४ (९४८)/१-१/७९-८०—अतः, मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 389, फायनल प्लाट नं० 61, सब प्लाट न० 7, टी० पी० एस० 12 का है तथा जो अमाजा अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुभूति में भीर पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से क्वाँट किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को जिसके भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अग्र, उक्त प्रविनियम, की धारा 269-ग के प्रयुक्तण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात्,—

1. श्रीमती मावेरा बेन अमजलसाई, गुपेलवाली पोल, गांधीनगर, अहमदाबाद। (अन्तरिक्ष)

2. अर्जेन्ट झो-ओ-प्रारेटिव इण्डिस्ट्रियल एस्टेट निमिटेड नेपरमैन—पुरेशचन्द्र जयंतीलाल के मार्केट ६७७/१०, व नं.भाई गिर्गानल मार्केट, प्रेस लाईन अहमदाबाद।

(अन्तरिक्ष)

4. (1) मैसर्स विजया बुड वर्कर्स तथा

(2) आर० के पटेल एण्ड कं०। (वह अवित्त, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है वह समाजि में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी ठरके गूँजा समाजि के अर्जेन्ट के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन्ट के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गढ़ों प्र०८ पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुरी जीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1847 वर्ग गज है जिसका सर्वे नं० 389, फायनल प्लाट नं० 61 सब प्लाट नं० 7 टी० पी० एस०-12 का जो अमाजा अहमदाबाद में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 8404 दिनांक 26-7-1979 ने रजिस्टर्ड विक्री दस्तावेज में जैसे दृग वर्गीत दिया गया है।

एन० एस० मांडल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जेन्ट रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 23-2-1980

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 फरवरी 1980

सं० एसीबी०-23-I-2661(949)/1-1/ 79-
80—अतः मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 468 फायनल प्लाट -20-ए० टी० पी० २४ का है तथा जो राजपुर-हीरपुर मीटी तालुका अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरीभाई बालाभाई रवारी, गांव-नलंडा, तालुका-धोरग, जिला-अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. (1) श्री रमगनाल चुनीलाल पटेल

(2) श्री देवेन्द्र रमगनाल पटेल

(3) श्री शश्वद रमगनाल पटेल

(4) श्री राजेश रमगनाल पटेल 154, मफैरीबाड़, अयागुर, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टटोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 414 वर्ग गज है जिसका सर्वे नं० 468, फायनल प्लाट नं० 20 ए०, टी० पी० २४ का जो राजपुर-हीरपुर, सीटी तालुका अहमदाबाद में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 7808 दिनांक 20-7-1979 से रजिस्टर्ड बिक्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एम० एन० मांडल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
श्रीजन रेज-1, अहमदाबाद

दर्ता : 26-3-1980

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन०एस०—

मायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा

२६९-व (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, प्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक २६ फरवरी १९८०

सं० ए० सी० क्य०-२३-१-२३४९(९५०)/११-२/
७९-८०—अतः, मुझे, एम० एन० मांडल,
मायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० ५७२ है तथा जो केशोद में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, केशोद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन,
तारीख २५-७-१९७९ को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि उद्यापौत्र गमति जा उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिग्रन्थ से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित
में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से ही किसी धारा को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के
बायित्व में रुपी करने या उसमें बचते में सुविधा
के लिए; प्रीरया।

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोजनार्थ अनुसूची द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-व के अनुपरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-व की उपचारा (१)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रायत :—

१. राजा गोवा बनपरीया, केशोद। (अन्तरक)

२. मावा जिना कशादा खमीदाना, ना० केशोद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके रोमा सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की प्रबंधिया तस्वीरग्रन्थी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से ३० दिन की प्रबंधिया, जो भी
प्रबंधिया बाद में समाप्त होती हो, के भातर पूर्वानु
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परि-
माणित है, वही वर्णन होना, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

छवि विषयक जमीन जिसका क्षेत्रफल १७ एकड़ २५
गुण सर्वे नं० ५७२ है जो केशोद जिला जुनागढ़ की पश्चिम
पाईड़ में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० ८१०-जुलाई, १९७९
में रजिस्टर बिक्री धस्तविज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया
है।

एन० एन० मांडल
सक्षम प्राधिकारी
महायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज-१, प्रहमदाबाद

तारीख : २६-२-१९८०

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रैर्जन रेंज—, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 फरवरी, 1980

मं० ए० सी० क्ष०—23—2530(951)/11-3/
79-80—अतः मुझे, एम० एन० मांडल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ष के प्रधीन समम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी मं० सर्वे नं० 122, है तथा जो कंकासा, तालुका
मांगरोल, जिला—जूनागढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, मांगरोल में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-7-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और
प्रस्तरण (प्रस्तरकों) प्रीर प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
द्वितीय से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अस्तित्व
नहीं किया गया है।—

(अ) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव उक्त
प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरण के
वायिक में कमी करने पा उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; प्रौर/या

(ब)ऐसी किसी आर या किसी धन पाअंय बास्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
प्रत्यक्षकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था ता किया आना चाहिए वा, छिपाने
में सुलिला के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष
की उप-धारा (1) के अधीन, निम्ननिवित अविनियों, अर्यात्।—

1. विप्र रमणीक लाल बृद्धावनशाम ठाकर कंकासा,
तालुका—मांगरोल, जिला—जूनागढ़ । (अन्तरक)

2. श्री आरेश गोविंद वेजानंद चाचा कंकासा, तालुका—
मांगरोल। (अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन
के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आलोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तस्वीरधी अविक्षयों पर
सूचना की जारीत से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के
भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षय
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षय द्वारा, प्रधोहस्ता-
धारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधानाय 20-क में परिभावित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रधानाय ने दिया
गया है।

बन्धुसूची

कृषि की जमीन जिसका क्षेत्रफल 5 एकड़ 31 गुडा,
सर्वे नं० 122 है जो कंकासा तालुका मांगरोल जिला जूनागढ़
में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 548 दिनांक व 16-7-1979
में रजिस्टर्ड बिक्री वस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया
है।

एम० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रैर्जन रेंज—I, अहमदाबाद

तारीख: 26-2-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 मार्च 1980

गो. ए० सी० शू०-२३-१-२५५०(९५२)/५-५/७९-
८०—प्रत: मुझे, एम० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन संकेत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 230/1 है तथा जो नवागम, शिहोर तालुका, जिला भावनगर में स्थित है (आँग इसमें उपावर्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कायलिय, गोदावरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जूलाई-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया, प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रभारक के वायिस में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के मिए। घोर/गा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या गन्य पासियों को, जिसके प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अत्याकृति द्वारा प्रकट नहों किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के मिए;

अब: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अचीत ।—

1. मर्वथी(1) रामशंग लक्ष्मण,

(2) हरीमाई रामशंग,

(3) बपामाई रामशंग,

(4) भूजनमाई रामशंग,

नवागम, तालुका-शिहोर, जिला-भावनगर। (अन्तरक)

2. श्री रावजीमाई चुनीमाई अमीन, 83, उर्मी सोमायटी न्यू इण्डिया मिलन के पीछे, बडोदरा-390 005। (अन्तरिती)

को यह सूचना जायेगी कि गो. एन० मांडल के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के विषय में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बत्र किसी गन्य अधिक द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गद्दों पौर्ण नहीं, जो उक्त अधिनियम के प्रद्याय 20-क में परिमाणित हैं उन्हीं पर्यंत ही, जो उन प्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का खुला प्लाट जिसका थारेफन 7 एकड़ 02 गढ़ा है जो गोव नवागम तालुका: शिहोर जिला भावनगर में स्थित है तथा नं० 425 जूलाई, 1979 में, रजिस्टर्ड विक्री दस्तावेज में जमे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एम० एन० मांडल

संकेत प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 1-3-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 नं 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

मं० ए० सी० क्य० 23- -2549(953)/5-5/79-
80—अतः मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिकित्सा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी मं० सर्वे नं० 37-1, है तथा जो गांव लोनी-याणा, तालुका वफलभीपुर, जिला भावनगर में स्थित है (और इसमें उपांचाल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिहोर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1979 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ती का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के प्रधान कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को बिन्दु भारतीय भव्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री कुमारपाल प्रेमचन्दभाई शाह, तथा
(2) मातृतंत्री बेन अमृतलाल शाह, वहलभीपुर।
(अन्तरक)
2. श्री सुरेशभाई भाणजीभाई राठोड़, वहलनीपुर।
(अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वयों करना हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के रूप में कोई भी आप्ति :—

- (क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अस्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टवद किसी अन्य अस्ति द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में लिया जा सके।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पश्चे का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-ए में वरिष्ठाधित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

छपि सम्बन्धी जमीन जिसका क्षेत्रफल 15 एकड़, 16 गुंडा, सर्वे नं० 37 है जो गांव लालीयाणा तालुका-वहलभीपुर जिला-भावनगर तथा रजिस्ट्रेशन नं० 108 जुलाई, 1979 से रजिस्टर्ड बिक्री वस्ताविज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मांडल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-, अहमदाबाद

तारीख : 3-3-1980

मोहर :

संस्कृत प्रादेशिक दी.० एन० एम०

आयतन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के प्रश्नीत भूमिता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च, 1980

सं० ए० सी० क्य०-23-I-2549(954)/5-5/79-
80—अतः मुझे, ए० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग (1) प्रश्नीत भारा गविलारे को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वातंत्र्य सम्पत्ति, उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 37, है तथा जो गांव लोलीयाणा तालुक—बल्लभीपुर, जिला—भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शीहौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यमूल्य सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच, ऐसे प्रनालण के निए तथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित ग्रेड से उक्त अन्तरक निर्विचार रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रनालण से दूर्दृष्टि की प्राप्त की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रश्नीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वर्तने में मुश्किल के लिए; लाइन-

(ख) ऐसी किसी आय या किसी व्यवस्था को, जिन्हें अर्थात् राजदूर्ग अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथे अन्तरिती भारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, भै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपायां (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
7--6G1/80

1. श्री कुमारपाल प्रेमचन्द्रभाई शाह तथा मानवंतीष्ठेन
अमृतलाल, बल्लभीपुर। (अन्तरक)

2. श्री भगवान्माई जिवणनाई परमार, लाखनका, तालुका-
बल्लभीपुर, जिला-भावनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अप्पतियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्ध कियी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अप्रैल स्तंश्टानशीरो के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती सम्बन्धी जमीन जिसका खेतकल 6 एकड़ 0 गुंडा सर्वे नं० 37 है जो गांव लोलीयाणा तालुका बल्लभीपुर जिला भावनगर में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 107 ता० जुलाई 1979 के रजिस्टर्ड विक्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मांडल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 3-3-1980

मोहर :

प्रकृत आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मार्च 1980

सं० ए० सी० क्य०-23-I-2533(955)/11-1/79-
80—अतः मुझे, एस० एन० मांडल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 8 पैडी खेती सम्बन्धी जमीन—4 एकड़ 3 गुंठा है तथा जो गांव दोलतपरा जिला जूनागढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन हर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रश्न, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भीखामाई भगवाली तथा अन्य गांव दोलतपरा जिला-जूनागढ़। (अन्तरक)

2. श्री करमणी लंकामाई मापरिया ममेवाड़ी गेईट के बाहर, जूनागढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जोकी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती संबंधी जमीन जिसका धेत्रफल 4 एकड़ 3 गुंठा है जो गांव दोलतपरा जिला जूनागढ़ में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा विश्री दस्तावेज नं० 1237/11-7-1979 से रजिस्टर्ड किया गया है याने उसमें जैसे प्राप्ती का पूर्ण वर्णन किया गया है।

एस० एन० मांडल
सभी प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 4-3-1980
भोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस० ——
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, संग्रहालय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मार्च 1980

सं० नं० ए० आर० नं० 889-एवि०/23-6-1/
79-80—अतः मुझे, एस० एन० मांडल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विवाहास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे 143/1, आखणी प्लाट नं० 202
है तथा जो सं० नं० 14/1 निकामपुरा, बड़ौदा में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
तारीख 30-7-1979
को पूर्वोक्त वंशित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विवाहास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पश्चह प्रतिशत से
अधिक है और प्रत्यरक (प्रत्यरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पात्रा गया प्रतिकल, निम्ननिष्ठित
उद्देश्य से उत्तर प्रत्यरण निष्ठित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी प्राय की बाबत उत्तर
अंतिम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के
दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुधिष्ठित
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रत्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या पा किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुनिश्चित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुमरण
में, मैं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों, अर्यात् :—

1. श्रीमती गंगबेन दामोदरमार की विधवा
ओरत निकामपुरा, बड़ौदा। (अन्तरक)

2. प्रैसीडेंट, विडल रूपा को०-प्राप० हा० सोसायटी लि०
निकामपुरा, बड़ौदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उत्तर सम्मति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में
से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितयद
किसी अन्य अवक्ति द्वारा प्रभोहस्ताकरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसंधी

खुली जमीन जो माप में 6080 वर्ग मीटर्स है और
जो सं० नं० 143/1 निकामपुरा एरिया बड़ौदा में है।
यह जमीन सेल डीड नं० 4151 और 4152 द्वारा रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी बड़ौदा के कार्यालय में ता० 30-7-1979
को रजिस्टर्ड की गई है।

आर० एस० मांडल
संक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 4-3-1980
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मार्च 1980

निदश सं० पी० आर० न० 890 एक्सिव०/23-6-
1/79-80—प्रतः मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित वाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मी० एस० न० 59, टी० पी० एस० न०
12 प्लाट न० 150 है तथा जो निकामपुरा, बड़ौदा में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमती में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 20-7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
कर के निरोक्तिवाली की गई है प्रौढ़ पूर्वे यह विराज करने का
कारण है यह यात्रीन सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकरण में दृश्यमान विनाहत का पन्द्रह प्रतिशत में
प्रधित है और प्रत्यक्षरूप (प्रतारां) प्रौढ़ प्रत्यक्षरूप (अन्तर्भूतियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रत्यरूप विविध में वासाक्षिक हा से रुक्षित नहीं
किया गया है:—

(क) प्रत्यरूप से ह्रदि किसी आय को बायत उठान
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्के के दायित्व में
कर्मी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए;
बोर्ड/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या धन्य आक्षिकी या
जिन्हें भारीप्राप्तकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धननकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तर्भूत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आविष्कार, छिपाने में सुविधा के लिए;

आ: अब, उक्त प्रतिनियम, की धारा 269-ष के अन्त-
स्थरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्चर :—

1. (1) श्री भगवानभाई रामभाई

(2) श्री कान्तिलाल रामभाई, निकामपुरा, बड़ौदा।
(अन्तर्क)

2. प्रेसीडेंट पास्वनाथ को-आप० हा० सो० लि०,
स्थावर गेट, अमृत निवास, मोती तंबोलीवाड, बड़ौदा।
(अन्तर्भूतियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए,
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अधेन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से निसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किमी अन्प व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रापित है, वही
अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है ।

अनुमति

प्रति जमीन 1 एकड़ और 25 गुड़ा जो निकामपुरा,
बड़ौदा में है और जिसका सं० पी० न० 59 और टी०
पी० एस० न० 12 है और जिसका प्लाट न० 150 है।
यह जमीन दम्भलेन न० 4021 दाता ना० ३०-७-१९७९
की रजिस्ट्रेशन की आयाती दाता, निकामपुरा की गई
है।

एस० एन० मांडल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरोक्षण
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 4-3-1980
मोहर :

प्रलम्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1980

निदेश मं० पी० आर० नं० 876/एक्वि० 23-II/
79-80—अन्: पुणे, प्रम० प्र० मंडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थायर समति, जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिनकी मं० रेव० प्र० नं० 237 तैकी प्लाट
नं० 15 और 22 है तथा जो विजनपुर, आणापुरी रोड,
नवसारी में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्यों में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
नवसारी में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 17-7-79
को पूर्वोक्त समति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त समति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बबने में सुविधा
के लिए; और/या

(द) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उद्धारा (1)
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, ग्रहण:—

1. श्री मानमार्ह माधवजगाई अमीन प्रेमी भुवन, कृष्णा
सोसायटी, नवसारी।
(अन्तरक)

2. श्री बावनजीभाई अनसीभाई कुकडिशा, कृष्ण नगर
अपार्टमेंट, लुन्सीकुई, नवसारी।
(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त समति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त समति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तस्वीरद्वयी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजावत में प्राप्त तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर समति में
हितवद्ध किसी अन्य अधिकारा द्वारा अधोहस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रधाना 20-ह में व्यापरिभाषित
हैं, वह प्रत्येक होता, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूल्य

जमीन जिसका रेव० प्र० नं० 237 पैकी प्लाट
नं० 15 और 22 है और जो विजनपुर, आणापुर रोड, नवसारी
में है। यह जमीन माप में 10331 चौरस फिट है। और
जो रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी नवसारी द्वारा ता० 19-7-79
को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मंडल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन्ट रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 27-2-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राइंटी टी० एन० एस०————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सदायन आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1980

निदश सं० पी० आर० नं० 877/एक्वि० 23-II/
79-80—अतः मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि आवार मन्त्रि, त्रिकांत उचित बाजार मूल्य 25,000/-
हप्पे में अधिक है

और जिसकी सं० घर नं० 236, वार्ड नं० 2, टीका नं०
6/2 है तथा जो जमशेदबाग के सामने नवसारी में स्थित
है (और इससे उपावन्द्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
24-7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
नियम में वास्तविक ढंग से नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई निम्नी धारा की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तुरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी निम्नी धारा या निम्नी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लागत (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती वासन्तीदेवा राममाई भट्टा, जमशेद बाग के
सामने, चारपुल, नवसारी। (अन्तरक)

2. श्री गुलामकादर मोहम्मदभाई फूटवाला, श्री इकबाल हुमैन
मोहम्मदभाई फूटवाला, टाटा स्कूल रोड, नवसारी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो फरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्द्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इह सूचना के राजत्र में प्रकाशन की जारीब से
45 दिन को प्रतिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की नामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रतिधि बाइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वारा कियी अविन दाग;

(ख) इस सूचना के राजत्र में प्रकाशन की जारीब से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
निम्नी प्रयोग वाला, अंग्रेजी भाषी के गान
तिक्कित में किए जा सकेंगे।

प्रधायाद्य :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जिसका घर नं० 236 और वार्ड
नं० 2 है और जो जनरेइ बाग, नवसारी में है, यह मन्त्रीयत
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के कार्यालय में ता०
24-7-1979 के दिन रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 27-2-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०—

आयहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 मार्च 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 879/एक्विं-23-4-
3/79-80—अतः मुझे, एस० एन० मांडल,
आयहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परवाने 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
प्रयोग तत्त्वावधारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थानीय संपत्ति जिनमें उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 16 की अतिरिक्त जमीन है
तथा जो मोजमपुर भरुच में स्थित है (और इससे उपावन्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-
कारी के कार्यालय भरुच में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 18-7-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरोपण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरोपण विधित में वास्तविक
रूप से छाप्त नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के प्रदीन कर देने के प्रत्यरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें मार्टी आयहर प्रधिनियम, 1922
(1922 नं० 11) या उक्त प्रधिनियम, या धारा-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, सैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री महमद इसा आदम भीठा कामक, भरुच।
(अन्तरक)
2. सेरेट्री एवं मंत्री श्री दीपक कांतिजाल शाह, प्रीतम
सोनायरी, भरुच।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भाल के अर्जन के
लिए लार्यादिश करता है।

उक्त संपत्ति के प्रर्देश के सम्बन्ध में कोई आँखें:—

- (a) इस पूर्वाने राजावत में त्रिलोगा की तारीख से 45
दिन की प्रतिधि पा तरतम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को जमीन नं० 30 दिन हो गया, जो भी अधिक बाद
में उपरान्त हो गया, तो भी आप पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में हिस्सी व्यक्ति द्वारा;
- (b) इस पूर्वाने राजावत में त्रिलोगा की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध हिस्सों अवश्य अकिञ्चन द्वारा अधीक्षताकारी के
पाप निविदा में हिल जा सकेंगे।

संधिलिखित:—इनमें प्रमुख गव्हर्नर और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित
है, वहों ग्रंथ होंगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसकी सर्वे नं० 16 है और जो मोजमपुर, भरुच
में है। यह जमीन रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी भरुच के कार्यालय में
ता० 18-7-79 को रजिस्टर्ड नं० 1071 द्वारा रजिस्टर्ड
की गई है।

एस० एन० मांडल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 1-3-1980

मोहर :

प्रस्तुप आहूटी०१०एन०ग्र०—

1. श्रीमती कांतिवेन इसा ग्रादग मीहा कासक भरुच।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 मार्च 1980

सं० एफ० नं० पी० आर० नं० 880 एक्विव० 23/4-
3/79-80—प्रतः मुझे, एस० एन० मांडल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० स० नं० 16 कि अतिरिक्त जमीन है तथा
जो मोजमपुर भरुच में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के अधिकारी
के कार्यालय भरुच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 23-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पाद्त का उचित बाजार मूल्य,
उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधान निम्नलिखित व्यक्तियों, अभितः:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निम्नित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूल्य

जमीन जिसका सं० नं० 16 है और जो मोजमपुर
भरुच में है। यह जमीन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
भरुच में है। यह जमीन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भरुच के
कार्यालय में ता० 23-7-79 को रजिस्टर्ड नं० 1091
द्वारा रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मन्डल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11; अहमदाबाद

तारीख : 1-3-1980

मोहर:

प्रेषण भाई० टी० एन० एस०——

आषाढ़ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-घ (1) के प्रवीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

निवेश सं० पी० आर० नं० 881 एक्विं 23/19-
7/79-80—अतः, मुझे एस० एन० मांडल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-घ के प्रवीन मकान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि इसके स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नौद नं० 1936/ए, अन्तिमत जमीन
है तथा जो कैलास नगर सोसायटी माजुरा सुरत में स्थित
है (और इससे उक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
9-7-1979

जो पूर्वोक्त व्यापति के उचित उत्तराधिकार से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त व्यापति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और मन्त्रक (अन्तरकों) और अन्तरिक्त
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तर : से हुई किसी आय की वावत उक्त
प्रधिनियम के व्यवोन कर देने के अन्वयक
के दायित्व में रूपी करने वा उक्त व्यवहार में
मूलिका के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम,
या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या विद्या जाना जाए वा, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के
अनुसूच्य में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की
उप-घारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—6 GI/80

1. श्रीमती निर्मलाबेन सुमेरचन्द्र शाह गोपपुरा, भन्साली
पोल, सुरत। (अन्तरक)

2. (1) प्रेसीडेन्ट जमेस को० आप० द्वा० सोसायटी
की श्रीमती विलासबेन हरीलाल मोदी 24, स्वाती
सोसायटी, नानपुरा, सुरत।

(2) मंत्री श्री प्रेमचन्द्रभाई बी० ब्रोसी, गोपीपुरा,
सुरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में शोई भी आवेदन :—

(क) इस पूर्वोक्त के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर उक्ता
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्तावती के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रपुत्र शब्दों और पर्दों की, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधाय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो मजुरा, कैलासनगर सोसायटी सुरत में है।
जिसकी नौद नं० 1936/ए है। यह जमीन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
सुरत के कार्यालय में ता० 9-7-1979 को रजिस्टर
की गई है।

एस० एन० मांडल

सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 3-3-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 3 मार्च 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 882 एक्सी 23-19-7/79-80—

प्रतः मुझे, एस० एन० माँडल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में प्रधिक है,
और जिसकी सं० नोंद नं० 2/1936/ए को अनियक्त जमीन
है तथा जो मनूरा, कैलासनगर सोसायटी, सूरत में स्थित है
(और इससे उपावढ अनुसूचि में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 9-7-1979
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित
महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दृई किसी ग्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुशासन में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधारा, (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नवीनचंद चिमनलाल शाह, गांजावाला एपार्टमेंट,
बौरीवाली (वेस्ट) बम्बई।

(अन्तरक)

(2) प्रमुख श्रीमती विलासबेन हरीलाल मोदी, 24,
स्वाति सोसायटी, नानपुरा, तिमलीग्राम, सूरत।

मंत्री : श्री प्रमचंद भाई भोगी लाल दोशी, गोपीपुरा
लालजीवा मंदिर के द्वारा जयेश को० आप०
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्त्राक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

पृष्ठोंकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका नोंद नं० 2/1936/ए है और जो मनूरा
कैलासनगर सोसायटी, सूरत में है। यह जमीन ता० 9/7/79 को
रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० माँडल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

दिनांक : 3 मार्च 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰—

(1) श्री कुवेरभाई धनजीभाई पटेल, मोटलावाडी, कातारगाम
मूरत।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के प्रधीन सूचना

(2) 1. श्री पुरस्तोतम जवाहरलाल पटेल,
2. श्री जयंती लाल रामजीभाई पटेल, प्रभुनगर को
प्राप्त होने वाली लिंगदपुरा, सूरत।
(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

सार्वजनिक सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 883 पंक्ति 23-19-7/79-80-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सत्रम प्राविहारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिवाला उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है और

जिस की सं० सर्वे नं० 468 की अतिरिक्त जमीन है तथा जो
कातारगाम सूरत, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
31-7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरिक्षी) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षीयों) के शीन देने वाला तातो, राजाराजा विभिन्न
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किमी प्राप की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वापित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थि आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ।—

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक वर्ष के लिए

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक वर्ष के लिए

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रन्दिश द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
तातो तातो में किए जा सकेंगे ।

वडीहारा :—इसमें नयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन जो कातारगाम सूरत में है। जिसका सर्वे नं० 468 है।
यह जमीन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा तातो 31-7-79 को
रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मांडल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेज II, अहमदाबाद

तारीख : 3-3-1980
मोहर :

प्रस्तुति आई ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 884 एक्वी 23/4-1/79-80—
प्रतः मुझे, एस० एन० मान्डल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास नहने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिस की सं० नं० 184/2 है तथा जो गड्ढोल ता० अंकलैश्वर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचित में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलैश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी निसी आय या हिसी वर या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों घर्यातः:—

(1) श्री करसनभाई गमन भाई गड्ढोल, ता० अंकलैश्वर
(अन्तरक)

(2) श्री अंबालाल चीमनलाल गांधी आंग दूबरे अंकलैश्वर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्थावोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो गड्ढोल में है और तालुका अंकलैश्वर है। जिसका सं० नं० 184/2 है। यह जमीन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा अंकलैश्वर में ता० 31-7-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मान्डल
मकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

दिनांक: 3 मार्च 1980
मोहर :

प्ररूप श्राइ० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, मंडायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 885 एक्वी० 23/4-1/79-80—

अतः मुझे एस० एन० मान्डल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्रविकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विवक्त उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिस की सं० नं० 184/1+3, (जमीन) है। तथा जो
गड्ढोल ता० अंकलेश्वर में स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
अंकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 31-7-79 को

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षद्व
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्धार्त वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई हिसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन भर देने के अन्तरक के
शायदी में कभी बदले या उससे बदले में सुविधा
के लिए; प्रौद्योगिकी

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने वे
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसूच
में, जैसे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री कसीरभाई देवसीमाई काजी फलीभा, अंकलेश्वर
(अन्तरक)

(2) श्री शंबालन चीमनलाल गांधी और दूसरे अंकलेश्वर
(अन्तरिती) ०

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या नरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवस्ताकारी के
पास लिखित रूप से किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :—इनमें प्रत्येक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधारण 20-क में परिभाषित हैं,
वही शब्द होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो गड्ढोल ता० अंकलेश्वर में है। जिसका सं० नं०
184/1+3 है। यह जमीन रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी अंकलेश्वर के
कार्यालय में ता० 31-7-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मान्डल

सक्रम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 3 मार्च 1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयतन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

निरेश नं० पी० आर० नं० 886/एक्वी० 23/4-1/79-80—

अतः मुझे एन० एन० मान्डल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० नं० 184/2 की जमीन है। तथा जो
गडखोल ता० अंकलेश्वर में स्थित है (और इससे उपायदू प्रनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अंकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 31-7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूश्यमान प्रतिफल के पक्कह प्रतिशत से अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के निः तत पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण त्रिभित में वास्तविक रूप से रुपित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की
उपस्थापा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

(1) श्री करसनभाई नामनभाई गडखोल ता० अंकलेश्वर
(अन्तरक)

(2) श्री अंबलाल चमनलाल गांधी और इसरे
2. धनमुखलाल चुनीलाल मिठाईवाला, अंकलेश्वर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
यर्थ द्वीगा, जो उप अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जमीन जो गडखोल ता० अंकलेश्वर में है जिसकी सं० नं०
184/2 है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अंकलेश्वर द्वारा ता०
31-7-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मान्डल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 3 मार्च 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ----

प्रायतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 891/एक्वी 23/19-8/79-80
अतः मुझे एस० एन० मान्डल

प्रायतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रयोग सन्दर्भ गविरारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जियाना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० नं० 1482 प्लोट नं० एच० 4 एस० नं० 62 है। तथा जो आदर्श नगर को० आ० सौसायटी अडवा सुरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-7-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाशा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन छठे देने के अन्तररु के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या छठे का अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायतर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

(1) श्री शार्दूलशीर्ष उद्योगसिंह महेंड्रा गांव छड़ैया पोस्ट कासमडा जि० सुरत

(अन्तरक)

(2) श्री गणिकान्त छोटा नाल शडे बी-11, सेकन्ड फ्लोर,
मानपुरा, सुरत,
2. जयमनबेन शशीकान्त शडे,
3. बदन शशीकान्त शडे, सुरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गम्भन्न में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरम्भन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में तभात्त होती हो, के भीतर रूपरूप व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर वदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधाय 20-स में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उप प्रधाय में दिया गया है।

प्राप्तसूची

मीलकन जोकि आदर्शनगर सौसायटी अडवा सुरत में है। जिसका सं० नं० 1482, प्लोट नं० एच० 4/इन्डेक्स नं० 62 है। के मिलकन रजिस्टर्ड दस्तावेज नं० 2807 द्वारा, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुरत के कार्यालय में ता० 25-7-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मान्डल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद
दिनांक: 6 मार्च 1980
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I कार्यालय अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1980

निवेश नं० ए० सी० क्यु-23-I-2601 (958)/16-6/
79-80—अतः मुझे एस० एन० माडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इष्ट से अधिक है।

और जिस की सं० सर्वे नं० 123 प्लाट नं० 148 है। तथा जो
बेडीपरा—राजकोट बढ़वाण रोड की तरफ राजकोट में स्थित है
(और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-1979
को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तब पाया गया त्रिकान, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
त्रिकान में वास्तविक रूप से नहिं नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करी करने या उससे बचने में मुविना
के लिए; और /या

(ग) ऐसी ठिकी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें सारलीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगना प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या क्या जन. चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुमरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहनलाल त्रिकमजी, बम्बई-52 के, श्री दयाकुंवर
हीरालाल— के पावर आक अटार्नी होल्डर-2, शक्ती
भवन, घोड़बन्दर रोड, बम्बई-52
(अन्तरक)

(2) श्री रामजी परमार, श्री बेडीपरा राजपुरा मंडल के
मारपत बेडीपरा राजकोट ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकेय :—

(र) इन भुवन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त हो ती हो, ते भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन भुवन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त रायपत्र सम्पत्ति में हितबद्ध
हिसी प्रत्यक्ष विकास द्वारा, अब्रोइस्टाक्षरी के पाम
निखित में फिर जा सकेंगे ।

सम्पादकरण :—इष्टमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 123 पैकी प्लाट नं० 148 जो बेडीपरा
राजकोट बढ़वाण रोड की तरफ राजकोट (दक्षिण साईड) में
स्थित है सर्वे नं० 123 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा
बिक्री दस्तावेज नं० 4770 दिनांक 31-7-1979 से रजिस्टर्ड
हुआ है याने उसमें ऐसे प्राप्ती का पूर्ण वर्णन दिया गया है ।

एस० एन० माडल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I अहमदाबाद
दिनांक 6 मार्च 1980
मोहर :

प्रमुख प्राई० टी० एन० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंत रेंज I, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1980

निदेश नं० ए०सी० क्य० 23-I-2601 (959)/16-6/79-80

—ग्रतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एकान् 'उत्तर प्रविनियम' कहा गया है), और धारा 269-व के अधीन सशम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विभाग द्वारा भूम्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिस की सं० सर्वे नं० 123 पैकी प्लाट है। तथा जो सं० बेडीपरा—राजकोट बढ़वाणरोड की साईड राजकोट में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण स्पृष्टि से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-79 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रनारित को गई है और पुर्खे यह विश्वास करने का कारण है कि प्राय पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रमाणह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (प्रस्तरकों) और अस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से तुर्हि किसी आय की वाकत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने पा उसमें बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी जिसी आय पा किसी वन वा अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित अधिकारियों, ग्रहणतः—

9—6GI/80

(1) श्री मोहनलाल द्विकमणी ठक्कर 72, शक्ती भवन एस० वी० रोड, खार (वेस्ट) बम्बई-52।

(प्रन्तरक)

(2) श्री रामजी परमार श्री बेडीपरा राजपुर मंडल के मारकत बेडीपरा, राजकोट

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रहण के लिए आयवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजंत के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारियों में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद जिसी ग्रन्थ अधिकता द्वारा, प्रबोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वप्नोकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 123 पैकी प्लाट जो बेडीपरा में राजकोट-बढ़वाण रोड की तरफ राजकोट (दक्षिण साईड) में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा बिक्री दस्तावेज नं० 4771 दिनांक 31-7-1979 से रजिस्टर्ड हुआ है याने उसने प्राप्ती का जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मांडल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजंत रेंज I अहमदाबाद

दिनांक 6 मार्च 1980

मोहर :

प्रकल्प नं. ८१० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज। अहमदाबाद

अहमदाबाद 6 मार्च 1980

निवेश नं. एसीए-23-1-2509(960)/11-6/79-80-

अतः मुझे एस एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिस की सं० सर्वे नं० 305 पैकी सवेरी भवन नाम से प्रखात
प्राप्त है। तथा जो राजमहल रोड वेरापल में स्थित है (श्रीर
इसस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस कर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, वेरावल में रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन 17-7-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्याख्यान करने से अधित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
श्रीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन
निम्नलिखित अप्तियों, प्रथातः:—

(1) श्री गुणवंतराय पुरषोत्तम सवेरी

(2) श्री मुंकुवराय परषोत्तम सवेरी

(3) श्री मनहरलाल परषोत्तम सवेरी

सब-'सवेरी भवन', राजमहल रोड वेरावल।

(अन्तरक)

(2) अराधना सीनेमा, भागीदार श्री गुणवंतराय परषोत्तम
सवेरी तथा अन्य के मारफत वेरावल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
नायांवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंशेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रयोग 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उक्त प्रयोग में दिया गया है।

अनुसूची

'सवेरी-भवन' नाम से प्रखान प्राप्ती—सर्वे नं० 308 पैकी
2413-90 वाँ मीटर जमीन पर खड़ी जो राजमहल रोड वेरावल
में स्थित है तथा रजिस कर्ता प्राधिकारी वेरावल द्वारा विक्री
दस्तावेज सं० 451/18-7-79 से रजिस्टर्ड किया गया है याने उसमें
प्राप्ती का जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एन० एन० मांडल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज। अहमदाबाद

दिनांक 6-3-80

मोहर :

प्रकल्प धाइ० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-व (1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 6-3-1980

निवेश नं० एसीक्य०-23-I-2505 (961)/16-6/79-80—
अतः मुझे एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा याया है), की बारा 269-व
के पश्चीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 390, प्लाट नं० 4 है। तथा जो
गोडलरोड राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचि
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 21-7-1979 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिसंत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और
अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिकल, निम्नविवित उद्देश्य से उक्त अस्तरण विविह में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया याया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी धार की वावत, उक्त
प्रधिनियम के पश्चीन करने के अन्तरक के
बायिल में कही करने या उससे करने में सुविधा
के लिए; और/एवा

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
अनुकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाम प्रतिस्ती द्वारा प्रकट महों किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व के प्रमुखरण
में, में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व की उपबारा (1)
के अधीन, निम्नविवित अवित्यों, अवाहि:—

(1) श्री जयमतीलाल डी० सीनरोजा कांदीपली, इण्डस्ट्री-
यल इस्टेट बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री कान्तोषेन जमनादास गजनर 4, जागना प्लाट
राजकोट।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए आवश्यक होनी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभावित है,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय के दिया याया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1529-40 वर्ग गज
है जिसका सर्वे नं० 390 प्लाट नं० 4 गोडल रोड पर स्थित है तथा
बिक्री दस्तावेज जो रजिस्ट्रेशन नं० 3215 दिनांक 21-7-1979
से रजिस्टर्ड हुआ है उसमें पैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मांडल

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I अहमदाबाद

दिनांक 6 मार्च 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 6 मार्च 1980

निदेश नं० एसीक्यू-23-I-2540 (962)/18-5/79-80--

भ्रतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को घारा
269-ग के अधीन सकाम पालिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० सर्वे नं० 1770-पैकी प्लाट नं० 2 स 5 है। तथा
जो सुरेन्द्रनगर जिला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचि में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बठवाण में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निष्पत्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूई किसी आप की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
विवित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में
सुविधा के लिए;

भ्रतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के
प्रमुखरूप में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग की
उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री चन्द्रकान्त केशवलाल देयाला, दुधरेण रोड,
सुरेन्द्रनगर।

(अन्तरक)

(2) मालीक श्री दुर्गा विल्सन प्रद्युम्न भुरमा के मारफत
बठवाणसीटी जिला सुरेन्द्रनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
अन्य अविक्त द्वारा, अंतरिती (अन्तरिती) के पात्र लिखित
म किए जा महोरे।

सार्वोकारण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के प्रधान 20-क में परिमावित हैं, वहीं
अर्थ होगा, जो उस प्रधान में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 1770 पैकी प्लाट नं० 2 से 5 और
क्षेत्रफल 1261-2 वर्ग फुट सीटी सर्वे नं० 5358—जो सुरेन्द्रनगर
जिला में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बठवाण द्वारा
बिकी दस्तावेज नं० 1936 जुलाई 1979 से रजिस्टर्ड किया गया
है याने उसमें प्राप्ती का पैसे पूर्ण वर्णन किया गया है।

एस० एन० मांडल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I अहमदाबाद

दिनांक 6 मार्च 1980
मोहर :

१९६५ भाई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, प्रायोग आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज। अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1980

निवेश नं० एसीक्यु-23-I-2622 (963) 16-6/79-80:-

अतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि उक्त अधिनियम, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिस की सं० सर्वे नं० 451 प्लाट नं० 10ए, थेन्फल 165-
1-36 वर्ग गज है। तथा जो राजकोट में स्थित है (और इसमें
उपांड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के तिर प्रत्यारोपण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने जा जाएगा है कि इस्युरेंस वित्ती राज बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरेतियों) के रोजे पर अन्तरण के तिर तक पाना गया प्रति-
फल तिमाहित उद्दरण उक्त संपत्ति में वास्तविक
रूप से कृथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी जिसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे नालोग आयकर प्रविनियम, 1922
(1922 का 11) या उका अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या फिया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री हरीदास प्रधानभाई विठ्ठलाणी, 'जयनिवास' पारेंट
स्ट्रीट के सामने, घोड़बन्दर रोड, कांदीवली, बम्बई-८७
(अन्तरक)

(2) श्री अमृतसाल माधवजी भाई गेया रोड राजकोट।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तक्षम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इति सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध निषी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 451 प्लाट नं० 10ए, थेन्फल
165-1-36 वर्ग गज है जो राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी राजकोट द्वारा बिक्री दस्तावेज नं० 4550/79/जुलाई
1979 से रजिस्टर्ड किया गया है याने उसमें जैसे प्राप्ती का पूर्ण
वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मांडल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज। अहमदाबाद

दिनांक 6 मार्च 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राप्ति 20 एस० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भाष्यकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज। अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 6 मार्च 1980

निवेदन नं० एसीक्य०-23-1-2622(964)/16-6-79-80—

अतः मुझे एस० एन० मांडल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्भालि, विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० सर्वे नं० 451, प्लाट नं० 10-बी, 171-1-0
वर्ग गज क्षेत्रफल है। तथा जो राजकोट में स्थित है (और इससे
उपायकृ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्भालि के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भालि का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तुरक (प्रस्तुरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तुरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) बन्तरण से हुई किसी व्याप की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तुरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी राय या फिरी वारा या वाहाओं
को, जिन्हे प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे प्रस्तुरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया आवा आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः यह, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण
में, मेरे उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-व की उपरारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अधिकृतों, अर्द्धात्:—

(1) श्री हरीदासभाई प्रधानमाई विद्वानाणी, 'जय-निवास'
पारेख स्ट्रीट के सामने घोड़बदर रोड, कांदीवली
बम्बई-67

(अन्तरक)

(2) श्री जनकराय तम्भुज ठक्कर रेया रोड, राजकोट
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्भालि के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्भालि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकतयों वर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकृतों में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वाप्तर सम्भालि में हितवद
किसी अन्य अधिकत द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पात
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधान 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधान में दिया
गया है।

अनुसूची

बुली जमीन जिसका सर्वे नं० 451 प्लाट नं० 10-बी, जिसका
क्षेत्रफल 171-1-0 वर्ग गज है जो राजकोट में स्थित है तथा विकी
दस्तावेज नं० 4551/79/जुलाई-1979 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा रजिस्टर्ड हुआ है याने इसमें प्राप्ती जैसे पूर्ण
वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मांडल
सभी प्राधिकारी
सहायक प्रायकर भाष्यकृत निरीक्षण
अर्जन रेंज। अहमदाबाद

दिनांक 6 मार्च 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी टी. एन. एस.—

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज। अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1980

निदेश नं० एसीक्यू-23-1-2622 (965)/16-6/79-80—
आठ: मुझे एस० एन० मांडल

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके रखात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिसाला उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इपए से प्रधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 451-प्लाट नं० 10-सी, 177-4-32
वर्ग गज क्षेत्रफल है। तथा जो राजकोट में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्राप्त ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
प्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिए
तर पाया गया प्रतिफल तिम्मनिवित उद्देश्य में उक्त अन्तरक
निवित में गाहित का न किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरग से हुई किसी आय को बादत उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
ले लिए; और/या

(ख)ऐसी किसी आय या खिसो धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
अन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

भव: घब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ।—

(1) श्री हरीदासभाई प्रधानभाई विठ्ठलाणी, 'जयनिवास
पारेख स्ट्रीट के सामने बोडबन्दर रोड, कास्वीपली
बम्बई -67।

(अन्तरक)

(2) श्री अमरणीभाई मावजीभाई टांक वाणीयावाडी
स्ट्रीट नं० 1 राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवधि द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधान 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस प्रधान में किया
गया है।

अनुसन्धान

खुली जमीन जिस का सर्वे नं० 451 प्लाट नं० 10-सी वाली
जिसका क्षेत्रफल 177-4-32 वर्ग गज है जो राजकोट में स्थित है,
तथा रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी राजकोट द्वारा बिक्री दस्तावेज नं०
45521 जुलाई 1979 से रजिस्टर्ड हुआ है याने जैसे उसमें प्राप्ती
का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मांडल
सकाम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज। अहमदाबाद

दिनांक 6 मार्च 1980

मोहर :

प्रकरण मार्फ़ा० टो० एन० एम०---

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बाबा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1980

निवेश नं० एसीक्य० 23-I-2622 (966)/16-6/79-80—
घटना: मुझे, एस० एन० मांडल

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बाबा
269-घ के अधीन सक्रम साविकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 451-प्लाट नं० 10डी, 183-5-112
वर्ग गज है। तथा जो राजकोट में स्थित है (और इससे उपावढ
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के ऊंचत धानार मूल्य रेकर्ड के दृश्यान
प्रतिफल के निए प्रमाणित हो गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वरापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके वृथापात्र प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक
(अन्तर्लक्ष) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य के उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दूरी किसी ग्राम की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रमत्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या हिस्सी घर या अन्य ग्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथे प्रमाणित हारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

घटना: अब, उक्त अधिनियम की बाबा 269-घ के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की बाबा 269-घ की उपबारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवति:—

(1) श्री हरीदास भाई प्रधानभाई विठ्ठलापी, 'जय निवास'
पारेख स्ट्रीट के सामने घोड़बदंदर रोड, कांदीवली,
कम्बर्द-67।

(अन्तरक)

(2) श्री लगन लाल लालजी भाई कटारिया 'कटारिया
मेन्शन' रैयारोड राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके अपौक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिवाखित हैं,
वही वर्ण दोगा जो उप्राध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 451, ज्लाट नं० 10 डी
कोत्रफल 183-5-112 वर्ग गज हैं जो राजकोट में स्थित हैं रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा बिक्री दस्तावेज नं० 4553 जुलाई-
79 से रजिस्टर्ड किया गया है याने प्राप्टी का जैसे उसमें पूर्ण वर्णन
दिया गया है।

एस० एन० मांडल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 6 मार्च 1980
मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1980

निवेश नं० एसीक्य० 23-I-2597(967)/16-6/79-80—
अतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा जाय है), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 451-पैकी प्लाट नं० 41, 165-6-108 वर्ग गज है। तथा जो रैया रोड राजकोट में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में ने, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपस्थाता (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—
10—6GI/80

(1) श्रीमती नलीनीबेन चन्द्रभाई लाभशंकर त्रिभोवनदास के द्वारा अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री बस्त्तुभभाई वशरामभाई प्रह्लाद प्लाट रोड, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 451-पैकी प्लाट नं० 41-पैकी 165-6-108 वर्ग गज जो रैया रोड राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा बिकी दस्तावेज नं० 4108/4-7-1979 से रजिस्टर्ड किया गया है याने जैसे उसमें प्राप्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मांडल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद।

दिनांक: 6 मार्च 1980
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1980

निर्देश सं० एसीक्य०-23-I-2597 (968)/16-6/79-80—
अतः मुझे, एस० एन० मॉडल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें-इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० ते अधिक है।

और जिसकी सं सर्वे नं० 451, पैकी प्लाट नं० 41, पैकी 103-8-0 तथा 103-8-0 वर्ग गज है। तथा जो रेया रोड, राजकोट में स्थित है (और इसे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार है मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय वे बाष्ठत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षित्यों, अर्जातुः:—

1. श्रीमति नलीनीदेव चन्द्रलाल ताभासंकर त्रिभोवनदास के द्वारा अहमदाबाद। (अन्तरक)
2. श्री कनुभाई छगनलाल पंडया, प्रह्लाद प्लाट मैन रोड, राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टदोहरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 451 पैकी प्लाट नं० 41 पैकी 103-8-0 वर्ग गज तथा 103-8-0 वर्ग गज जो रेया रोड राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी राजकोट द्वारा बिक्री दस्तावेज नं० 4111/4-7-79 तथा 4112/4-7-79 क्रमानुसार से रजिस्टर्ड किया गया है याने उसमें प्रोपर्टी का पूर्ण वर्णन जैसे दिया गया है।

एस० एन० मॉडल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीखः 6-3-1980
मोहरः

प्रस्तुत धार्ड० टी० एन० एस० ——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रश्नों सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 6 मार्च 1980

निवेश नं० एसीकक्ष०-23-I-2597(969)/16-6/79-80-
अतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के प्रश्नों संबंध में प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 451—पैकी प्लाट नं० 41,
पैकी 103-8-0 तथा 103-8-0 वर्ग गज है। तथा जो रेया रोड,
राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 4-7-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतर्गतियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कष्ट से कठित नहीं किया गया
है।—

(क) अन्तरण से तुम्हें किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के विवरण में कमी
करने पर उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रम्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमति नलीनीबेन चन्द्रलाल लाभशंकर विभोवनदास
के मारकत अहमदाबाद (अन्तरक)
2. श्री बल्लभभाई बशरामभाई पटेल प्रहलाद प्लाट, मैन
रोड, राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत संबंध में कोई भी आवेदन:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सर्वे नं० 451 पैकी प्लाट नं० 41 पैकी 103-8-0 तथा
103-8-0 वर्ग गज की खुली जमीन जो रेया रोड राजकोट में
स्थित है जो विक्री दस्तावेज नं० 4109/4-7-79 तथा 4110/
4-7-79 क्रमानुसार से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा
रजिस्टर्ड किया गया है याने उसमें जैसे प्राप्टी पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मांडल
संभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवातः—

तारीख: 6-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 10 मार्च 1980

सं० पी० आर० नं० 892/ए०सी०क्य० II/79—80—

मृत्त: मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और सकी सं० सीटी सर्वे नं० 3247 पैकी जमीन है। तथा जो देशरा, बीलीमोरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गणदेवी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आमस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भौं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लगनलाल श्वेरचन्द शाह, सोनीवाड बीलीमोरा (अन्तरक)

2. प्रेसीडेंट श्री मोहनलाल श्वेरचन्द शाह बांका भहोला बीलीमोरा बीवांजली को० आप० हाउसिंग सोसायटी के मारफत (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

देशरा में स्थित जमीन जिसका सीटी सर्वे नं० 3247 क्षेत्रफल 1784-48-72 वर्ग भीटर है जो नं० 1184 से 10-7-79 को गणदेवी में रजिस्टर्ड हुआ है।

एस०एन०मांडल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II अहमदाबाद

तारीख : 10 मार्च, 1980।

मोहर :

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 10 मार्च, 1980

नं० ए०सी० क्य० 23-I-2554(970)/5-1/79-
80—प्रतः सुन्ने एस० एन० मौडल
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को द्वारा 269-व के अधीन समाप्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इष्यो से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 117, 118, 119 पैकी प्लाट नं० 20 है। तथा जो रुग्मा गाम याने गांव रुद्वा जिला भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के अधीन 9-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टप्राप्त प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और सुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टप्राप्त प्रतिफल से ऐसे दृष्टप्राप्त प्रतिफल का प्रमाण प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (मन्त्रकों) और प्रत्यरिती (अतिरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण लिखित में वास्तुविक रूप से रुचित रही किया गया है:—

(क) अत्यरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देमें के प्रत्यरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 31) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तर कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रत्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त अद्य, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की द्वारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्त :—

1. श्री मुकुंदराय हरगोविंददास निवेदी तथा अन्य (अन्तरक)
2. (1) मोनपरा लालजीभाई मोहनभाई (2) मोनपरा हीराभाई मोनाभाई (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या उससंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाबू में ममाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में लितव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के तास लिखित में किए जा सकेंगे :

स्वावोहरण—इसमें इयुक्त अस्त्रों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अन्याय 20-व में परिमाणित हैं, वही अवृत्त होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्टर्टी जिसका सर्वे नं० 117, 118, 119 पैकी प्लाट नं० 20 जिसका क्षेत्रफल 517--93 वर्ग मीटर है जो गांव रुग्मा जिला भावनगर में स्थित है तथा विकी दस्तावेज नं० 1315/जुलाई, 1979 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भावनगर द्वारा रजिस्टर्ड हुआ है याने उसमें जैसे प्राप्टर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मौडल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 10-3-1980।
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

ग्रहमदायाद, विनांक 10 मार्च 1980

नं ए० सी० क्य० 23-I-2558(971)/5-1/
79-80-अतः मुझे एस० एन० माझे

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ज के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० खाली प्लाट 1250 वर्ग गज का है। तथा
जो घोथा रोड, मेरु बाग के पास में स्थित है (और इससे
उपरबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 21-7-1979।

को पूर्वोक्त सम्भालि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भालि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगवार्ष अन्तर्स्थी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, भौतिक अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात्:—

1. श्री हरीनाल मुनजीभाई ठक्कर (अन्तरक)
2. श्री मोहनभाई वशराम पोस्ट खोखरा में (अन्तरिती)
 - (2) श्री जोधाभाई बीजलभाई पोस्ट खोखरा में
 - (3) श्री नरसींभाई ग्रमराभाई पोस्ट खोखरा में

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राज्यवाद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योतुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का 1250 वर्ग गज का खाली प्लाट जो घोषारोड, मेंलुवांग के पास स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भावनगर द्वारा, बिश्री वस्तावेज नं० 1419/21-7-1979 से रजिस्टर्ड किया गया है थाने उसमें जैसे प्रापटी का पूर्ण वर्णन किया गया है।

एस०एन०मार्टिल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 10-3-1980।

मोहर :-

प्रष्टप माई० टी० एस० -----
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की आरा
269-व (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, १ दिनांक 10 मार्च 1980

न० ८० सी क्य० २३-१-२५९८ (९७२)/१६-६/७९-८०—
प्रतः मुझे एस० एन० ८० मांडल
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-व
के प्रधीन समम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं०प्लाट नं० ४२-पैकी अधार लेख नं० १२० और
३ है तथा जो रघुबीर इन्डस्ट्रीज कम्पाउन्ड, राजकोट में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

8-7-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चह
प्रतिशत प्रधिक है और प्रमाणरक (प्रमाणरकों) और अन्तरिक्षीय
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे प्रमाणरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमाणरण लिखित में
वारदाविक रूप से कथित महीं किया जवा है :—

(क) अनुरण से हुई किसी प्राय की शब्दत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रमाणरक के अधिक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अम्य प्राप्तियों
में, जिन्हे प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिक्षीया प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनुसूचण
में, मैं उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री दिलीपकुमार नरोत्तमभाई पुराहीन 10, रघुबीर पार्क
राजकोट।
(अन्तरिक्षीया)

(2) 1. श्री अमृतलाल रामजीभाई मेहता, (2) श्रीमति
तारामोरी अमृतलाल मेहता दोनों जनता सोसायटी राजकोट।
(प्रन्तरिक्षीया)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
प्रबंधन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी अधिकारी :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि पा तत्सम्बन्धी अधिकारीयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारीयों में से किसी अविक्षित द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रम्य अन्तरिक्षीया द्वारा, प्रधोइस्तान्सरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रवृक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिवारित
है, वही पर्व होगा, जो उक्त अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग—जिसका प्लाट नं० ४२० पैकी-प्रथाह सेखा नं०
१२०—१५५ बर्गेंगज जमीन पर जो रघुबीर इन्डस्ट्रीज कंपा-
उन्ड, राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
राजकोट द्वारा बिक्री वस्तावेज नं० ३५३९/६-७-७९ से रजिस्टर्ड
किया गया है याने उपमें वैसे प्राप्तियों का पूर्ण वर्णन दिया
गया है।

एस० एन० ८० मांडल

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 10-3-1980।

मोहरः

प्रकृत प्राई ० दी० एन० एस० —————
 व्यापकर व्यवित्रियम्, 1961 (1961 का 43) की बारा
 269 च (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 10 मार्च 1980

नं० ए० सी० अ०-०२३-१-२६२३ (९७३)/१६-६/७९-८०—
 प्रतः मुझे एस० एन० मांडल

प्रायकर व्यवित्रियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त व्यवित्रियम्' कहा गया है), की बारा 269-ब
 के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 54/०-पैकी-२८०-० वर्ग गज
 जमीन पर ईमारत है। तथा जो भक्तीनगर सोसायटी
 राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
 राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यरक (प्रत्यरकों) और
 अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया
 गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रत्यरक सिद्धि में
 वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अस्तरण से ही किसी धार्य की बाबत, उक्त
 व्यवित्रियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के बायित्य
 में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ब) ऐसो किसी धार्य या किसी बन वा यथा आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय धार्यकर व्यवित्रियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त व्यवित्रियम, प्रा अन-कर
 व्यवित्रियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनां
 अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
 जाना चाहिए या, छिपाने वें सुविधा के लिए।

लेता धर्य, उक्त व्यवित्रियम की बारा 269-ब के अनुसार
 में, में, उक्त व्यवित्रियम की बारा 269-ब की उपकारण (1)
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैतु—

1. श्री नन्दलाल ए० मेहता डा० राधाकृष्ण सोसायटी
 रेया रोड राजकोट (शन्तरक)
2. (1) श्री विठ्ठनदास नाथालाल मकवाणा (2) श्री वसंत
 लाल नाथालाल मिकवाणा दोनों—टागोर रोड राजकोट ।
 (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
 के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घावेप :—

- (इ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रवधि या उससम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
 प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तवड
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरी दरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यवित्रियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही
 अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रायुक्त

ईमारत जिसका प्लाट नं० 54/०-;पैकी-२८०—० वर्ग
 गज शेतकर बाली जमीन पर खड़ा जो भक्तीनगर सोसायटी
 राजकोट में स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज नं० 4457/जूलाई
 1979 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा रजिस्टर्ड हुआ है याने
 इसमें जैसे प्राप्ती का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मांडल
 सक्रम प्राधिकारी
 सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, अहमदाबाद
 तारीख: 10-3-1980।
 मोहर:

प्रस्तुत प्राईटी ० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन्न रोज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 मार्च 1980

निवेश पी० आर० न० 893 एसीए० 23-II/1684/198/
79-80—प्रतः मुझे, एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
८में पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं० नार्थ न० 1636 ऐ-२ है तथा जो टपुरा स्ट्रीट
सुधार महोला नानपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाख्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 5-7-1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः:—

11—6GI/80

1. मेसर्स आर० गणीभाई घेंड काँ० के भागीदार :—

1. श्री रावजी भाई भाईजीभाई पटेल
2. श्री छनाभडई भाईजीभाई पटेल,
3. श्री मणीभाई भाईजीभाई पटेल

4. श्री परषोत्तमराम भाई मणीभाई पटेल गांध-ओड
ता० आणेद (अन्तरक)

1. प्रेससीडेंट, श्री अम्बालाल लल्लुभाई पटेल, दिहेश
एपार्टमेंट्स को० ओप० लाइसिंग को० लिओ० काकाणी स्ट्रीट,
नानपुरा सूरत घरका सरपंच महोला, अडाणण पाटियां
सूरत ।

2. सेक्रेटरी श्री जनक दासभाई देसाई संगाड़ीयाथाई, सूरत
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन्न के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजन्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-फ में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नानपुरा से स्थित प्रोपर्टी वार्ड न० 1, सर्वे न० 1636-
ऐ-२ जिसका क्षेत्रफल 481 वर्ग गज है तथा न० 2565
है 5-7-1979 से रजिस्टर्ड हुआ है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रोज-II, अहमदाबाद

तारीख : 11-3-1980।

मोहर:

प्रखण्ड प्राइंट ई० एन० एस०—

1. श्री हरीश खुण्डलदास

(अन्तरक)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-व (1) के प्रधीन सूचना

2. श्री तेजा मेमा पटेल

(अन्तर्गत)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1980

निदेश [सं० एक्विं 23-I-2563(974)/12-1/79-
80—प्रतः मुझे, एस० एन० मांडल

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन संकेत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति निम्नका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 36 सेक्टर नं० 4 है तथा जो
जिला अंजार में स्थित है (और इप्से उपावह अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, अंजार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे बृश्यमान प्रतिक्रिया का
पश्चह प्रतिगत प्रतिक्रिया है और घटारक (घटारकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरोग के लिए
तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरोग,
विवित में वास्तविक रूप से व्यक्त नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रति-
लियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बाहित में
कभी करने या उससे बचते में हुविधा के लिए
प्रोटो

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य पासियों
को जिसे आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा ब्रकट नहीं किया
वया या या किया जाना चाहिए या, कियाने
में सुविधा के लिए

जमीन, प्लाट नं० 4 जो अंजार जिला में
स्थित तथा है रजिस्ट्रीकर्ता अंजार द्वारा विक्री
करता वैज नं० 641-642/जुलाई, 1979 से रजिस्टर्ट हुआ
है यानि उसमें, प्रापर्टी का जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मांडल
संकेत प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

प्रतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अपेक्षा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षत :—

तारीख : 12-3-1980

मोहर :

प्रख्य प्राइंट टी० एन० एस० —

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायरिय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० एक्विं-23-I-2564(975)/12-2/79-
80—अतः मुझे, एस एन० मांडल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सिटी सर्वे शीट नं० 200, जांच नं० 31, पार्ट प्लाट नं० 8 है तथा जो भुज में स्थित है (और इसे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में बिंगत है), रजिस्ट्री-रुरी प्रतिकारी के नायित भुज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत प्रविक्ष है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया था जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपाय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वचत् :—

1. महारावक मदनसिंहजी राजपूत छात्रालय ट्रस्ट, ओन-रेरी सेकेटरी श्री जावेजा वी० ज० भुज के मारफत घनश्याम-नगर, ड्लाक नं० 4, भुज। (अन्तरक)

2. श्री मनहरलाल लालजी गोरीया, गणपति भवन, बाबुनगापीर के सामने, भुज। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धीय व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवेशनाधारी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका अक्तफल 264-43 वर्ग मीटर है जिसका सिटी सर्वे शीट नं० 200,—जांच नं० 31, पार्ट प्लाट नं० 8 जो भुज में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भुज द्वारा बिंकी दस्तावेज नं० 1170/जुलाई, 1979 से, रजिस्टर्ड हुआ है यानि उसमें जैसे प्राप्टी का पूर्ण धर्जन दिया गया है।

एम० एन० मांडल
सक्षम प्राधिकारी
महायकर प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 12-3-1980
मोहर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१ अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1980

निवेश सं० एकिव० 23-I-2522(976)/11-4/

79-80—ग्रतः मुझे, एस० एन० मांडल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का खाली प्लाट है तथा जो पोरबंदर
में स्थित है और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पोरबंदर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 9-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के पर्यावरण कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्—

1. श्री नरोत्तमदास मोहनलाल टकबाणी तथा अन्य
सुदा मारोड़ पोरबंदर।

(ग्रतःरव)

2. श्री दिनेशकुमार काम्तीलाल बामटा, बाड़ी प्लाट, स्ट्रीट
नं० 2, पोरबंदर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुनी जमीन का खाली प्लाट 400 वर्ग गज जिस का
रजिस्ट्रेशन विकी बस्तावेज नं० 2540/9-7-1979 से
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पोरबंदर द्वारा हुआ है यानि उसमें जमे
प्राप्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एम० एन० मांडल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१ अहमदाबाद

तारीख : 12-3-1980
मोहर

प्रस्तुप ग्राही ० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज़-, प्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1980

नं० ए० सी० क्य०-23-I-2572(977)/10-5/79-
80—अतः मुझे एन० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० सर्वे नं० 10, 0 एकड़ 17 गुंठा पैकी प्लाट
नं० 2 जमीन है। तथा जो कालावड तलपद, कालावड, जिला
जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में अंतर
पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जुलाई, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य न करने
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रन्ति प्रतिशत प्रधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिवित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नुहार दरजीवत वासराम खोलेश्वर सोसायटी विक्रम मील के पीछे सरसपुर अहमदाबाद (अन्तरक)
2. श्री दोषी धीरजनाल पोपट लाल दरबारगढ़ शेरी कालावड (शीतला) जिला : जामनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी रखने पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसमें व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रधान अधिकारी द्वारा, योग्यतात्त्व के पास लिखित में फिर जा पहेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधानाय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधानाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 5670 वर्ग फुट है जो कालावड तलपद में, बिन कुण्ड विधक सर्वे नं० 10, पैकी प्लाट नं० 2 जो कालावड में स्थित है जो बिकी वस्तावेज नं० 707/17-7-79 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कालावड द्वारा रजिस्टर्ड हुआ है याने उसमें जैसे प्राप्ती का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एम० एन० मांडल
मक्रम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंथालय रेंज-1, प्रहमदाबाद

तारीख : 12-3-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1980

नं० प्रनीत्य०-23-L-2525 (978)/11-4/79-
80—अतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर प्रबिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रबिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास मरने का कारण है कि उथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सीटी सर्वे नं० 3, शीट नं० ईमारत-143 है। तथा जो बाड़ी प्लाट, पोरबंदर में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पोरबंदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979 को पूर्वानुसारित के उद्दिष्ट बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वानुसारित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से उद्दी किसी आय की बाबत उक्त प्रबिनियम के अधीन कर लेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्से बचने में सुविधा के लिए; आर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रबिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त प्रबिनियम की धारा 269-प के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अन्तरिती, अर्थात् :—

1. श्री रमेशमाई नेरमाभाई गोव गराज के, जिला पोरबंदर (अन्तरक)

2. श्री हरसुखलाल नाथमाई नटवरलाल आयल मिल के मामने, बाड़ी प्लाट, पोरबंदर (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करते पूर्वानुसारित सम्पत्ति के उचित के लिए कार्यानुसारित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के उत्तरदाय में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरें अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वानुसारित अन्तरिती में से किसी अविक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य अविक्षिय द्वारा, प्रबोहस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपचौकरण 1——इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-ह में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

ईमारत जो 255-2-9 वर्ग गज जमीन पर खड़ी है 1942-43 के लेख रजिस्ट्रेशन नं० 368 बाली, सीटी सर्वे नं० 3 शीट नं० 143 जो बाड़ी प्लाट विस्तार, पोरबंदर में स्थित है तथा बिकी दस्तावेज नं० 2655/20-7-79 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पोरबंदर द्वारा रजिस्टर्ड हुआ है याने इसमें प्राप्ती का जसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एन० एन० मांडल
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 12-3-1980।
मोहर :

प्रलेप माई० टी० एम० ए त०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अंतर्जन रेंज-I प्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च, 1980

नं० ए सी क्य०-23-I-2523(979) 11-4/79-80-
प्रतः मुझे, एस० एन० मांडल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के प्रधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- इष्ट
से अधिक है

और जिसकी सीटी सर्वे० बांड नं० 3, सर्वे० नं० 2904,
पैकी है। तथा जो कमला नहरु पार्क, पोरबंदर, में
स्थित है 'अग्र इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
पोरबंदर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के प्रधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त वस्तुति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये प्राप्ति को वर्षा है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रोत्र प्राप्ति अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब राया या
प्रतिफल, विभिन्नित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(ग) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तर्वास का वायिक में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रोत्र/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को
जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या प्रत्यन्त-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जामा आहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अन्तर्जन, विभिन्नित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री लालजीभाई जीवनभाई लाखानी तथा अन्य गांव—
“गोसा” जिला पोरबंदर (अन्तरक)
2. श्री पाताभाई, रामभाई गांव गराज, जिला पोरबंदर (अन्तरिती)

को यह सूचना मारे हएके तृदीश प्रधिनि के अंतर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त वस्तुति के बारे हमन्वय में छोटी प्राप्ति:—

- (ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसकापार्वी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के प्रीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी प्रथा अविक्त द्वारा, प्रबोद्धताकारी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इन्हें प्रयुक्त वस्तुओं प्रोत्र वर्णों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में वरिधारित है,
वही प्रथा होता, जो उस अवधाय में दिया गया है।

मनुष्यत्री

400 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली जमीन जिसका सीटी सर्वे०
बांड नं० 3 सर्वे० मं० 2904 जो कमला नहरु पार्क पोरबंदर में
स्थित है तथा जिकी दस्तावेज नं० 2523/9-7-79 से
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पोरबंदर द्वारा रजिस्टर्ड हुआ है, याने
उसमें जैसे प्राप्ति का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राविकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अंतर्जन रेंज-I प्रहमदाबाद

दिनांक: 12-3-1980

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1980

नं० ए०सी०क्य०-23-I-2523 (980)/11-4/79-80-

अतः मूझे, एस० एन० मार्डल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सीटी सर्वे वाडं नं० 3, सर्वे नं०
2904 पैकी है तथा जो कमला नेहरू पार्क पोरबंदर में स्थित
है (और इसे उपायकर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पोरबंदर में रजि-
स्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मूजे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्तप्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्ह भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः :—

1. श्री लालजीभाई जीवनभाई लखानी गांव—'गोसा'
जिला—पोरबंदर (अन्तरक)

2. श्री सेकाभाई रामभाई अंतोलीया गांव—गरेज जिला-
पोरबंदर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वौहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

443 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली जमीन पैकी सीटी सर्वे नं०
3, सर्वे नं० 2904 को कमला नेहरू पार्क पोरबंदर में स्थित
है तथा विकी दस्तावेज नं० 2534/9-7-79 से रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी पोरबंदर द्वारा रजिस्टर्ड हुआ है याने उसमें जैसे
प्राप्ती का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मार्डल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I अहमदाबाद।

तारीख : 12-3-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई ० टी० एन० एस०——

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को बारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 12 मार्च 1980

निदेश सं० ए० क्य०-23-I-2523(981)/11; 4/79-80-

अतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को बारा 269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सिटी सर्वे बाईं नं० 3, सर्वे नं० 2904 पैकी है तथा जो कमला नेहरू पार्क, पोरबंदर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पोरबंदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का मनदृढ़ प्रतिपादन प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिफल के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिवित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से ही किसी आप की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्राप्तिरक्त के वायिक में जमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आप या किसी वन या अन्य शास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छन्दक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उक्साने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की बारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की बारा 269-प की उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

12-6GI/80

1. श्री लालजामाई जीवणमाई लालाणी तथा अन्य, गांव गोसा, जिला पोरबंदर।

(अन्तरक)

2. श्री कानामाई राममाई गरेजा, गांव गरेज, जिला पोरबंदर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त समाप्ति के अंतर्गत सम्बन्ध में कोई भी आप्रेप:—

(र) इस सूचना के राजवन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरन्धी अवित्यों पर सूचना ली जानी ते 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में उपापत्ति होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में किसी अवित्य द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजवन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहु किसी अन्य अवित्य द्वारा प्रधोहस्ताकारी के तात्पर लिखित में छिप जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता है उच्च प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

464 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली जमीन पैकी, सेत्री सर्वे बाईं 3 सर्वे नं० 2904 जो कमला नेहरू पार्क, पोरबंदर में स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज नं० 2533/9-7-79 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पोरबंदर द्वारा रजिस्टर्ड हुआ है यानि उसमें प्राप्ती का जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मांडल

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

तारीख : 12-3-1980

मोहर:

प्रकृष्ट भाई० दी० इन० एस०—

मायद अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-व (1) के प्रभीन सूचना:

भारत सरकार

साधारण, प्र०प्र०क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1980

सं० ए० सी० [क्य०/23-I-2555(982)5]—1/
79-80—घ्रतः मुझे, एस० एन० मांडल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो भारा
269-व के प्रभीन संसद प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 21-ए है तथा जो सत्यनारायण रोड,
भावनगर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के प्रभीन 7-7-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यहाँपूर्वक सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरस्ते) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीर्घ ऐसे
अन्तरण के लिए तथा नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से
उक्त प्रतिफल लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया जाता
है।—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राव जो आजत उक्त अधि-
नियम के प्रभीन कर देने के प्राप्तरक के वायित्व में कही
हरने या उससे बचने में भूमिका के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपावे में भूमिका
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उप-आया (1)
अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अवृत्तः—

1. श्री चन्द्रकान्ता कान्तीलाल रावल श्री कान्तीलाल
भाईशंकर रावल श्री उमाकान्त भाईशंकर रावल सत्यनारायण
रोड, प्लाट नं० 24, भावनगर। (प्रत्तरक)

2. 1. अरुणावेन उनस्यामभाई पारीख, (2) उमर्सावेन
कनेयालाल पारीख, (3) ज्योतिवेन दीपिनचन्द्र पारीख त्रिवेकलाल
सवाईलाल परीख के मारकत हवेलीवाली शेरी, भागातलाय,
भावनगर (प्रत्तरिती)

को यह सूचना आयी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अवधि में कार्य नी शाश्वेतः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अस्तियों पर सूचना
जी तामोश से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः अस्तियों
में ने कियी अस्तियाँ द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंगलि में
द्वितीय किसी अस्तियाँ द्वारा, अषोड्यानात्मकी
जै वास निवित में नहीं जा नक्कोगे।

स्वाक्षरण :—इस अनुकूल पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभावित है, वही अवृत्त होगा, जो उक्त
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन खुला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 975 वर्ग मीटर है
जिसका प्लाट नं० 21 है जो सत्यनारायण रोड भावनगर में
स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 1308 दिनांक 9-7-79 से
रजिस्टर्ड विकी दस्तावेज में ऐसे पूर्ण वर्णन दिया गया
है।

एस० एन० मांडल

सक्रम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 12-3-1980।

मोहर :

प्रकृष्ट आई० ली० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ग (1) ६ अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-II/
7-79/2689—अतः मुझे, प्रार० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परन्तु 'उक्त अधिनियम' तहा गया है), की धारा 269-ग के
अधीन सक्षम शास्त्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
वाचक संपत्ति, त्रिवित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० 32 रोड नं० 42 है तथा जो पंजाबी बाग
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जुलाई 1979 को

पूर्वीत संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए विषय पाया गया
प्रतिफल, तिम्बलियित उद्देश से उक्त प्रस्तरण निवित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए;
लोट/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी घन या अभ्य आस्तियों
का जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक
अस्तरोंहारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिरते में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन
तिम्बलियित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्री इकबाल सिंह मोंगा (2) श्री त्रिलोक सिंह मोंगा
और श्री अतर सिंह मोंगा पुत्र श्री करतार सिंह मोंगा निवासी
32/42 पंजाबी बाग नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री हरी ओम प्रकाश भला (2) सुभाष भला (3) प्रशोक
भला (4) अजयवीर भला पुत्र श्री दीबान चंद भला 3489
आर्यपुरा सब्जी मंडी दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया हस्ता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तेप:—

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी अविक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वान्त अविक्षियों
में से किसी अविक्षित हारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अभ्य अविक्षित हारा, प्रयोगस्ताकारी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वह अर्थ होगा, जो उस अध्याय के दिया
गया है।

प्रभुसरदी

प्लाट नं० 32 और रोड नं० 42, जिसका क्षेत्रफल
1140.49 वर्ग गज पंजाबी बाग इलाके का ग्राम मादी पुर दिल्ली
राज्य दिल्ली में है।

प्रार० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-, दिल्ली,

दिनांक : 10-3-1980

मोहर :

प्रख्य माई० टी० एन० एस०—

वर्षहर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को धारा

269-३(1) के बारे में सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-II/
7-79/2696—प्रतः मुझे प्रार० बी० एल० अग्रवाल
प्रायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-३
के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, पहुँच विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या 23 रोड नं० 41 है तथा जो पंजाबी
बाग विल्ली में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि प्रायांवौक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा यामा यामा प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
लिखित म शास्त्रिक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देते के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, जिसमें
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-३ के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-३ की संधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अचान्दः।—

1. श्री सूरज सिंह पुत्र श्री एस० आई० गुरमूख सिंह
निवासी 23/41 पंजाबी बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री सरदार तरलोचन सिंह पुत्र सेठ केशो राम
प्राप्त 1/2 दिस्ता हरविन्द्र सिंह प्राप्त 1/4 दिस्ता और
भूपिंद्र पाल सिंह प्राप्त 1/4 दिस्ता पुत्र श्री तरलोचन सिंह
4/57 पंजाबी बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के
लिए कायंवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंग के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अविक्षयों पर
मूच्छना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि शब्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस पूच्छना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकें।

इस्टटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के मध्याय 20-क में परिमापित
हैं, वही अर्थ होगा जो उन मध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान का प्लाट नं० 23 और रोड नं० 41 कलाश-
ए, जिस का क्षेत्रफल 2209.26 वर्ग गज जो पंजाबी बाग
इलाके का ग्राम मावीपुर विल्ली राज्य विल्ली में है।

प्रार० बी० एस० अग्रवाल
सकाम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज, दिल्ली

तारीख 10-3-1980।
मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०—

सहायक आयोग, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयोकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/- /7—79/6613—
अतः मुझे आर० बी० एल० अम्रवाल

आयोकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पावाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा
269-व के प्रधीन संज्ञा प्रधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
नामांक भूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसको संख्या 8/5 है तथा जो अलीपुर रोड सिविल
साईंस दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधान अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जुलाई, 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि वयानुवर्षीकृत सम्पत्ति का
उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के बनाह प्रतिस्त से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया यथा प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अवित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय को बाबत उक्त, अधि-
नियम के अधीन कर वेत के अन्तरक के दायित्व में
अभी छरने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीरथा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपाधान
(1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अस्ति :—

1. मैसर एल० एन० गडोडिया एण्ड सन्ड इंडस्ट्री
तेज पाल गडोडिया पुत्र श्री राम गोपाल गडोडिया निवासी
8/9 अलीपुर रोड दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्रीमति सत्यानारायण पुत्र श्री कामी राम और श्रीमति
तोफा देवी पत्नि श्री सत्यनारायण निवासी 3635 मोरी गेट
दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के मील पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी कार्यालय द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाटीकरण :—इसमें प्रयुक्त प्रबंदों श्रीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रयोग 20-क में परिवारित है,
वही प्रत्येक द्वारा अप्रवाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान नं० 8/5 अली पुर रोड सिविल
लाइन्स दिल्ली में स्थित है। जिसकी भूमि 131.96 वर्ग
मीटर है।

आर० बी० एल० अम्रवाल
संकाम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II नई दिल्ली

तारीख 10-3-1980।

मोहर :

प्रमुख आई० बी० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

संवादीय, तदायक प्रायोगिक प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 10 मार्च 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/7-79/6666—

अतः मुझे भारा० बी० एस० अधिकारी
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।
और जिसकी संख्या ५-४३ है तथा जो राजीरी गार्डन नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायम् अनुसूची में पू
रुष से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कर्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधि-
नियम के अधीन वार देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ
यन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तः:—

1. कृष्णलाल (2) श्री सुभाष चन्द्र (3) श्री अविनाश
चन्द्र (4) श्री देश दीपक (5) श्री मुकेश और (6) श्री
गुलशन राय पुत्र स्वर्गीय श्री मदन लाल रहन ए-५३ राजीरी
गार्डन, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. श्री गेलशन औबराय और श्री मनमोहन औबराय
पुत्र श्री मानक चंद्र बी-३/१४ राजीरी गार्डन नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मणिला मकान जो प्लाट नं० ए-४३ राजीरी
गार्डन में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 378 वर्ग गज है।

भारा० बी० एस० अधिकारी
सक्षम अधिकारी
सदायक प्रायकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II दिल्ली;

तारीख 10-३-1980 ।
मोहर ।

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रतीत सूचना

भारत सरकार

जर्जन, मंशावक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज II नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/एस० आर०-II/
7-79/2706—अतः मूँझे आर बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रतीत सक्षम प्राविलारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० I है तथा जो नार्थ वेस्ट एवेन्यू रोड पंजाबी
बाग दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जुलाई 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तत्त्वावधारा गांव प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित वै वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; प्रौद्योगिकी

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति रोहिनी श्रीबराय धर्मपति लैफ्टीनेंट कर्वल
धन राज श्रीबराय लड़की स्वर्गीय लैफ्टीनेंट कर्वल निवाल
दास पुरी निवासी 1 वेस्ट नार्थ एवेन्यू रोड पंजाबी बाग दिल्ली
हरसेलक और अटोरनी उस के भाई श्री द्वारा पुरी श्री
अविनाश चन्द्र पुरी,

(मन्त्रिक)

2. श्री राम सरष, (2) श्री घोम प्रकाश पुरा श्री
हीरा नन्द (3) वेद व्यास और महिद पाल पुरा श्री राम
सरष ई-3/65 जनक पुरी, नई दिल्ली (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1, नार्थ वेस्ट एवेन्यू रोड, पंजाबी बाग गांव के
इसके मादीपुर दिल्ली स्टेट में स्थित है। जिसका भेत्रफल
2545 वर्ग फूट है।

मार० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्रधिकारी

सहायता आयकर आयेक्ता (निरीक्षण)

घर्जन रेंज II, दिल्ली

तारीख : 10-3-1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II नई दिल्ली
 नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्स०/II/एस० आर० II/
 7-79/2740—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
 के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 18, रोड नं० 26 है तथा जो पंजाबी बाग
 दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में पूर्व
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय दिल्ली
 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
 गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
 कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 औरया

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ब के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
 अन्तरिती निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः—

1. श्री रामभज बबा, पुत्र श्री तारा चन्द बबा निवासी
 6/14, ईस्ट पंजाबी बाग दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री सुरेश कुकरेजा (2) श्री अनिल कुकरेजा पुत्र
 श्री छा० के० कुकरेजा निवासी 18/26 ईस्ट पंजाबी बाग
 दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितशब्द
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
 प्रयुक्त होगा जो उक्त प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का प्लाट नं० 18 और रोड नं० 27 जिसका कोन-फल 555.33 वर्ग गज जो पंजाबी बाग (ईस्ट) इलाके का ग्राम
 शकुरपुर दिल्ली में है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
 सकाम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज II दिल्ली,

तारीख: 10-3-1980।

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०----
प्रधानकर प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) से प्रधीन सूचना

भारत वरकार

हायांग, महाराज प्राप्तकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर० II/
7---79/2742—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयांकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अन्तर्गत 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, त्रियका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से
अधिक है।

और जिसकी मं० 2, रोड नं० 80 है तथा जो पंजाबी
बाग दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जुलाई, 1979।
को पूर्वोक्त सम्भाल के उचित शाब्दार मूल्य से रुप के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मझे यह विश्वास हमने
का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्बहु प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती
(अन्तरेतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिकरण, निम्नलिखित उद्देश्य से उस अन्तरण लिखित में
शास्त्रिक रूप से किया नहीं छिपा गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवश्यतः—

13—6GI/80

1. श्री रामसिंह, पुत्र श्री दिवान चन्द निवासी 2/880
पंजाबी बाग दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्रीमति बिमला चावला, धर्मपत्नि एस० एल० चावला
निवासी-5/19 पंजाबी बाग दिल्ली और श्री प्रेम चावला पुत्र
श्री एस० एल० चावला, निवास 2/80 पंजाबी बाग दिल्ली
(अन्तरक्ती)

को यह सूचना जागे करके पूर्वोक्त सम्भाल के अर्जन के
लिए रारंगाड़िया रहना है।

उक्त सम्भाल के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सर्वांगी व्यक्तियों पर सूचना की
तापील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद का एलाट नं० 2 और रोड नं० 80 जिसका
धेनकर 1190 वर्ग गज जो पंजाबी बाग इलाके का ग्राम
बसई धागपुर दिल्ली में है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II नई दिल्ली

तारीख 10-3-1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/IJ/एस० आर० II/
7—79/2692—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में
अधिक है।

और जिसकी सं० 4 रोड नं० 57 है तथा जो पंजाबी बाग
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जुलाई, 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अत, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्: —

1. श्री तिलोवत मिह, पुत्र श्री किशोराम निवासी 4/57,
पंजाबी बाग, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्रीमति मनजीत कौर धर्म पत्नि श्री दर्शन मिह ढाल
श्री सुरिन्द्र बीर मिह ढाल, 10/57 पंजाबी बाग दिल्ली
(अन्तरित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यशाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरमुच्चान्धी व्यक्तियों पर सूचना
की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में नमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1-1/2 स्टोरी मकान जिसका प्लाट नं० 4 और रोड
नं० 57 जिसका भेटफल 563.89 वर्ग गज पंजाबी बाग
इलाके का ग्रोम मारीपुर दिल्ली राज्य दिल्ली में है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II नई दिल्ली

तारीख 10-3-1980।

मोहर :

प्रूल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई विल्ली-110002, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-I/7-79/

5558—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या XI/2848 है तथा जो गली वशिष्ठान
दरयागंज दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा/पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तररक्त (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, प्रबंध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः:—

1. श्रीमति राज रानी चौपड़ा पति स्वर्गीय राम देव
चौपड़ा निवासी डी-74 विकेन्द्र दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमति सरला सहगल पति श्री नरोत्तम लाल सहगल
निवासी 2130 कुचा दखनी राय दरयागंज दिल्ली और
श्रीमति आशा कपूर पति श्री यश पाल कपूर 930 कुचा
काबूल-अन्तर चांदनी चौक दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
मर्यादा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फी होल्ड परोपरटी नं. XI-2848 गली वशिष्ठान
दरयागंज विल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई विल्ली

तारीख : 15-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एल० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/प्र० आर०-J/
7-79/5616—प्रतः मझे आर० बी० एल० अश्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या डी-6/18 है तथा जो राणा प्रताप बाग
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन जुलाई, 1979।

झोपुर्वेक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तरागता गता प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्निति में वास्तुविह रूप से लिया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अर्थ आस्तियों
को किन्हें मार्तोर प्राप्त-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्युत्तरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :—

1. श्री हर प्रसाद गुप्ता पुत्र श्री शिव सहाय, राम अव-
तार, रामकिशन, राज बहादुर और रमेश चन्द्र पुत्र श्री हर
प्रसाद गुप्ता निवासी डी-6/18 राणा प्रताप बाग सज्जी मन्डी
दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री सुनील कुमार पुत्र श्री कृष्णलाल मनचन्दा
निवासी मकान नं० 8935, नया मौहल्ला दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(न) इस सूचना के राजनीति में प्रतापगढ़ को तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वमन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से हिसो व्यक्ति द्वारा ;

(ब) इस सूचना के राजनीति में प्रतापगढ़ को तारीख से
45 दिन के भीतर उस स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
हितों प्रत्यन वक्ता द्वारा, प्रयोहस्ताकरी के पास
प्रिंटर में हित द्वारा होने।

साध्योहरण :—इत्तें प्रयुक्त शब्दों और वर्तों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधारण 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रयोग होगा, जो उस अधारण में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० डी-6/18 जो राणा प्रताप बाग
के पास सज्जी मन्डी दिल्ली में है।

आर० बी० एल० अश्रवाल
सकम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II नई दिल्ली।

तारीख : 15-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एल० एम० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं आई० ए० सी०/पश्य०/ /एम० आर०- 7-
79/5562—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वाप करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, निराम उचित नामार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी संख्या 2865 वाड नं० IX बुलबुली खाना
सीता राम बाजार दिल्ली में स्थित है (प्रांत इससे उपावद्ध
अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) अधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वाप
करने का कारण है कि वथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्ह भारतीय प्रावहर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम/या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तीजुराम, पुत्र श्री के० शीर गोप० मृ. निवासी-
2865 बुलबुली खान बाजार सीता राम दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री नाशिर अहमद पुत्र श्री अकबर निवासी-1451,
गली मनजिद मैद रक्ष बाजार चित्तनी कुंवार दिल्ली
(अन्तरिती)

ला रहे तुमना जारी करने पूर्वीन ममति के अर्जन के
निए लार्याहिंग करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के नम्बर पे सौई भी प्राप्त है :—

(क) इस युवता के रातरत में प्रहार की तारीख से
45 दिन की प्रवृत्ति तथा नवमयत्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी
प्रवृत्ति बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीन
व्यक्तियों में वे हिसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
हिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताभारी के पास
लिखित में किए जा याएँगे।

हाइड्रोहरण :—इसमें युवा गवर्नर रखों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सकान नं० 2865 वाड नं० IX बुलबुली खाना
बाजार सीता राम दिल्ली में है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II नई दिल्ली

तारीख 15-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 15 मार्च, 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-II/
7-79/2700—प्रतः मुझे आरबी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए
से अधिक है

और जिसकी संख्या 91 ब्लाक जै-8 तथा जो राजौरी गार्डन
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रस्तीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन जुलाई, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व
में करी करने या उसके बचते में सुविधा के लिए;
श्रीरथा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रोजेक्टार्ड
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
जैसे उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन;
निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात्:—

1. उरमीला चडा पत्नि श्री हंद्रजीत चडा निवासी 527
भट्टन एवेन्यू वैस्ट ग्रीन कोर्ट मिडल सैक्स यूनाइटेड किंडम
शरू हर अटौरनी श्री बुरेश चन्द्र गुर्जर पुत्र श्री सीता राम
फरोक्सर और हैड आफ इलेक्ट्रिक डिपार्टमेंट एग्रीकलचर
यूनिवर्सिटी पस्त नगर यू.पी. ।
(अन्तरक)

2. श्री एन० सी० सोनी पुत्र श्री टी० एल० सोनी
जे-46 कोति नगर नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि जो भी वधि बाद में
समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में
से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद
किसी अन्य वर्किन द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्वाक्षरीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के प्रधायाय 20 के परिभाषित हैं वहीं
अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है ।

अनुसूची

फी होल्ड प्लाट आफ लैंड प्लाट नं० 91 ब्लाक जै-8
राजौरी गार्डन में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 160 वर्ग गज
है ।

आर०बी० एल० अग्रवाल

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II नई दिल्ली

तारीख: 15-3-1980

मोहर:

प्रत्येक प्राईंटी० टी० एन०एस०

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 मार्च 1980

निवेदण सं० आई० ए० भी०/एस०/II /एस० आर०-II
7-79/2709—अतः मुझे, आर० बी० ए० एस० श्रमवाल
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति जिप्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० संख्या जे-5/85 है तथा जो रजोरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संगति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरीय (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्र में वास्तविक रूप से उचित नहीं निया गया है:—

(न) अन्तरण से दुई निम्नी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब)ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रवृत्ति, निम्नतिवित व्यक्तियों, प्रवृत्ति:—

1. श्री हरइकबाल सिंह बाली पुत्र श्री धर्मसिंह निवासी-जे-5/85 रजोरी गार्डन नई दिल्ली (अन्तर्गत)
2. श्री गुहादीप मिह पुत्र श्री कर्मसिंह निवासी इ-1/13 कृष्ण नगर दिल्ली (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तकनीकी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भी अपूर्वक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजला मकान नं० जे-०-५/८५, जिसका क्षेत्रफल 160 वर्ग गज रजोरी गार्डन इलाके के ग्राम ततारपुर दिल्ली राज्य दिल्ली में है।

आर० बी० ए० श्रमवाल
मध्यम प्राधिकारी

सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II दिल्ली नई जिल्ली-110002

तारीख: 15-३-१९८०

मोहर:

प्रह्ला आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-I/
7-79/5581—अतः मुझे आर० बी० ए८० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थायी रूप संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या के-5/5 है तथा जो माडल टाऊन दिल्ली में स्थित है (और इसमें उत्तराखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रेजस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि वासापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्दिष्ट उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियिक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आक्षियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के] प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री लक्ष्मण स्वरूप पुत्र श्री नाथ मिह के-5/5 माडल टाऊन, दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री रघुनाथ प्रमाद जैन और श्री अभिनन्दन कुमार जैन पुत्र श्री गोविन्द राम जैन निवासी A-61 इंडस्ट्रियल प्रैरिया जी० टी० कर्नाल रोड, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों द्वारा युल करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोद्धारणी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षोहरण:—इसमें सूचना गव्हर्नर और दों हाँ, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होंगा, जो उक्त प्रधान में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जिम्बा नं० के-5/5 माडल टाऊन में स्थित है।

आर० बी० ए८० अग्रवाल
मकान अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002
तारीख 20-3-1980
मोहरः

प्रका प्राइवेट एनोटेशन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II एम० आर०-1
7-79/5599—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है और

जिसकी सं० 777 वार्ड नं० I है तथा जो निकलसन रोड, कण्ठमीरी गेट दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाखड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979 को पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में रखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बदने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगतार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तयों अवृत्त :—

14—6GI/80

1. श्रीमति राजेश्वरी गंगा श्री अनंतर खान और श्री अनंतर खान पुत्र श्री मेहवूब खान निवासी नं० 6 सीरी राम रोड दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्रीमति हरदीत कौर पति श्री नारायण सिंह झीर श्री धर्मवीर मिह पुत्र श्री नारायण मिह निवासी सी-125, मेट्रो कैलाण, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मात्थी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त प्रावृद्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलान नं० 777 वार्ड नं० 1 निकलसन रोड कण्ठमीरी गेट में स्थित है।

ग्राम बी० एल० अग्रवाल
मक्षम अधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002
तारीख : 20-3-1980
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली,

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मार्च 1980

निर्देश मं० आई० ए० सी० /एक्य०/JJ/एस० आर०-1/7-
79/5510—अतः मुझे आर०बी०ए८० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या जी-13 है तथा जो बाली नगर दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपांग अनुसूची में पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन जुलाई, 1979 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
के अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिनने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

1. श्री श्रीम प्रकाश तनेजा पुत्र श्री शोला राम तनेजा
निवासी 4/37 उम्बू० ई० ए० करोल बाग नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री हरवंश लाल धुपर पुत्र श्री ज्ञान चन्द धुपर
निवासी टी-474 हस्ता किंदारा नजदीक वाटर टैक दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० जी-13, बाली नगर गांव के बलाके बसई बादा
पुर, दिल्ली, राज्य दिल्ली में स्थित है।

आर०बी०ए८० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II दिल्ली,

तारीख : 20-3-198
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II

4/14 क, आसफ़जली मार्ग, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मार्च 1980

निवेश भं० आई० ए० सी०/एक्य० II/एस० आर० I/
7-79/5585—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थानीर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।
और जिसकी मंख्या ऐ-3, 45 है तथा जो माल रोड दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन जुलाई, 1979।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे शूदूयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्तयों अधीतः—

1. मैसर्स रेनटाइरज एंड कॉर्नेशर्ज प्राइवेट लिमिटेड
10-हेली रोड, नई दिल्ली (अन्तरक)
2. श्रीमती पुष्पा सिंगल पत्नि श्री जी० एन० सिंगल
निवासी ए-191 छिंकेस कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम (1 के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ऐ-3,45 माल रोड दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली,
नई दिल्ली-110002

तारीख : 20-3-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II 4/14 क, आसफाबाली मार्ग, नई दिल्ली-110002
 नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मार्च 1980

निवेदण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० आर०-I
 7-79/5561—अन्तः, भूमि, आर० बी० एल० अग्रवाल
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है
 और जिसकी मंजुआ प्लॉट नं० 6 म्यूनिसिपल नं० 67/4 है तथा जो
 मद्रास हाउस, दरयागंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें
 उपावद्ध अनुपूर्वी में और पूर्ण रूप में बणित है) रजिस्ट्रीकरण
 अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करते
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करते या उसमें बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भगवान दास टंडन, 18/273, न्यू मोती नगर,
 करमपुरा, नई दिल्ली।
 (अन्तरक)
2. श्री कृष्ण गोपाल कपूर, बिल्डिंग कपूर गली नं० 4, राज-
 गढ़, दिल्ली।
 (अन्तरिती)
 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तपश्चात्प्रवृत्ति व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

सार्वीकरण:—इसमें पृष्ठा शब्दों और पर्व का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

बन्नुसूची

फ्लैट नं० 6, बिल्डिंग मद्रास हाऊस के नाम से जानी जाती
 है, जिस का म्यूनिसिपल नं० 67/4, दरयागंज में स्थित है।

प्रार० बी० एल० अग्रवाल
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-II विल्ली,
 नई दिल्ली-110002

तारीख: 20-3-1980

मोहर:

प्रालय आई० टी०एन० एस०——

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) का

धारा २६९-ग (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक १५ जनवरी १९८०

निदेश सं० १३३-ग/हापुड़/७९-८०—अतः, मूँगे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० २१३ दुकान है तथा जो मो० खिड़की बाजार, हापुड़ में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय हापुड़ में, राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन तारीख २१-११-१९७९ को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परन्तु प्रतिशा प्राधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पांच गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से इसकी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में हमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या दिसो धन या अन्य ग्राहकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग की उपशारा (१) के अधीन, निम्नलिखित अधिकतयों, अधिति:—

१. श्री सत्य प्रकाश पुढ़ स्व० श्री प्यारेलाल, निवासी राधी भवन चन्डीगढ़, हापुड़, जिला गाजियाबाद स्वयं व मुख्यत्वार आमंभिन जानिव श्री रतन प्रकाश व श्री आनन्द प्रकाश व श्री वेद प्रकाश पुढ़गण श्री स्व० प्यारेलाल, न० राधाभवन, चन्डी रोड, हापुड़, जिं० गाजियाबाद। (अन्तरक)

२. श्री राजेन्द्र कुमार पुढ़ श्री जगदीश प्रसाद न० मौ० बुर्ज, कस्बा हापुड़, जिला गाजियाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्त्वांगी अधिकतयों पर सूचना की नामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में उपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकतयों में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रथम अधिकत द्वारा, प्रयोद्धवाक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्ती हरण :—इसमें प्रमुख गांडों प्राप्ती वाले का, जो उक्त अधिनियम के प्रधानाय २०-क में परिभाषित हैं, वही आर्ह होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान पक्की पर्यावरण मुहानी नाम में करीब १९ वर्ग गज न० २१३ म जीना न० २१४ स्थित मौ० खिड़की बाजार, हापुड़, जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : १५-१-१९८०

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

ग्रामकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जनवरी 1980

निदेश नं० 330-ए/पी० एन०/हापुड़/79-80—ग्रतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर समति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० 212 दुकान है तथा जो मौ० खिड़की बाजार
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 21-11-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल
के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हे मार्तीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावें
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अवित्तियों, अपर्याप्त :—

1. श्री सर्य प्रकाश पुत्र स्व० श्री प्यारे लाल निवासी
राधा भवन चन्डीरोड हापुड़ जिला गाजियाबाद स्वयं व
मुख्यार आम मिन जानिव श्री रतन प्रकाश व श्री आनन्द
प्रकाश व श्री देव प्रकाश पुत्रगण श्री स्व० प्यारे लाल निवासी राधा
भवन चन्डी रोड हापुड़ जिला गाजियाबाद (अन्तरक)

2. श्री अनिल कुमार पुत्र श्री जगदीश प्रसाद निवासी
मौ० बुर्ज कस्बा हापुड़ जिला गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त समति के अर्जन के मध्यन्ध में कोई भी ग्राम्यप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में
में किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर समति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान पक्की दुखनी पश्चिम मुहानी नाप में करीब
16 वर्ग गज नं० 212 स्थित मौ० खिड़की बाजार कस्बा
हापुड़ जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
मक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कानपुर।

तारीख : 15-1-1980

मोहर :

प्रकाश प्राइंटर्स एनो एस-

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज कानपुर

कानपुर दिनांक 28 जनवरी 1980

निदेश सं० 1246-ए/कानपुर/79-80—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके प्रत्यापत्ति 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269वां के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति द्विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० ए अधिक है।

और जिसकी सं० 7/109 ए है तथा जो स्वरूप नगर कान-
पुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कान-
पुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 15-10-1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि वयापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यह
प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरको) और प्रन्तरिती
(प्रन्तरितिं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः एवं, उक्त अधिनियम को भारा 269वां के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम को भारा 269वां की उपधारा
(1) द्वारा निम्नलिखित अधिकार्यों, अर्थात्:—

1. श्री जेम्स राष्ट्र नील पुत्र स्व० श्री एम० जी० नील
निवासी 7/109 ए स्वरूप नगर कानपुर (अन्तरित)

2. श्रीमति शशी ग्रोवराय पांडिं श्री जगभोवत ग्रोवराय
निवासी 7/202 ए स्वरूप नगर कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रज्ञम के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रदूषित बाद
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकें।

संपर्करण.—इसमें व्युक्त धर्वों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुक्तवी

एक किता मकान नम्बर 7/109 ए स्वरूप नगर कानपुर जिसका
क्षेत्रफल 425 वर्ग गज है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 28-1-1980
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) की अधीन प्रवता

भारत सरकार

कार्यालय भाष्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जनवरी 1980

निवेश सं० 10001—ए/पी एन०/बागपत/79-80—

अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानर सम्पत्ति निवास उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 552 व 620 है तथा जो ग्राम खिन्दौड़ा
में स्थित है (और इससे उपांडठ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ने अधिकारी के कार्यालय बागपत में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 27-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृष्ट ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कैफियत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री नर्म चिह्न पुरा श्री हरीशम निवासी, खिन्दौड़ा
पर० तह० बागपत जिला मेरठ (अन्तरक)
2. श्री कृष्णलाल चिह्न पुरा श्री श्रीमान्ति
मुख्यमंत्री पैतौन कृष्णपाल चिह्न निवासी खिन्दौड़ा पर० तह०
बागपत, जिला मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में मे किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि ग्राम खिन्दौड़ा पर० व तह० बागपत जिला
मेरठ में स्थित है जिसका नम्बर 552/532+110 व 620/1
713+9 है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 4-1-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधान सूचना

भारत सरकार
सार्वजनिक उद्योग और आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर दिनांक 4 जनवरी, 1980

निवेश सं० 1002-ए/पी० एन०/बागपत/79—80—
अत मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ
के प्रधान यथा प्राधिकारी द्वारा, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थापत्य उत्तराधिकारी जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी घटा० 532 तथा जय ग्राम खिंडी में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बागपत में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (190 T 16) के अधीन तारीख 27-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के वृथमान
प्रतिफल के त्रिपथीयता की गई है और इसे उक्त अनुसूची का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृथमान प्रतिफल से, ऐसे वृथमान प्रतिथल के पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई हिसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम * अधीन कर देने के अन्तरक के
व्याप्ति में कमी करने या उक्त इकाई में सुविधा
के लिए इसे

(ख) ऐसी किसी आय या नियोधन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
व्यापक अधिनियम, 1957 (1957 का 57) के
प्रयोग ये अन्तरिती दीज़ी रक़़ नहीं हिसा दी था
कि इन जाली वाई था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः, ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, प्रवर्त्त :—

15—6GI/80

1. श्री चरण सिंह पुत्र श्री हरीराम निवासी खिंडीड़ा
परा० वा० तहा० बागपत जिला मेरठ (अन्तरक)

2. श्री नवीन कुमार, नीरज कुमार पुत्र कृष्णपाल व
विलायत ओंकार सिंह बाबा खुद निवासी खिंडीड़ा व श्रीमति
सरिता पत्नि हरीश निवासी नांगला कबीर तहा० जिला
मुजफ्फरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमेषः—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरम्भन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममापत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास
विवित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में
दिया दुआ है।

अनुसूची

कृषि भूमि नम्बर 532/1011) 1+1 स्थित ग्राम खिंडीड़ा
परगना व तहा० बागपत जिला मेरठ में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
संधार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-1-1980।

मोहर :

प्रकृष्ट बाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजम रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 15 फरवरी, 1980

निवेश सं० 1395-ए/मेरठ/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उक्त उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 223 है तथा जो वेस्ट एण्ड रोड मेरठ कैन्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (पन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर्त्ता निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्त्तव्य नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के पन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य स्वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन 'निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० के० पुरी पुत्र स्व० मुलखराज व श्रीमति उमापुरी पत्नि स्व० सी० के० पुरी श्रीमति प्रेमलता पत्नि स्व० एच० के० पुरी श्रीमति अंचला सेठी पत्नि श्री एच० आर० सेठी निंगण 223 वेस्ट एण्ड रोड, मेरठ कैन्ट (अन्तरक)

2. श्रीमति कुसुमलता पत्नि तारा चन्द शास्त्री व श्री फतेहचन्द्र पुत्र श्री घनश्याम दास व श्री तारा चन्द्र पुत्र गोवदेन सिंह व श्री राजेन्द्र प्रसाद पुत्र नकली राम मदन लाल व श्री प्रबीन पुत्र श्री फतेहचन्द्र निवासी वेस्ट एण्ड रोड, मेरठ कैन्ट (अन्तरिती)

कोयल सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में यमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय के 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पूर्ण बंगला नम्बर 223 वेस्ट एण्ड रोड मेरठ कैन्ट में है तथा जिसका क्षेत्रफल 4003.13 वर्ग मीटर है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 15-2-1980।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 फरवरी 1980

निवेश सं० 892-ए/रुड़की-79—80—अतः मुझे भी०
सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो अम्बरतालाब पूर्वी में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रुड़की में,
रजिस्ट्रीकरण आंदोलन, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 20-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूर्घमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे
दूर्घमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः आज, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1)
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जतः—

1. श्री राजाराम पुत्र श्री भगतराम निवासी 28 हरी-
भवन सो० सौत कस्बा रुड़की परगना व तह० रुड़की जिला
सहारनपुर (अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्रपाल पुत्र श्री मदन मोहन गुप्ता निवासी
कस्बा पुरकाजी डा० खास जिला मुजफ्फरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधायाय 20 के परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुद्धवी

एक किता प्लाट जिसकी नाप पूरब व पश्चिम की ओर
60, 60 फुट उत्तर व दक्षिण की ओर 75, 75 फुट जिसका
क्षेत्रफल 4500 वर्ग फुट है स्थित अम्बरतालाब पूर्वी लोकिल
लैण्ड रुड़की जिला सहारनपुर जिसका नगर पालिका का
नम्बर एक है।

बी सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-2-1980
मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-घ (1) के प्रश्नोंन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 फरवरी 1980

निवेश सं० 532-ए/देहरादून/79-89—ग्रतः मुझे, श्री० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-घ के अधीन सकाम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 363, 364, 369, 371, 372 है जो धर्मपुर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कद के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भव्यता की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मध्यिक है और अस्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रश्नोंन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बदलने में सुविज्ञा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या छिसी धन या भव्य आस्तियों को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविज्ञा के लिए;

ग्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की आरा 269-घ की उच्चारा (1) के प्रश्नोंन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मतः :—

1. श्री अमोलक राय ओबरायम रविन्द्र कुमार ओबराय
अठारानी अमरिल कुमार ओबराय, और अमरिल कुमार ओब-
राय 10, म्युनिसिपल रोड देहरादून (अन्तरक)

2. श्री जयानन्द जोशी पुत्र लद्वत जोशी 37/3 मेहरा-
रोड देहरादून (अन्तरिती)

मोर्त्तु देहरादून द्वारा आपको आपकी विवेदन के लिए
कार्यालयीय करता है।

इस सम्पर्क के प्रत्येक रुपांध में कोई भी भावें :—

(क) इस धूचना के राबूपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस धूचना के राबूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदाता किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, पश्चाद्वस्तावकरी के पाप निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्वर्णीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही वर्ण होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 363, 364, 369, 371, 372 कुल क्षेत्रफल दो बीघा दस विस्वा 7/1/2 विस्वन्ती ग्राम धर्मपुर तह व० जिला देहरादून में स्थित है।

श्री० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 14-2-1980 ।

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, वृद्धयन आरहर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 19 दिसंबर, 1979

निवेदा सं. 937-ए/बुलन्दशहर/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), ही धारा
269-व(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि व्यापर सम्पत्ति, वित्ती उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी वंछया है तथा जो सिविल लाइन्स
एरिया चांदपुर रोड बुलन्दशहर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
ग्रन्ति सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी
अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (108 का 16) के अधीन तारीख 3-9-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा धारा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या मर्यादास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः पर, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के
अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) की उपचारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवात् :—

1. श्रीमति शान्ति दंबी भटनागर निवासी ईटा रोड
बुलन्दशहर
(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार प्रदीप कुमार दिलीप कुमार
पुत्र श्री ओमेश्वर दयाल सिंघल एडब्लूकेट बुलन्दशहर
(अन्तरिती)

को यह सूचना बाते करना पूर्वान्तर मम्पति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय शुल्क रखा है।

उक्त मम्पति के अर्जन के मम्पन्न में कोई भी व्यापे।

(क) इम सूचा के यात्रेव में प्राप्त की जारी होने
45 दिन की प्रवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों न
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि चाल में समाप्त होती हो, के लिए पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इम सूचा के यात्रेव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उस व्यापर मम्पति में हितबद्ध
किसी अन्य अनेक द्वारा, घोषितात्मकी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

शुल्कीहरण—इसमें उत्तर गढ़ी और राँची का, जो उक्त
अधिनियम के अनुसार 20-क में परिभाषित
है, वही व्यय होगा जो उस प्रदाय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान पुराना पुखता स्थित मोहल्ला सिविल
लाइन एरिया कचहरी चांद पुर रोड बुलन्दशहर।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 19-12-1979

मोहर :

प्रकल्प प्राइंटी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेज कानपुर

कानपुर दिनांक 2 फरवरी, 1980

निरेण सं० 730ए/मेरठ/79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सहायक अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट 'ए' है तथा जो बाउन्डरी रोड मिविल लाइन्स में स्थित है (और इसके उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे असरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के लिए;

प्लाट नंबर 403 वर्ग गज बाउन्डरी रोड मिविल लाइन्स नं०८ में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
मक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)
अर्जेन्ट रेज, कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रत्यारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अवृत्ति :—

तारीख 2-2-1980।
मोहर:

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 जनवरी, 1980

निवेश सं० 694/अर्जन/कानपुर/79-80—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी
आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के
अधीन सक्षम प्रधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० 95/59 है तथा जो कानपुर, में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

14-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अःतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आप की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आपकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-य के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सौ० महमूद उमर जैदी सौ० मुहम्मद उर्बेस जैदी
य सौ० जायेद उमर जैदी ९५/४७ बेकनगंज कानपुर (अन्तरक)

2. श्रीमति अब्दुल जहां पत्नि मुहम्मद अमगर ९२/६२
पुरवा द्वीरामन कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक जायदाद नम्बर 95/59 बेकनगंज कानपुर में स्थित
है जिसका अंतर्फल 364.44 वर्ग गज है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्रधिकारी
महात्रक आपकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 14-1-1980।

मोहर :

प्रेस वाई. टी. ए. एस.—

ग्रामकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) को धारा
269-व (1) के प्रश्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 फरवरी 1980

निकेश मं. 801/अर्जन/मथुरा/79--80--अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'वक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अर्जन सक्षम अधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
में अधिक है।

और जिसकी मं. 50 कोठी 47 है तथा जो गोविन्द नगर
मथुरा में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय मथुरा
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 31-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझ यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रति रुप का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरी (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उत्तर से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से ऋण नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई इसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरीती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 265व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री बी० सी० गुप्ता पुत्र श्री वरन द्वारा निवासी दी
माल मिला
(ग्रन्तग्रक)

2. श्री लिल रम्जन कुमार शर्मा पुत्र श्री चन्द्रशेखर शर्मा
गोविन्द नगर मथुरा
(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक संबंध में कोई भी ग्रान्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
सनात हो जाए हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त उत्तर :—इसमें प्रयुक्त गढ़ों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभाषित
है, वही अर्थ दोगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक कोठी नम्बर 60 प्लाट नम्बरी 47 ए बाके गोविन्द
नगर मथुरा में स्थित है।

श्री० सी० चतुर्वेदी
मन्त्र प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 29-2-1980
मोहर:

प्रकाश पार्टी टॉ. एन० एम०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 फरवरी 1980

निदेश सं० 913/अर्जन/शिकोहाबाद/79-80—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उक्त के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- हरये में अधिक है

और जिसकी मूल्य मात्र 276 है तथा जो बाके गढ़ेया कस्बा
जिकोहाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीर्हर्ना अधिकारी के कार्यालय
शिकोहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 18-10-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उक्त के दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल को पञ्चह
प्रतिभत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरज के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरज से हुई किसी आय की वाक्त उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य वा अन्य आदिनियमों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए वा, छिराने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

16—GI/80

1. श्री रमेश चन्द्र जैन व श्री अशोक चन्द्र खुद व श्री
अशोक चन्द्र मुख्तार आम श्री मुमाष चन्द्र जैन पुत्रगण श्री
लाल मुरारी लाल जैन निवासी मन्डी श्रीगंज कस्बा शिकोहा-
बाद (अन्तरक)

2. श्रीमति भगवती देवी पालीबाल धर्म पति श्री राम-
गोपाल पालीबाल निवासी मुहल्ला गड़ेया कस्बा शिकोहा-
बाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हावड़ीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचायित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 276 बाके गढ़ेया कस्बा शिकोहा-
बाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ. (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 29 फरवरी, 1980

निवेश सं० 296/अर्जन भरथना/79-80—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,060/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मौजा प्रजा में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भरथना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 16-7-1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिक्रिया के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के
लिए तय पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण
लिखित मार्गदर्शक रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) प्रत्यक्षण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षक के दायित्व में कमी
करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, वै; उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवधितियों, अवृत्तः—

1. श्री हृदयनाथ पुत्र चिरोजी लाल पालीवाल निवासी
ग्राम प्रजहाल ग्राम पिरोडा खाम तह० कोव जिला जालौन
(अन्तरक)

2. श्री नाथूराम पुत्र राम प्रसाद व छविनाथ पुत्र राम
भरोसे लाल शाक्य सा० न० गढिया परहार मौजा प्रजा
व प० भरथना जिला इटावा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी अवधियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि जो भी अवधि वाल
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र से प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अम्य अवधि द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
पास लिङ्गित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम (के अडाय 20-क में परिभ्रान्ति, है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रव्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि मौजा प्रजा नम्बर 251 रक्षा 4.99 माल
91.09 पैसे में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 29-2-1980
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 मार्च 1980

निवेश सं० 426/अर्जन/आगरा/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० जतुर्बेंदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है,

और जिसकी सं० 262 है तथा जो मौजा लजमरा में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
25-7-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उत्तरे वरने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री महाराज मिह पुत्र कंचन सिंह निवासी लड़ामदा
तह० व० जिला आगरा (अन्तरक)

2. श्री पूरन मिह पुत्र श्री गोपी चन्द्र निवासी विचपुरी आगरा
व शंकरलाल पुत्र मध्यबूमल निवासी गली महादेव मोती कटार
आगरा (न्तरिती)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्याद्वियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में
से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
अन्य अवित्य द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधाया 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रधाया में दिया गया है।

अनुसूची

262 आराजी बाके मौजा लड़ामदा तह० व जिला आगरा में
स्थित है।

बी० सी० जतुर्बेंदी
सभाम प्राधिकारी
सदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजन रज, कानपुर

तारीख : 7 फरवरी, 1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 216/अर्जन/फिरोजबाद/79-80—यत
मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० तथा जो आलीनगर केंजरा में स्थित है
है (प्रीत इससे उपाखद अनुसूची में प्रीत पूर्ण रूप से
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 20-7-1979 का

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रीत मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रीत
अन्तरक (अन्तरकों) प्रीत अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; प्रीत/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आय आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अवैत्तु :—

1. श्री लायक सिंह पुत्र श्री भावर मिह निवासी आली-
नगर केंजरा पर० फिरोजबाद जिला आगरा (अन्तरक)

2. श्री कंचन सिंह, फोरन सिंह व जगदीश सिंह गजराज
सिंह 1/3 भाग वजय दयाल सिंह छोटे लाल, रक्षपाल सिंह पुत्र
सोनपाल 113 भाग व राष्ट्रेश्याम पुत्र जिमीपाल 1/3
भाग सा० आलीनगर केंजरा पर० फिरोजबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी अविक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा, अद्वीतस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीत एवं प्रदीप का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

बाके मौजा आली नगर केंजरा पर० फिरोजबाद जिला
आगरा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर शायुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कानपुर,

तारीख : 7-3-1980

मोहर :

प्ररूप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मार्च 1980

निदेश सं० 457/अर्जन/फिरोजाबाद/79-80—अतः मुझे
बी सं० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम सुखमलपुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में,
रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
तारीख 17-7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिशत से अधिक है और
अन्तररक (अन्तररकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन हर देने के अन्तरर के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरितो हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मुक्ता लाल पुत्र श्री हीरालाल जाटव निवासी
डाकबाजार मजरा मौजा सुखमलपुर निजामाबाद तह०
फिरोजाबाद (अन्तरक)

2. श्री डाकबन्द पुत्र श्री तेजसिंह निवासी टापाबला तह०
फिरोजाबाद व श्रीमति छाया महिलाधर्म पत्नि श्री महेश
चन्द्र जी शर्मा निवासी बाई पास रोड कस्बा फिरोजाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की व्यवधि या तरसंवंधी अविक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वहीं
मर्यादित होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्राम सुखमलपुर निजामाबाद तह० फिरोजाबाद
खसरा नै० 395 रक्खा 21112-5 लगानी 20-55
है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 6-3-1980

मोहर:

प्रकाश प्राईटी एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की आरा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मार्च 1980

निवेश सं० 357/अर्जन/मथुरा/79-80—यतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा याहा है); की आरा 269-व के अधीन सहायक आधिकारी को, वह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लाट 5 और 7 है तथा जो बाके रेती रमन बृद्धावन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-7-79

को पूर्वोक्त संवत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्षरक (अन्तरकों) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बाह्यिक रूप से रुक्षित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अध्यकर के वायित्व में छपी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छन्नकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उसमें में सुविधा के लिए।

अतः भव, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-व के अनुभरण में, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-व की उपावदा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जात् :—

1. श्री विहारी लाल, मुनमुनश्वाला पुत्र विसेसर दास निवासी दौमा पट बृद्धावन मंडी श्री भगवान भजनाश्रम पथरपुरा बृद्धावन तहा० व जिला मथुरा (अन्तरक)

2. कुमारी श्यामा व कुमारी विशाला व कु० कृष्णा पुत्री श्री रामकृपाल शास्त्री निवासी मनोगढ़ जिला प्रतापगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के संबंध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो प्लाट जमीन नम्बर 5 और 6 बाके रमन रेती बृद्धावन मथुरा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-3-1980

मोहर :

प्रलेप श्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 1 मार्च, 1980

निवेश सं० 249/अर्जन; मयूरा/79-80—यतः, मूँझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 12069 है तथा जो सेठवाडा
मयूरा में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मयूरा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन 5-7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम नाथ व सुमोष चन्द्र पुत्र लाल चन्द्र श्रीमती
मुंजी ना देवी पति वाल्किशन, निवासी समतहाम मयूरा
(अन्तरक)

2. श्रीमति चन्द्र प्रभा पति कंचन लाल निवासी मयूरा
मदर बाजार बून्दबन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के बीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान नम्बर 1206 व 1307 बाके सेठवाडा
मयूरा में स्थित है।

बी सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 1-3-1980
मोहर:

प्रस्तुत प्राइंटी टी. एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिसंबर 1 मार्च 1980

तिदेश सं० 200/अर्जन कोन/79-80—यतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ओरंगाबाद में स्थित है (और इससे उपरबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 18-7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत उचित अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। घोर/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचित अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उचित अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उचित अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित अधिकारीयों अर्द्धतः—

1. श्री देशबीर मिह आत्मज देशराज मिह निवासी इन्द्रगंग नगर लग्नर रवालियर मध्य प्रदेश मुख्तार मामभिनजानिव श्री देशराज मिह आत्मज श्री दिलीर मिह निं ग्राम ओरंगाबाद पर० मोरथल तह० कोल जिला अलीगढ़ (अन्तरक)

2. श्री नव्यी मल व श्याम लाल पुत्रगण श्री होतीलाल निवासी गण ग्राम हरदुआर्गंज पर० व० तह० कोल जिला अलीगढ़ व भरतपाल मिह पुत्र श्री रघुबीर मिह निं ग्राम उपरोक्त ओरंगाबाद पर० व० तह० कोल जिला अलीगढ़ (अन्तरिती

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रत्येक शब्द, जो उपर अध्याय में दिया गया है।

प्रत्यक्षी

कृषि भूमि नं० 167 और 176 दस बीघा तेरह बिस्ता साल बीघा 6 बिस्ता कुल भतरह बीघा 6 बिस्ता है, ओरंगाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भ्रायकर भ्रायक (निरीक्षण)
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 1-3-1980
मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०-----

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 मार्च, 1980

निदेश सं० 957-ए/पी० एन० मंसूरी/79-80--यतः, मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है यि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० बिरेन्ड्र बुद्ध स्टेट है तथा जो कुलरी मंसूरी
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमती में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंसूरी में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन तारीख 19-7-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास होता है कि यहाँ पर्याप्त विवरण है यि वशायुक्ति तपाति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिक्रिया के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवर में वर्णनित रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई फिसी श्राव की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पर उपरोक्त वचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी श्राव या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रार्थतः—
17—6GI/80

1. श्रीमति विलकुर्हज फायज अहमद, पति फायजुहीन,
अहमद, सुलेमन अहमद तथा मुहम्मददीन अहमद पुत्र स्व०
फैयाज तथा श्रीमति मेहनाज अमीर कुलमाला एन्यास श्रीमति
रुक्माना अहमद निं० 93 म्यूर रोड, इलाहाबाद
(अन्तरक)

2. श्री बलराज साहनी पुत्र स्व० नाजपत राय साहनी
निं० न्यू मारकेट मंसूरी व श्री अनिल कापूर पुत्र श्री देवराज
कापूर निवासी कैम्पटन कोट स्कूल मनसूरी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारीयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों में से किसी अधिकता द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जिसका क्षेत्रफल लगभग एक एकड़ है गोर जो बिरेन्ड्रबुद्ध के नाम से जानी जाती है कुलरी मंसूरी में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रावकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 15-3-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० ए स०—
प्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा
२६९-घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक ६ मार्च १९८०

निदेश सं० ६८०-ए/कानपुर/७९-८०—यतः, मुझे, वी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान ११९/५०१ है तथा जो वी० (३) दर्शन पुरव में स्थित है (और इसमें उपावद अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नर अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन तारीख २५-७-७९

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यहाँ पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबा उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उस अधिनियम, या घन कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, [छिपाने में सुविधा के लिए।]

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (१) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. श्री सुजान मिह पुत्र श्री नानक गिह निवासी ११९/५०१ वी (३) दर्शनपुरवा कानपुर (अन्तरक)
२. श्री रामचन्द्र निह व श्रीमति रामण्यरी देवी ११९/५०१ वी (३) दर्शनपुरवा कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्बन्धि के ग्रंथन के प्रस्तुति में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्प्रस्तुति व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो श्री अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वृत्स्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

संठीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

एक फिला प्रकान नं० ११९/५०१ वी (३) दर्शन पुरवा कानपुर जिसका क्षेत्रफल ५३५ वर्ग गज है।

श्री० सी० चतुर्वेदी,
सहायक आयकारी
वायाक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
ग्रंथन रेंज, कानपुर

तारीख : ६-३-१९८०

मोहर :

प्रकाश आई०टी०एन०एम०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 मार्च, 1980

निःशंका सं० 687-ए/कानपुर/79--80--अतः मुझे बी०
सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ए के अधीन सशम प्राप्तिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है।

और जिसमें सं० मकान नं० 118/264 है तथा जो कोगल-
पुरी कानपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में अंकित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 19-7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रसरक
(अन्तरिकों) और प्रसरिती (प्रसरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चर्चेश्य से उक्त अन्तरण निषित में वास्तविक रूप से नियत
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्वरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रतीकार्थ अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, घर्षतः—

1. श्री राजेंद्र बहादुर मिह, श्रीगान मिह, गाना मिह, कृष्ण
पाल मिह, चन्द्र भूषण मिह, अनिल कुमार मिह, अरुण कुमार
मिह, सूरेश्वर मिह, गणेश्वर मिह सा० मौजा काशीपुर
नह० अकबरपुर जिला कानपुर (अन्तरक)

2. श्रीमति शान्ति बाजपेयी पत्नि श्री श्रीनारायण बाज-
पेयी निवासी 27/1ए विरहाना रोड कानपुर (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
निए कार्यवातियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की प्रवधि या उत्तरवंशी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अवधि द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य अवधि द्वारा, अधोइस्ताकारी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संहारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिचालित
है, वही अर्थ होया जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

एन किना महान नं० 118/284 कोगलपुरी कानपुर
में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्रम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेज, कानपुर

तारीख : 4-3-1980

मोहर : []

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक, 4 मार्च 198

निदेश नं० 954-ए/मु० नगर/79-80---अतः मुझे बी० सी० चन्द्रदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 47वी है तथा जो पटेन नगर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर ;, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 25-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(६) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने पा उक्त बबते में सुविधा के लिए; और/या

1. श्रीमति सरोज गर्ग परिन मत्य प्रकाश गर्ग व प्रेम-
पुरी मुजफ्फरनगर (अन्तरक)

2. श्री वेद प्रकाश जैन व मज्जन कुमार जैन पुत्र राम-
चन्द्र जैन निवासी बी नई मंडी मुजफ्फरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति पटेन नगर जिला मुजफ्फरनगर में स्थित है:

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बी० सी० चन्द्रदी
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

अत, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

तारीख 4-3-1980

मोहर : []

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (विवेकन)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मार्च 1980

निवेदण सं० 530-ए/देहरादून/79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वारात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ब के प्रधीन सत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है और जिसकी सं० 3/80 है तथा जो जैन मार्केट विकास नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री पुलवोत्तम कुमार जैन, श्री सतीश कुमार जैन विकास नगर जिला देहरादून (अन्तरक)
2. मनदीप पाण्डे धनसीविट्स प्रा० निं० देहरादून (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षण:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्त्रमन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू किनी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैहस्तानकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनकूली

एक सिनेमा बिल्डिंग जिसका नाम शंशि थेटर्स नं० 3/60 बी०/के० १८० ए० पार्ट न्यू जैन मार्केट विकास नगर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 6-3-1980।

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई ३ दी० एन० पृष्ठ०—
आयकर व्यवित्रियम्, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 मार्च 1980

निवेश सं० ९५६-ग/मु० नगर/७९-८०—अतः मुक्ते
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर व्यवित्रियम्, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात 'उक्त व्यवित्रियम्' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सभ्य प्राधिकारी को, वह विवास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान 500/2 है तथा जो सिविल लाइन
में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मुजफ्फरनगर में, रजिस्ट्रीकरण व्यवित्रियम्, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 30-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से रुप के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्वरित हो गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त रामायि का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिक्रिया अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्वरिती
(अन्वरितियों) के बीच ऐसे अन्वरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नांकित उदाय से उक्त सम्बरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्वरण से पूर्व किसी प्राय की बाबत, उक्त व्यवित्रियम्
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कही
करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी तारीख तिथि इन दो अन्य अधिकारियों को
विन्दें भारतीय आयकर व्यवित्रियम्, 1922 (1922
का 11) या उक्त व्यवित्रियम् या धन-कर व्यवित्रियम्,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावं अन्वरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आश्र, उक्त व्यवित्रियम् की धारा 269-व के अनुसर
में, मैं, उक्त व्यवित्रियम् की धारा 269-व को उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दीपचन्द्र पुत्र लाला संगमलाल निं० मोहूला
पटेल नगर काकड़ा भवन घर० व० जिला मुजफ्फरनगर
(अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार पुत्र लाला त्रिलोकी नाथ व श्रीमति
कुमुमलता व विनोद कुमार वर्तमान निवासी 500/2 साउथ
सिविल लाइन मुजफ्फरनगर (अन्तरकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंधमें कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजराज में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि, और भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजराज में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रवृत्तिशाली के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

एष्टोकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
व्यवित्रियम्, के अध्याय 20-क में परिभ्रूत हैं,
वही मर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान जिसका नम्बर 500/2 क्षेत्रफल 250
वर्गमीट मोहूला सिविल लाइन मुजफ्फरनगर में स्थित
है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 12-3-1980

मोहर :

प्रृष्ठ प्राप्ति १० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 मार्च 1980

निवेदण सं० 774-ए/गाजियाबाद/79-80—प्रतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए से अधिक है

और यिसकी सं० फैक्ट्री बिल्डिंग है तथा जो भी/३ मेरठ रोड
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 3-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिल में
वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई जिसी आय को वापत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासियों
को जिन्हे भारतीय आप-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 239-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यात्:—

1. श्री सोमदत तकियार सुपुत्र श्री मलावाराम तकियार
कंपर आफ मैसर्स ट्यूब बैड वायरनॉर्टिंग कम्पनी देहली गेट गाजिया-
बाद निवासी मोहल्ला गान्धी नगर गाजियाबाद (अन्तरक)

2. मेवर्स निशा स्टेशनरी मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी प्रा० लि०
104 नवयुग मार्किट गाजियाबाद द्वारा श्री दीपक कुमार गुप्ता
आयरेक्टर सुपुत्र नाला दामोदर दास निवासी 51 मोहल्ला छता
देहलीगेट गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्बति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्बति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजावत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजावत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावरणाति में हिन्दू
किसी अत्य वक्ता द्वारा प्रत्येक सामाजिक समाज के पास
तिखिल में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ए८ फैक्ट्री बिल्डिंग डी/३ मेरठ रोड इन्डस्ट्रीयल
प्रिया गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 14-3-1980
मोहर :

प्रकल्प नं. ३१० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 मार्च 1980

निवेश सं. 598-ए/मेरठ/79-80 —ग्रन्त: मुझे बी० सी०
चतुर्वेदी

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मकान सं. 31 तथा जो मोहल्ला इस्लामाबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अमुस्ची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 20-7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल से लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवृह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (प्रत्यरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों)
के बीच ऐसे भवितव्य के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
भीर/या

(ख) देसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ष की उपघारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहम्मद अधीक पिमरमोहम्मद फारुख साकिन आजाद
कालोनी इस्लामाबाद शहर मेरठ (अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद यूनुस अब्दुल गफार व अब्दुल सतार व अब्दुल
जब्बार पिमरान मोहम्मद यासीन साकिनान मौजा लावड़ जानग्रही
तह० सरधना जिला मेरठ (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्रान्ती :—

(क) इस सूचना के राजनीत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की
सामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में में किसी
अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनीत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास सिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिमाणित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

एक मकान दुमंजिला उर मुतहाना जिसका रकवा 250
वर्गमीट है नम्बरी 31 मोहल्ला इस्लामाबाद शहर मेरठ में स्थित
है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज कानपुर

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्रेरणा आई० टो० एन० एस० —————

आवकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

ग्रामपंचायत विभाग (निरोक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 मार्च 1980

निदेश सं० 365/प्रधीन/भारी—अग्. मुख्य बी० सी०
चतुर्वेदी

आवकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० बंगला नं० 41 है तथा जो सदर बाजार भारी में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कायलिय भासी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 19-7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से रु० के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और पूर्ण यह विश्वास करने का कारण है कि पापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अनुद्र प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (भक्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश में उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहिं नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के पर्वीन कर देने के प्रन्तरक के शायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
प्रौद्योगिकी

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी बन या भूम्य प्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आवकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगवाले
प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः प्रब्र, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

18-6GI/80

1. श्री राजेश प्रकाश व ओम प्रकाश व बीरेंद्र प्रकाश
व अनिल प्रकाश पुत्र श्री हरीश चन्द्र अप्रवाल निवासी लोकनाग
ग्राम व जिना भासी
(अन्तरक)

2. श्रीमति जगजीत कौर धर्म पर्वति श्री मन मोहन सिंह
तिलासी बांगला नम्बर 41 सदर बाजार ओरछा रोड शहर-
भासी
(अल्लरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रमंगन के लिए
हार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रमंगन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताश्री के
पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही प्रयोग किया द्वारा अप्रोहस्ताश्री के
पास लिखित में किए जा सकेंग।

अनुसूची

एक रिक्त बंगला नम्बर 41 श्कालिम स्थित सदर बाजार
(ओट बांगला) शहर व जिना भासी किराया 93/महीना
आता है हाउस टैक्स 30 रु० भानाता है इमिसमेंट 967
उक्त मकान में एक पुगना पक्का कुप्रां भी है बंगला पक्का
हक मेंला है चौहरी पूर्व मड़क है।

बी० मी० चतुर्वेदी
मक्कम प्राधिकारी
महायक आवकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 1-3-1980

मोहर :

प्रकाश प्र० १६० दो० एन० एस० २०८०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, नवाचार प्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मार्च 1980

निवेदन मं० 2992 अर्जन/फतहाबाद/79-80-अन्तः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प
के प्रधीन सकार प्राधिकारी को, यह विवाह संकरने का कारण है
कि इथावर मम्पनि, जिसका उनिन बाजार मूल्य 25,000/- वा
से अधिक है

और जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण
सूची में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फतेहाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 12-7-1979
को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इथमान
प्रतिफल के लिये प्रत्यन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह संकरने
का कारण है कि पवारूपन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
इथमान प्रतिफल से, ऐसे इथमान प्रतिफल का पवारूपन प्रतिशत से
अधिक है और भल्लरक (भल्लरकों) और प्रत्यन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे घटनाकाल के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त घटनाकाल लिखित में वास्तविक कृष्ण के कारण नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरगत हुई किसी आय को आय। उक्त अधिनियम
ने धारा ११ के मत्तररु के दायितव्य
में कमी करने पर उसमें बचन में सुविधा के लिए;
और या

(ख) ऐसी हिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधीननाथ
अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिये या, कियाने में सुविधा हे निए;

अन्तः वर, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुमति में
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अविस्तरों, अवैद:—

1. श्री हृषीकेश उल्ला पुत्र श्री श्रीमान्ना निवासी ग्राम
सिंगेचा नहू फतेहाबाद, जिला आगरा (अन्तरक)

2. श्री रत्नधीर मिह व नारायण सिंह वालियान पुत्र-
गण श्री ज्वालाप्रसाद व कमल मिह व उमर 12 साल व
ऐनहल मिह व उम्र आठ साल व महानाव मिह व उम्र 6 साल
नावालियान पिता ज्वाला प्रसाद उक्त व विलायत अमृत
पुल श्री डालचन्द्र निवासी गांव मरझ जिला मथुरा मंना हकीकी
नावालियान व शिव मिह वालिय पुत्र श्री महेंद्र मिह व लाल्हन सिंह
व उम्र 14 साल व श्रीमद्वीर मिह व उम्र 11 साल पिसरीत श्री
महेंद्र मिह उक्त नावालिय व विलायत छिबान सिंह पुत्र श्री पूरनवेद्र
चाचा हकीकी नावालियान मीमूफ सम्मतिना फतेहाबाद व जिला
आगरा। (अन्तर्गती)

उक्त सम्पत्ति के प्रवृत्त व सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वारन्ती व्यक्तियों पर सूचना
को तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर इथावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास
निवित में किये जा सकेंगे।

इष्टाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ हासा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आराजी खाता नं० 57 खसरा नं० 244 रक्का 14
विस्वा 8 विस्वान्ती लगान 5/45 पै० व खाता नं० 149 खसरा
नम्बर 227 रक्का 1111; 2-19 व खसरा नं० 244 रक्का
11/3—8 लगान 94/60 पै० कुल रक्का 13-15 कुल लगानी
100/05 पैसे। के ग्राम सिंगेचा नहू फतेहाबाद जिला आगरा
में स्थित है।

सी० सी० चतुर्वेदी
प्रधान प्राधिकारी
सदायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 6-3-1980।

मोहर:

प्रस्तुत आई० श्री० एन० एन०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
‘269-प(1) के अधीन सूचना

सारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 जनवरी 1980

निदेश सं० पी-७७/अर्जन—अतः मुझे, अमरसिंह बिसेन,
भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की घारा 269-प
के अधीन नमम पायिताती को, यह विश्वास करने का कारण है
कि द्यावर संति जियहा उक्ति वाजार मूल्य 25,000/- रु
से प्रतिक है।

और जिसकी सं० 68 लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, है, तथा जो
लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, इलाहाबाद में स्थित है (और इससे
उपार्ध अनुसूची में और पूर्ण मूल्य से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-7-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के रिए पत्रिका हो गई है योग मूले वह विश्वास
करने का कारण है कि द्यावर संति जियहा उक्ति वाजार मूल्य,
उक्ते दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है योग अनुसूची (प्रतिकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरुप के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, विभिन्न उद्देश्य से उक्त प्रत्यरुप लिखित में
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तर्गत से दुई किसी आय वी बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन हर दूत के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में गुणिता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हे भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
काहिं था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम, 1961 का घारा 269-प के दृश्यमान
में, उक्त अधिनियम की घारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. डा० राम दास कपूर कर्ता हिंदूपरि० परि०

2. डा० डी० के० कपूर

(अन्तरक)

2. श्री प्रकाश नारायण महरोत्तम काशीनरेश महरोत्तम
(अन्तरिती)

3. श्री जी० वी० लायल व अन्य
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रमाण में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किए गये अधिकारी, अधिकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इडडीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधाय 20-क में परिभासित
हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

बंगलो नं० 6/8 लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, (एलगिन रोड)
इलाहाबाद लीजहोल्ड व वह सारी सम्पत्ति, जो सेलडीड तथा
फार्म 37 जी संख्या 3290 में वर्णित है और जिसका पंजीकरण
सब-रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 21-7-1979
को हो चुका है।

अमरसिंह बिसेन
सक्तम अधिकारी
सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज

तारीख : 18-1-80

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 10th March, 1980

No. A.32014/1/80-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Dhawan, a permanent Superintendent (Holl.) to officiate on an *ad-hoc* basis as Deputy Controller (DP) in the office of Union Public Service Commission for the period from 1-3-1980 to 31-5-1980, or until further orders, whichever is earlier.

The 11th March 1980

No. A.32014/2/80-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints the following Superintendents (Holl.) in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis as Assistant Controller (D.P.) in the Commission's office for the period from 1-3-80 to 31-5-80, or until further orders, whichever is earlier :

1. Shri J. L. Kapur.
2. Miss Sanjosh Handa

No. A.35014/1/80-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent Section Officer of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis as Senior Analyst for the period from 1-3-1980 to 31-5-1980, or until further orders, whichever, is earlier.

2. Shri M. S. Chhabra will be on deputation to an *ex-cadre* post of Senior Analyst, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-E.III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.

for Chairman,
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 29th February 1980

No. 32013/4/79-Admn.I—In partial modification of Union Public Service Commission Notification S. No. A 32013/1/79-Admn. I dated 14-1-80 and No. A 32013/4/79-Admn. I dated 1-2-1980, the President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Service Commission included in the Select List for 1978 for appointment to Grade I of Central Secretariat Service, to officiate as Under Secretaries in the office of Union Public Service Commission with effect from 14-12-1979 (Forenoon) until further orders.

S. No.	Name	Designation
1	2	3
1.	Shri B. B. Mehra	Permanent Officer of Grade A of CSSS.
2.	Shri B. S. Kapur	Permanent Officer of Section Officers' Grade of CSS.
3.	Shri R. N. Khurana	Permanent Officer of Section Officer's Grade of CSS.
4.	Shri J. P. Goel	Permanent Officer of Section Officer's Grade of CSS.
5.	Smt. Bhavani Thyagarajan	Permanent Officer of Section Officer's Grade of CSS.
6.	Shri M. A. Ganapathy Ram	Permanent Officer of Grade A of CSSS.

The 1st March 1980

No. A.32013/4/79-Admn.I(b).—The President hereby appoints Shri Dau Dayal, an officer of the Section Officer's Grade of the CSS Cadre of Union Public Service Commission and included in the Select List for the year 1978 for appointment to Grade I of Central Secretariat Service, to officiate as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 8th January, 1980 until further orders.

The appointment is subject to the final decision of the Supreme Court on Writ Petition No. 626-630 of 1979 by S. S. Sharma and others versus Union of India.

The 1st March 1980

No. A.32013/1/80-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. Srinivasan, a permanent Officer of Section Officer's Grade of CSS Cadre of Union Public Service Commission to officiate as Under Secretary on *ad-hoc* basis in Grade I of the Central Secretariat Service in the office of Union Public Service Commission for the period from 1-2-80 to 20-2-80 or until further orders, whichever is earlier.

New Delhi-110011, the 6th March 1980

No. A.12019/1/80-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following permanent Research Assistants (Hindi) of this office to officiate on an *ad-hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period from 1-3-1980 to 31-5-1980, or until further orders, whichever is earlier.

1. Smt. Sudha Bhargava.
2. Shri Chand Kiran.
3. Shri J. N. S. Tyagi.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.

for Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 25th February 1980

No. A.12025(ii)/1/78-Admn.III.—In pursuance of the Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No. 5/77/79-CS(I) dated 21-12-79, the President is pleased to appoint Shri P. S. Rana, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of U.P.S.C. and officiating as Section Officer on *ad-hoc* basis *vide* this office Notification No. A.32014/1/79-Admn.III dated 18th December, 1979 to officiate as Section Officer in the same service of the cadre with effect from 21-12-1979, until further orders.

No. A.12025(ii)/1/78-Admn.III.—In pursuance of the Department of Personnel & A.R. O.M. No. 5/77/79-CS(I), dated 21-12-79, the President is pleased to appoint Shri Jit Ram, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of U.P.S.C. to officiate as Section Officer in the same service of the cadre with effect from 21-12-79, until further orders.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.

Incharge of Administration

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 29th February 1980

The 3rd March 1980

No. P/1691-Admn.I.—Consequent upon the expiry of his term of re-employment in the post of Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission, Shri A. Gupta relinquished charge of the office of Deputy Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of 29th February, 1980.

The 5th March 1980

No. A.32013/3/79-Admn.I.(a).—The President hereby appoints the following permanent officers of the Section Officers' Grade of the CSS Cadre in the office of Union Public Service Commission and included in the Select List for the year 1977 for appointment to Grade I of Central Secretariat Service to officiate as Under Secretaries in the office of Union Public Service Commission with effect from 8-1-1980 (Forenoon) until further orders :

1. Shri Kishan Singh
2. Shri Jit Singh
3. Shri Bhupati B. Murmu

The appointments are subject to the final decision of the Supreme Court in Writ Petition No. 626-630 of 1979 by S. S. Sharma and others Versus Union of India.

The 6th March 1980

No. A.38013/2/79-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri M. C. Mago, a permanent Private Secretary (Grade A of the CSSS Cadre) of the Union Public Service Commission, to retire from Government service voluntarily in accordance with Rule 48A of C.C.S. (Pension) Rules, 1972 w.e.f. the forenoon of 3rd March 1980.

S. BALACHANDRAN
Under Secretary
Union Public Service Commission

**TO BE SUBSTITUTED FOR NOTIFICATION
PUBLISHED ON 16TH FEBRUARY 1980 IN
GAZETTE OF INDIA PART III, SECTION I.**

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 18th March 1980

No. 10 RCT 3.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri J. K. Wadehra, Executive Engineer of the Central Public Works Department, as Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from 14-1-1980 (AN), until further orders.

K. L. MALHOTRA
Under Secretary
for Central Vigilance Commissioner

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.)
(CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION)**

New Delhi, the 18th March 1980

No. A-35018/15/79-Ad-I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Phani Bhushan Sarkar, Sub-Inspector of Police, West Bengal, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation GOW Calcutta, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 13th February, 1980 until further orders.

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)
C.B.I.

**DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE**

New Delhi-110001, the 14th March 1980

No. O.II-182/69-Estt.—On his services having been replaced at the disposal of the CRPF by the ITB Police, Shri E. S. Bakhtawar took over charge of the post of Commandant 58th Bn. CRPF on the forenoon of 11th February, 1980.

No. O.II-1038/75-Estt.—The Director General is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Usha Jain as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from 20-2-80 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1099/78-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. Yogendra Prakash, GDO; Gd-II of Basic Hospital-I CRPF, New Delhi with effect from the afternoon of 29-2-80 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (Temporary Service) Rules, 1965.

B. K. KARKRA
Assistant Director (Adm.)

**OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-110019, the 10th March 1980

No. E-38013(3)/25/79-PERS.—On transfer from Rourkela Shri H. S. Pannu assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF, 1st Reserve Bn., Saugar (M.P.) w.e.f. the forenoon of 11th February 1980.

(Sd.) ILLEGIBLE
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 14th March 1980

No. 11/10/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri L. Pashot Singh, an officer belonging to the Manipur Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Manipur, Imphal, by transfer on deputation basis, with effect from the forenoon of 18th February, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Singh will be at Imphal.

The 18th March 1980

No. 11/121/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Yadgir Reddy, an Officer belonging to the Andhra Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 1st March, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Reddy will be at Hyderabad.

No. 11/121/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. S. Narasinha Chary, an Officer belonging to the Andhra Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 3rd March, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Chary will be at Hyderabad.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 15th March 1980

No. T(6)/AII.—Shri R. S. Taneja, Assistant Manager (Admn.) Government of India Press, Ring Road, New Delhi, Directorate of Printing, retired from Government service on attaining the age of superannuation, on the afternoon of 31st January, 1980.

B. N. MUKHERJEE
Joint Director (Admn.)

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR**

GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 14th March 1980

No. 606/CA.I/277-70.—On his attaining the age of superannuation Shri P. Adhikari, Audit Officer (Commercial) serving in the Office of the Accountant General-II, West Bengal Calcutta, retired from service w.e.f. 31-12-1979 (A.N.).

M. S. GROVER
Deputy Director (Commercial)

**OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES**

New Delhi-2, the 15th March 1980

No. Admn.I/O.O-647/PF/R.C.Bansal.—Shri R. C. Bansal, a permanent Audit Officer of this office, has been absorbed permanently in the National Hydroelectric Power Corporation, Ltd., New Delhi, with effect from 21-9-79 (F.N.) on the terms and conditions contained in the enclosed statement.

This has approval of the Ministry of Finance conveyed *vide* Comptroller and Auditor General's letter No. 287-GE.II/114-79 dated 21-2-80.

(Sd.) ILLEGIBLE
Joint Director of Audit (Admn.)

**MINISTRY OF DEFENCE
ORDNANCE FACTORY BOARD**

Calcutta, the 11th March 1980

No. 2/80/A/M.—The President is pleased to accept the resignation of the undermentioned Assistant Medical Officers,

Gun & Shell Factory, Cossipore w.e.f. 7-4-79 (AN) and accordingly their names are struck off the strength of Gun & Shell Factory, Cossipore with effect from the same date.

1. Dr. Keshav Singh Sagar, AMO
2. Dr. Arup Roy, AMO

O. P. BAHL
Additional Director General,
Ordnance Factories

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 12th March 1980

No. 10/80/G.—On expiry of the notice of 3 months, Shri A. C. PILLAI, Subst. & Permit. Deputy Manager voluntarily retired from service w.c.f. 1-5-1976 (A.N.).

V. K. MEHIA
Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 11th March 1980

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/957/72-Admn(G)/1331.—On attaining the age of superannuation Shri T. S. Balakrishnan, a permanent Grade IV officer of CSS, relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 29th February, 1980.

No. 6/632/61-Admn(G)/1341.—On attaining the age of superannuation Shri C. S. Arya a permanent Section Officer of the CSS and officiating in Grade-I of that service relinquished charge of the post of Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 29th February, 1980.

The 13th March 1980

No. 6/1313/79-Admn(G)/1370.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri Mahesh Chander, Income-tax Officer in the Income-tax office, Dehradun, as Controller of Imports and Exports (category 'B') in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Ahmedabad in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 5th February, 1980, until further orders.

2. Shri Mahesh Chander as Controller of Imports and Exports will draw pay in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—40—1000—EB—40—1200.

A. N. CHATTERJEE
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
For Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 12th March 1980

No. 12(610)/69-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri P. P. Verma, Assistant Director (Gr. II) (Electrical) in the Small Industries Service Institute, New Delhi as Assistant Director (Gr. I) (Electrical) in the same Institute, with effect from the afternoon of 30th January, 1980, until further orders.

No. 12(625)/69-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Smt. R. Chibber, Assistant Editor (Hindi) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Assistant Director (Gr. I) (Publicity) in the same Office on *ad-hoc* basis with effect from the 15th February, 1980 (F.N.), until further orders.

No. A-19018/431/79-A(G).—The President is pleased to appoint Dr. Sushil Kumar Kapoor as Deputy Director

(Chemical) in Regional Testing Centre, New Delhi with effect from the forenoon of 29th February, 1980, until further orders.

The 17th March 1980

No. A-19018/431/79-A(G).—The President is pleased to appoint Shri S. R. Mundargi, Assistant Director (Gr. I) (G/C) in Small Industries Service Institute, Nagpur as Deputy Director (Glass Ceramics) in Small Industries Service Institute, Bombay on *ad-hoc* basis for the period from 29-11-1979, to 30-6-1980.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 28th February 1980

No. A6/247(475)/II.—On his reversion to the post of Asstt. Inspecting Officer (Tex) Shri V. B. Hajela relinquished charge of the office of the Inspecting Officer (Tex) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A' Textile Branch) and assumed charge of the post of AIO (Tex) in the office of Dy. Director of Inspection, Kanpur under the N.I. Circle, New Delhi from the forenoon of 10th January, 1980.

The 15th March 1980

No. A-247(264).—Shri S. K. Nag, Asstt. Inspecting Officer (Met) in the office of Director of Inspection, Jamshedpur retired from Govt. service w.e.f. the afternoon of 31st Jan., 1980 on attaining the age of superannuation.

No. A6/247(374).—Shri B. N. Roy Chowdhuri, Asstt. Inspecting Officer (Met-Chem) in the office of Director of Inspection, Burnpur retired from Govt. service w.e.f. the afternoon of 31st January, 1980 on attaining the age of superannuation.

No. A-17011/174/80-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri S. C. Gurg, Examiner of Stores (Engg.) in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) on *ad-hoc* basis in the same office w.e.f. the forenoon of 2nd Feb., 1980 and until further orders.

No. A-17011/175/80-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri N. S. Natarajan, Junior Field Officer in the office of Director of Supplies and Disposals, Madras to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) on *ad-hoc* basis in the office of Director of Inspection, Calcutta w.e.f. the afternoon of 28th Jan., 1980 and until further orders.

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

The 17th March 1980

No. A-1/1(1153)/80.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri F. L. Srinivasan, Junior Progress Officer in the office of the DS (Tex.), Bombay to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the same office at Bombay with effect from the forenoon of 1-3-80.

The promotion of Shri Srinivasan as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and on *ad-hoc* basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right whatsoever to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

No. A-1/1(1154)/80.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Manoharlal J. Tahiliani, Superintendent in the office of Director of Inspection, Bombay to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the office of Director of Supplies (Tex.), Bombay with effect from the forenoon of 1st March, 1980.

2. The appointment of Shri Manoharlal J. Tahiliani as Asstt. Director of Supplies (Grade II) is purely temporary and on *ad-hoc* basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right whatsoever to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

No. A-1/1(1156)/80.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri T. V. Pote, Superintendent in the office of the Director of Inspection, Bombay to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay with effect from the afternoon of 1st March 1980.

The promotion of Shri Pote as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and on *ad hoc* basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right whatsoever to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL
DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 10th March 1980

No. A.19011(163)/75-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Dr. S. C. Pande, Senior Chemist, on *ad hoc* basis to the post of Senior Chemist in an officiating capacity with effect from 28th February 1980 (A/N) until further orders.

S. V. ALI
Head of Office
Indian Bureau of Mines

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 13th March 1980

No. 2034B/A-19011(1-AKB)/79-19A.—The President is pleased to appoint Shri Anup Kumar Bandyopadhyay to the post of Geologist (Jr.) in the G.S.I. in the scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 29th December 1979, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 12th March 1980

No. C-5607/718-A.—Shri A. B. Sarkar, Map Curator, is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on *ad hoc* basis in Eastern Circle Office, Survey of India, Calcutta in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 8th February 1980 (A.N.) vice Shri Ram Lal, Establishment and Accounts Officer, proceeded on leave.

K. L. KHOSLA
Major General,
Surveyor General of India

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 11th December 1979

No. 2/66/60-SII.—On attaining the age of superannuation Shri S. A. Antonisami, Administrative Officer, All India Radio, Vijayawada has retired from Government Service with effect from 30th September 1979 (AN).

The 15th March 1980

No. 29/7/78-SII.—Shri G. B. Patel, Farm Radio Officer working on an *ad-hoc* basis has relinquished charge of the post of Farm Radio Officer, All India Radio, Baroda with effect from 28th January 1980 in pursuance of this Directorate order of even number dated 14-1-80.

S. V. SESHADRI
Dy. Director of Admn.
For Director General

New Delhi, the 15th March 1980

No. 6(66)/62-SI.—On attaining the age of superannuation, Shri D. Venkatesan, relinquished charge of the post of Programme Executive, CBS, AIR, Madras with effect from the afternoon of the 31st January 1980.

N. K. BHARDWAJ
Dy. Director of Admn.
for Director General

DIRECTORATE, GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 10th March 1980

No. 6-19/77-DC.—The President is pleased to appoint Dr. Pankaj Kumar Chatterjee, to the post of Bacteriologist, Central Drugs Laboratory, Calcutta, with effect from the forenoon of 25th January 1980 until further orders.

Shri P. G. Ray, relinquished the charge of the post of Bacteriologist, Central Drugs Laboratory, Calcutta, on the same day and proceeded on earned leave.

Shri P. G. Ray assumed the charge of the post of Technical Officer (Bacteriology) in the Central Drugs Laboratory, Calcutta, with effect from the forenoon of 11th February 1980 after availing 15 days earned leave from 25th January 1980 (9th February and 10th February 1980 being holidays on account of Second Saturday and Sunday respectively).

SANGAT SINGH
Dy. Director, Admn.

New Delhi, the 10th March 1980

No. A.19019/26/76(JIP) Admn.I.—The President is pleased to accept the resignation of Dr. P. Ramakrishna Rao, Biochemist Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry, from Government service with effect from the afternoon of 1st February 1980.

No. A.12026/5/78(CITRI) /Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri T. K. M. Pillai, Section Officer, Directorate General of Health Services, to the post of Administrative Officer at the Central Leprosy Teaching and Research Institute, Chingleput, from the forenoon of the 14th January 1980, on an *ad hoc* basis and until further orders.

No. A.12025/7/79(AIIHPH) Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. G. Rajagopal to the post of Assistant Professor of Biochemistry and Nutrition at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta with effect from the forenoon of the 8th February 1980 in a temporary capacity, and until further orders.

The 11th March 1980

No. A.12024/1/76-Admn.I(Part II)(B).—Consequent on her transfer to Central Government Health Scheme Dr. (Smt.) G. K. Sachar assumed charge of the post of Dental Surgeon under Central Government Health Scheme, New Delhi on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 28th September 1979.

On her appointment to the post of Dental Surgeon under the Central Government Health Scheme Dr. (Smt.) G. K. Sachar relinquished charge of the post of Dental Surgeon at Safdarjung Hospital, New Delhi on the forenoon of 28th September 1979.

No. A.12025/35/76(AIIHPH) Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. (Smt.) Indira Chakravarty to the post of Associate Professor of Biochemistry and Nutrition at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, with effect from the forenoon of the 1st February 1980 in a temporary capacity, and until further orders.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Admn. (O&M)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-85, the 15th January 1980

No. PA/81(12)/79-R-IV.—The Additional Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned officers of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officers/Engineers grade SB with effect from the dates indicated under Col. 5 against each, in the same Research Centre in an officiating capacity until further orders :—

Sl. No.	Name	Permanent post held, if any	Officiating	Date
1	2	3	4	5
1.	Shri Jokhu Ram Gupta	—	SA(C)	1-8-79 (FN)
2.	Shri Parmanand Ladharan Vaswani	Asstt. Foreman	Foreman	Do.
3.	Shri Suresh Champaklal Jhaveri	Do.	Do.	Do.
4.	Shri Vijayendra Krishnarao Harohalli	Do.	Do.	Do.
5.	Shri Nana Damodar Gavande	D'man (C)	—	Do.
6.	Shri Krishnaswamy Venkatesan	—	SA(C)	Do.
7.	Shri Ajay Singh	—	Do.	Do.
8.	Shri Madappad Velayudhan Surendranath	SA(B)	Do.	10-8-79 (FN)
9.	Shri Qasim Mustafa Ali	Do.	Do.	1-8-79 (FN)
10.	Shri Shankar Ramachandra Chinchanikar	T'man 'G'	—	Do.
11.	Shri Pravinchandra Mangal Jibhai Shah	SA(B)	SA(C)	Do.
12.	Shri Jagdish Baburao Mhatre	—	Do.	Do.
13.	Dr. Mannam Subbarao	—	Do.	Do.
14.	Shri Vappala Sethumadhavan	SA(B)	SA(C)	Do.
15.	Shri Unniparambath Kanichukulathu Viswanathan	Do.	Do.	Do.
16.	Shri Vasudevakurup Raveendran Nair	Do.	Do.	Do.
17.	Shri Rameshchandra Haribhai Rakhasia	Do.	Do.	Do.
18.	Shri Chandrasekharan Krishnan Pillai	Do.	Do.	Do.
19.	Shri Narasimhan Gopalan	SA(A)	Do.	Do.
20.	Shri Arunachalam Raju	SA(B)	Do.	Do.
21.	Shri Sayyad Akhtar Hussain	SA(A)	SA(B)	1-8-79 (FN)
22.	Shri Vaithinathan Kannan	SA(B)	SA(C)	Do.
23.	Shri Sadanand Janardan Raut	Do.	Do.	Do.
24.	Shri Malvath Rathnakaran	Do.	Do.	Do.
25.	Shri Ashrafkhan Kesarkhan Pathan	—	SA(C)	Do.
26.	Shri Kallarakkal Kunjunnal Balakrishnan Nair	T'man 'F'	Do.	Do.
27.	Shri Sadanand Chintaman Karandikar	SA(B)	Do.	Do.
28.	Shri Sardar Singh Marhas	Do.	Do.	Do.
29.	Shri Kodi Venkappa Kini	—	Do.	Do.
30.	Shri Nuranil Krishnan Seshadri	SA(B)	Do.	Do.
31.	Shri Ashok Ramchandrarao Kulurkar	SA(A)	Do.	Do.
32.	Shri Lalendra Nath Singh	Do.	Do.	Do.
33.	Shri Bimal Ranjan Sarkar	SA(B)	Do.	Do.
34.	Shri Sharad Vishwanath Mayekar	Do.	Do.	Do.
35.	Shri Ramchandra Raghubardatt Sharma	SA(A)	Do.	Do.
36.	Shri Moolcheri Sukumaran Nair	SA(B)	Do.	Do.
37.	Shri Gada Dhar Mondal	Foreman	—	Do.
38.	Shri Mangesh Ravalnath Kantak	Do.	—	Do.
39.	Shri Payattiniyil Velaudhannal Balakrishnan Nair	Do.	—	Do.
40.	Shri Ramakant Dwarkanath Tungare	SA(B)	SA(C)	Do.
41.	Shri Kamal Kishore Rampal	D'man 'C'	—	Do.
42.	Shri Subhash Govind Belgaonkar	Do.	—	Do.
43.	Shri Raj Kumar Surma	Do.	—	Do.
44.	Shri Abdul Aziz Umer Dhabi	SA(B)	SA(C)	Do.
45.	Shri Narayan Vasantrao Mangalvedkar	Do.	Do.	Do.
46.	Shri Narayananpillai Shanukhan Pillai	SA(C)	—	Do.
47.	Shri Vattappilly Gopalakrishnan	SA(B)	SA(C)	1-8-79 (FN)
48.	Shri Sankarasubbier Venkateswaran	Do.	Do.	Do.
49.	Shri Angari Srinivasa Ganesan	—	Do.	Do.

No. PA/81(12)/79-R-IV—The Additional Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officers of VEC of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer Grade SB with effect from the dates indicated under Col. 5 against each, in the same Research Centre in an officiating capacity until further orders.

Sl. No.	Name	Permanent post held, if any.	Officiating as	Date
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	Tapan Kumar Chattopadhyay	SA(B)	SA(C)	1-8-79
2.	Nadarur Vijayaraghavacharya Muralidharan	SA(B)	SA(C)	16-8-79

A. S. DIKSHIT
Dy. Establishment Officer (R)

Bombay-400085, the 15th February 1980

No. 5/1/79-Estt. II/583—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned official to officiate on an ad-hoc basis as Security Officer for the period shown against his name :—

Sl. No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	P. E. Job Asstt. Security Officer	Security Officer	27-8-79 (FN)	29-9-79 (AN)
2.	P. E. Job Asstt. Security Officer	Security Officer	28-12-79 (FN)	2-2-80 (AN)

No. 5/1/79-Estt. II/585—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Administrative Officer-II/Asstt. Personnel Officer for the period shown against their names :—

Sl. No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From (FN)	To (AN)
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	S. K. Kapur Asstt. Personnel Officer	Administrative Officer-II	29-10-79	30-11-79
2.	J. R. Karnik Asstt. Personnel Officer	Administrative Officer-II	3-11-79	30-1-80
3.	V. P. Kulkarni Assistant	Asstt. Personnel Officer	29-10-79	30-11-79
4.	A. K. Katre Assistant	Asstt. Personnel Officer	3-11-79	30-1-80
5.	J. V. Naik Assistant	Asstt. Personnel Officer	3-10-79	9-11-79
6.	S. R. Ping S.G.C.	Asstt. Personnel Officer	17-12-79	2-2-80

The February 18, 1980

No. 5/1/79-Estt. II/625—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Accounts Officer-II/Assistant Accounts Officer for the period shown against their names :—

Sl. No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	K. J. George Asstt. Accounts Officer	Accounts Officer-II	5-11-79 (FN)	31-12-79 (AN)
2.	P. B. Kalanke Asstt. Accountant	Asstt Accts. Officer	5-11-79 (FN)	31-12-79 (AN)
3.	P. B. Kalanke Asstt. Accountant	Asstt. Accts. Officer	1-1-80 (FN)	Until further orders (Till a regular officer is posted vice Shri N. Gokarnesan repatriated to his parent office.
4.	G. V. Mandke Asstt. Accountant	Asstt. Accts. Officer	24-12-79 (FN)	30-1-80 (AN)

The 29th February 1980

No. Ref. 5/1/79-Estt.II/752.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri B. M. Naik, S.G.C., to officiate on an *ad hoc* basis as Assistant Personnel Officer for the period from 22nd October 1979 FN to 25th January 1980 AN.

The 3rd March 1980

No. Ref. 5/1/79-Estt.II/797.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri P. B. Karandikar, Assistant to officiate on an *ad hoc* basis as Assistant Personnel Officer for the period from 29th December 1979 FN to 29th January 1980 AN.

KUM. H. B. VIJAYAKAR
Dy. Establishment Officer
Bhabha Atomic Research Centre

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 5th March 1980

No. AMD-2/2900/79-Adm.—The resignation tendered by Shri M. Jameel Hussain Sheriff, from the temporary post of Scientific Officer/SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division, with effect from February 10, 1980, (afternoon).

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION

SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380 053, the 3rd March 1980

No. EST/CA/7047.—The Director, Space Applications Centre is pleased to appoint Shri Bhargav Natinkant Pandya as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre/Indian Space Research Organisation/Department of Space, with effect from 22nd November for a period upto 30th June 1980.

M. P. R. PANICKER
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 10th March 1980

No. A.12025/1/78-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri H. S. Rawat, to the post of Assistant Fire Officer, in the Civil Aviation Department in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 25th February 1980 (FN) and until further orders.

No. A. 32014/4/79-EC.—In modification of S. No. 3 & 4 of this Deptt. Notification No. A. 32014/4/79-EC, dated 8-1-80, the Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Communication Assistants to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis with effect from the date and station indicated against each :—

S. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge.
1	2	3	4	5
S/Shri				
1. K.G. Nair		A.C.S., Madras.	A.C.S., Madras.	7-12-79 (FN)
2. R.P. Burton		A.C.S. Bangalore	A.C.S., Madras.	18-12-79 (FN)

N.A.P. SWAMY
Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Indore, the 13th March 1980

No. 4/80.—Shri R. L. Bavria, Superintendent, Central Excise, Group 'B' M.O.R.I., Sagar in Madhya Pradesh Collec-

Shri Rawat is posted at Fire Service Training Centre Calcutta under the Regional Director Civil Aviation Department, Calcutta Region, Calcutta.

V. V. JOHRI
Dy. Director of Admn.
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 7th March 1980

No. A.32013/17/78EA.—The President has been pleased to the continuance of *ad-hoc* appointments of the following officers in the grade of Aerodrome Officer upto the 31st March 1980 or till the regular appointments are made to the grade, whichever is earlier :—

S. No., Name and Station
 1. Shri G. B. Bansal—Rajkot.
 2. Shri A. K. Jha—North Lakhimpur.
 3. Shri D. S. Chatrath—Delhi Airport, Palam.
 4. Shri D. D. Vuthoo—Srinagar.

V. V. JOHRI
Dy. Director of Admn.

New Delhi, the 7th March 1980

No. A.32013/13/79-EI.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Singh, Deputy Director, Air Safety, Civil Aviation Department to the post of Director, Air Safety, in the same Department on *ad hoc* basis w.e.f. 19th November 1978 (forenoon) upto 31st March 1980.

The 10th March 1980

No A-32013/10/79-EI.—In continuation to this office Notification No. A-32013/10/79-EI, dated 28th January 1980, the Director General of Civil Aviation is pleased to sanction the continued ad hoc appointment of Shri S. R. Bhatia, a permanent Accountant in the Civil Aviation Department to the post of Accounts Officer (Cost) in Civil Aviation Department, New Delhi for a further period of 46 days with effect from 18th December 1979 vice Shri T. P. Nellayappan, Accounts Officer (Cost) on leave and from 2nd February 1980 vice Shri S. C. Bhatia, Accounts Officer (reverted to his parent Department) for a period of three months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

C. K. VATSA
Asstt. Director of Admn.

New Delhi, the 13th March 1980

No. A.32013/3/79-EC.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/5/78-EC, dated the 6th March 1980, the President is pleased to appoint Shri R. P. Sharma at present working as Dy. Director of Communication in D.G.C.A. (HQ) on *ad hoc* basis to the grade of Dy. Director of Communication on regular basis with effect from 8th February 1980 and to post him in the same office.

No. A.32013/9/79-EC.—The President is pleased to appoint Shri P. K. Dutta-I, Assistant Communication Officer, A.C.S., Calcutta to the grade of Communication Officer on *ad hoc* basis with effect from 21st January 1980 (FN) and upto 29th February 1980 and to post him at the same station.

No. A.32013/4/79-EC.—In modification of this Deptt. Notification No. A.32013/4/79-EC, dated 8-1-80,

the following two Communication Assistants to the grade of

Assistant Communication Officer on regular basis with effect from the date and station indicated against each :—

torate Indore, having attained the age of superannuation has retired from Government service in the afternoon of 31st January 1980.

S. K. DHAK
Collector

Madras-600034, the 13th March 1980

No. IV/16/384/78CX. Adj. II.—In exercise of the powers conferred on me by sub-rule (1) of Rule 232-A of the Central Excise (seventh amendment) Rules, 1976 which came into force from 21-2-1976 it is declared that the names and addresses and other particulars specified in sub-rule (2) of the persons who have been convicted by a court under Section 9 of the Central Excise and Salt Act, 1944 and persons on whom penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act are as follows for quarter ending 31-2-1979.

Sl. No.	Name of the persons	Address	The provisions of the Act contravened.	The amount of penalty imposed
1	2	3	4	5
1.	Sree Balajee Enterprises, Madras-12. 2. S. Hariharan, Managing partner of A.I firm 3. R. Manoharan, Manager of A-1, firm. 4. Smt. M. Sivarani, Partner of A.I firm. 5. Smt. Alamelu Ammal, Partner of A. I firm. 6. Sri R. Ramachandran, Partner of A. I firm 7. Sri K.R. Sekar Authorised Managers of A.I.firm. 8. Shri M.K. Vijayaraj Authorised Managers of A.I. firm	No. 144, Strahans Road, Pattalam, Madras-12.	Section 9(1)(b), 9(1)(bb) & 9(1)(bbb) of the Central Excises and Salt Act, 1944.	(1) For the offence under Section 9(1) (b) A. 1 to A.8 were sentenced to imprisonment till rising of the court & also they were directed to pay a fine of Rs. 250/- each and in default A.2 to A.8 to undergo Rigorous imprisonment for one month each. (2) For the offence under Section 9(1)(bb) A.1 to A.3 & A.6 to A.8 were directed to pay a fine of Rs. 250/- each and in default A.2, A.3 & A.6 to A.8 to undergo Rigorous imprisonment for one month for each. (3) For the offence under Section 9(1)(bbb) A. 1 to A.3 & A.6 to A. 8 were directed to pay a fine of Rs. 250/- each and in default A.2 A.3 & A.6 to A.8 undergo Rigorous imprisonment for one month each.
(2)	Shri R.S. Gulabjan	L.5 No. 35/75 Kaveripatinam Dharmapuri.	Section 9(1)(b) 9(1)(b)(b) of Central Excises & Salt Act, 1944 read with Rules 151(c) & 223.A of Central Excise Rules, 1944.	Convicted & sentenced to pay a fine of Rs. 250/- in default to undergo Rigorous imprisonment for 2 months.
3.	Shri A.K. Govindasamy	L.5 No. 76/64 Attur.	Section 9(1)(b), 9(1)(b)(b) of Central Excises and Salt Act, 1944 read with Rules, 144(c), and 151(c) of Central Excise Rules, 1944.	Convicted and sentenced to undergo Rigorous imprisonment for 3 months under each count to run concurrently.
4.	Shri K. Manickam Chettiar	L.5 No 106/74 Nadupalayam Village.	Section 9(1)(b) & 9(1)(bb) of Central Excises and Salt Act, 1944 readwith Rule 151(c)(d) and 144 of Central Excise Rules, 1944	Convicted and sentenced to suffer Rigorous Imprisonment for 6 months. On a revision petition proffered by the party, the High Court, Madras reduced the sentence of imprisonment to the period already undergone and in addition sentenced him to pay a fine of Rs. 1000/- in default to undergo Rigorous imprisonment for one month.
5.	Shri H. Abbas S/o Shri Hussain Meeran Sahib	Tobacco Merchant L. 5 No. 5/72, Dasanaicken-patty, Salem.	Section 9(1)(b), 9(1)(b)(b) & 9(1)(b)(b)(b) of Central Excises and Salt Act, 1944 read with Rules, 29, 31, 151 and 223-A & 226 of Central Excise Rules, 1944.	Convicted and sentenced to suffer Rigorous imprisonment for 1 year.

II—DEPARTMENTAL ADJUDICATION

—NIL—

B. R. REDDY
Collector of Central Excise
Madras

CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION

Pune-411 024, the 23rd February 1980

No. 608/166/80-Adm.—The Director, Central Water and Power Research Station, Khadakwasla, Pune, hereby appoints on deputation for one year Shri V. G. Phadke to the post of Accounts Officer in the Central Water and Power Research Station, Pune, on a pay of Rs. 1040/- per month in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—FB—40—1200 with effect from the forenoon of 1st February 1980.

Shri V. G. Phadke is also entitled to deputation (duty) allowance of Rs. 160/- per month in terms of Ministry of Finance, Department of Expenditure's Office Memorandum No. 10(24)/F.III/70, dated 4th May 1961.

The appointment of Shri V. G. Phadke to the grade of Accounts Officer is made purely on temporary and *ad hoc* basis. He will have no right to claim seniority/regular promotion to the grade on account of the services rendered by him in the grade of Accounts Officer on *ad hoc* basis.

The 11th March 1980

No. 608/150/80-Adm.—Consequent upon his selection by the Union Public Service Commission, the Director, Central Water & Power Research Station, Pune-411024, hereby appoints Shri Shankar Laxman Patil to the post of Assistant Research Officer (Engineering-Mechanical) at the Central Water & Power Research Station, Pune, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of 25th September, 1979.

Shri S. L. Patil will be on probation for a period of two years with effect from the same date viz. 25-9-1979.

M. R. GIDWANI
Administrative Officer
for Director

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 17th March 1980

No. 33/11/78-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri Rajendra Vaidya a nominee of the UPSC against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group A) in the CPWD on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 (plus usual allowances) with effect from 5-2-80 (FN) on the usual term and conditions. His pay will be reflexed shortly under the rules.

2. Shri Rajendra Vaidya is placed on probation for period of two years with effect from 5-2-80 (FN).

K. A. ANANTHANARAYANAN
Dy. Director of Administration

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 14th March 1980

No. 2/2/80-Adm I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri Shanti Prasad, Statistical Assistant to the grade of Extra Assistant Director (Commercial) in the Central Electricity Authority with effect from the forenoon of 3rd March, 1980, until further orders.

S. R. KHITHA
Under Secy.

N.F. RAILWAY

Maligaon, the 14th March 1980

No. E/55/III/97(O).—Sri G. P. Verma is Confirmed as Chief Cashier (Class I) in scale Rs. 1100—1600/- with effect from 1-12-78.

2. The following Officers are Confirmed in Class II service as Assistant Accounts Officer with effect from the date shown against each :—

Name and Date from which Confirmed :

1. Shri A. R. Bhattacharjee—1-12-78.
2. Shri T. R. Pathak—1-6-79.
3. Shri B. S. Dua—1-8-79.

B. VENKATARAMANI
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Utkal Cable Industries Private Limited*

Cuttack, the 12th March 1980

No. SO-455/80-5437(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Utkal Cable Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Bhagabati and Company Private Limited*

Cuttack, the 12th March 1980

No. SO-420/80-5436(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Bhagabati and Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Sigma Steel Private Limited*

Cuttack, the 12th March 1980

No. SO-386/80-5435(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sigma Steel Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Jharan Mills Private Limited*

Cuttack, the 12th March 1980

No. SO-294/80-5434(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Jharan Mills Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Utkal Chemical and Oil Industries Limited*

Cuttack, the 12th March 1980

No. SO-89/80-5433(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Utkal Chemical and Oil Industries Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Shrikshetra Construction Company Private Limited*

Cuttack, the 12th March 1980

No. SO-390/80-5432(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Shrikshetra Construction Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Orissa Flying Club Limited*

Cuttack, the 12th March 1980

No. SO-75/80-5431(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Orissa Flying Club Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. G. C. Das and Sons Private Limited*

Cuttack, the 12th March 1980

No. SO-280/80-5430(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. G. C. Das and Sons Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Nandan Food Products Private Limited*

Cuttack, the 12th March 1980

No. SO-531/80-5429(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Nandan Food Products Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Orissa Travel Service Private Limited*

Cuttack, the 14th March 1980

No. SO-502/80-5450(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Orissa Travel Service Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Seaside Food Industries Private Limited*

Cuttack, the 14th March 1980

No. SO-660/80-5453(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Seaside Food Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Esgi Exports Private Limited*

Cuttack, the 14th March 1980

No. SO-720/80-5455(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Esgi Exports Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Orient Minerals & Traders Private Limited*

Cuttack, the 14th March 1980

No. SO-560/80-5457(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Orient Minerals & Traders Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Minwool Industries Limited*

Cuttack, the 14th March 1980

No. SO-614/80-5459(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Minwool Industries Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Rural Savings and Investment Private Limited*

Cuttack, the 14th March 1980

No. SO-755/80-5461(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Rural Savings and Investments Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Moon Zippers Private Limited*

Cuttack, the 14th March 1980

No. SO-631/80-5463(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Moon Zippers Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAUL
Registrar of Companies, Orissa

*In the matter of Companies Act, 1956 and
of M/s. Malwa Dhakar Corporation Limited*

Gwalior, the 15th March 1980

No. 1047/Yadav/989.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Malwa Dhakar Corporation Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and
of M/s Smart India Private Limited*

Gwalior, the 15th March 1980

No. 970/Yadav/992.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Smart India Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and
of M/s. Mohanlal and Mohanlal (Indore)
Private Limited*

Gwalior, the 15th March 1980

No. 872/Yadav/995.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Mohanlal and Mohanlal (Indore) Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. K. SAXENA
Registrar of Companies,
Madhya Pradesh, Gwalior

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

Cochin-16, the 25th February 1980

ORDER

Sub :—Establishment—Income-tax Officers, Group 'B'—
Issue of Promotion Orders—

C. No. 2/Estt/CON/79-80.—The following promotion and posting are hereby ordered.

2. Sri G. Jagadeesan, Income-tax Inspector, Office of the Commissioner of Income-tax, Kerala, Ernakulam, is hereby appointed to officiate as Income-tax Officer, Group 'B' in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the afternoon of 29-2-1980 or from the date he takes over charge, whichever is later, and until further orders. He will be on probation for a period of 2 years.

3. The above appointment is made on a purely temporary and provisional basis and is liable to termination at any time without notice. The appointment is also subject to the result of Original Petitions No. 4023 of 1978 and No. 263 of 1980-M before the High Court of Kerala and Civil Writ Petition No. 25/1979 filed before the Delhi High Court.

4. On promotion, Sri G. Jagadeesan is posted as Tax Recovery Officer, Quilon, vice Sri S. Gangadharan, who is retiring from service on the afternoon of 29-2-1980. If necessary Sri Gangadharan may temporarily handover the charge of Tax Recovery Officer, Quilon, to Sri T. T. Joseph, Tax Recovery Officer, Ernakulam, who will hold the Charge of Tax Recovery Officer, Quilon, in addition to his duties, until relieved by Sri G. Jagadeesan.

The 29th February 1980

ORDER

Sub :—Establishment—Income-tax Officers, Group 'B'—
Issue of promotion orders—regarding—

C. No. 2/Estt/Con/Gas/79-80.—In partial modification of this Office order of even No. dated 25-2-1980, Sri G. Jagadeesan, Income-tax Inspector, Office of the Commissioner of

Income-tax, Kerala, Ernakulam, on promotion as Income-tax Officer, Group 'B', is posted as Income-tax Officer on Special Duty, Income-tax Circle, Quilon

2. After taking charge as Income-tax Officer on Special Duty, Income-tax Circle, Quilon, Sri G. Jagadeesan is transferred and posted as Tax Recovery Officer, relieving Sri T. T. Joseph, Tax Recovery Officer, Ernakulam, of the additional charge. Sri G. Jagadeesan should take charge as Tax Recovery Officer, Quilon, on the forenoon of 1st March, 1980. All other conditions in regard to the promotion and appointments of Sri G. Jagadeesan as Income-tax Officer, stated in this Office order of even No. dated 25-2-1980, will remain unaltered.

M. S. UNNINAYAR
Commissioner of Income-tax, Kerala-I

New Delhi, the 21st February 1980

INCOME TAX

F. No. JUR/DLI-1/79-80/43955.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and in Partial modification of the notifications issued earlier on the subject C. I.T. Delhi-I, New Delhi hereby directs that the I.T.O. P.S.C. II shall have concurrent jurisdiction with the I.T.O., P.S.C.V., New Delhi in respect of persons/cases assessed/assessable by I.T.Os Private Salary Circle-V, excepting the cases assigned u/s. 127 of which may hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T. Delhi-I also authorises the I.A.C. Range-I-C to pass such orders as contemplated in sub-section (2) of the section 124 of the I.T. Act, 1961.

This notification shall take effect from 21-2-1980.

M. W. A. KHAN
Commissioner of Income-tax,
Delhi-I, New Delhi

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 18th January 1980

Ref. No. P-77/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Bungalow No. 6/8, Lal Bahadur Shastri Marg situated at (Elgin Road), Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 21-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Dr. Ram Das Kapoor as Karta of H.U.F.
2. Dr. D. K. Kapoor.

(Transferor)

(2) 1. Shri Prakash Narain Mehrotra;
2. Kashif Naresh Mehrotra.

(Transferee)

(3) Shri G. V. Lyal & others (Tenants)
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Bungalow No. 6/8, Lal Bahadur Shastri Marg (Elgin Road), Allahabad—Lease-hold, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 3290 which have duly been registered at the office of the Sub Registrar, Allahabad on 21-7-1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-1-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Padam Singh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX**ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG
LUCKNOW(2) Shri Ramchand Kumar (Major),
Shri Naresh Kumar and Dinesh Kumar,
minors through their guardian Mukund Ram.
(Father) Seller

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 22nd February 1980

Ref. No. R-144/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 124, 16 acres and 49 decimals situated at Mauza-Gajraula Jaisingh, Pargana-Thakurdwara, Distt. Moradabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 18-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot of agricultural land measuring 16 acres and 49 decimals, situate at village Gajraula Jaisingh Pargana—Thakur Dwara, Tehsil and Distt. Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and from 37-G No. 1068 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 18-7-1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-2-1980
Seal :

FORM ITNS(1) Shri Raja Jagdambika Pratap Narain Singh,
(Transferor)

(2) 1. Shri Prahlad Chandra;
2. Smt. Subhadra;
3. Smt. Kiran Agarwal;
4. Ramesh Chandra;
5. Gulab Chand Agarwal;
6. Smt. Surekha Agarwal;
7. Sh. Ram Niwas Agarwal; &
8. Smt. Snehlata Agarwal.

(Transferee)

Above seller & Tenant—
Addl. Dist. Judge, Faizabad.
(Person in occupation of the property).

(2) Above seller
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. P-78/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/13/32 situated at Civil Lines, Faizabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faizabad on 21-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHFEDULE

One boundary wall within which situate one house including 60 trees and one Kotha and land etc. having Sabik No. 4039, Hawai No. 4584, New No. 4146 and house bearing Nagar Palika No. 1/13/32 situate at Mohalla Civil Lines, Pargana Haveli Avadh, Tehsil & District Faizabad and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1914 which both have already been registered at the office of the Sub Registrar, Faizabad on 21-7-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 7-3-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
20—6GI/80

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th December 1979

Ref. No. P.R. No. 839 Acq.23/19-7/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 4371-B Ward No. 3 situated at Salabatpura, Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 11-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Maganbhai Rangildas Kantivala;
2. Narendrabha Maganbhai Kantivala;
3. Gananbhai Maganbhai Kantivala;
4. Prakashbhai Maganbhai Kantivala;
4-2434, Salabatpura, Main Road, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Mohmadhussein Noormohmed Jardavala;
2. Valimohmed Noormohmed Jardavala;
3. Gulam Mohmad Noormohmed Jardavala;
4. Abdul Hamid Noormohmed Jardavala;
3-2677, Salabatpura, Momnavad, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Ward No. 3, Nondh No. 4371-B Salabatpura, Surat duly registered at Surat on 11-7-79 vide No. 2622/79.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 20th December 1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380-009, the 27th December 1979

Ref. No. P. R. No. 841 Acq. 23/6-1/79-80.—Whereas I,

S. N. MANDAL;
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 984/1/41 Baroda Kasba, Plot No. 46 of Friends
Coop. Housing Society Ltd.,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer
at Baroda on 30-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Smt. Dharmben Chhotabhai Patel;
Power of Attorney Holder Sudhir Maganbhai
Patel; Malabar Hill, Bombay.
(Transferor)

(1) Shri Bipin Chandra Ravjibhai Patel;
C/o. Shri R. D. Amin, Milan Society,
New Race Course Road, Baroda.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 13,910 sq. ft. situated at R. S. No.
984/1/41 of Baroda Kasba, Plot No. 46, of Friends Coop.
Housing Society Ltd., Alakapuri, Baroda and fully described
as per sale-deed No. 3768 registered in the office of Sub-
Registrar, Baroda on 30-7-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Date : 27th December 1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Shri Harilal Nathabhai Dhamanwala being Karta & Manager of HUF,
2. Jasuben Harilal Dhamanwala;
3. Harishbhai Harilal Dhamanwala being the Karta & Manager & guardian of Minor son Sumit; Hira Modini Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Harishchandra Thakordas Jarivala; 2/799, Sagrampura Main Road, Surat.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 23rd January 1980

Ref. No. P.R. 856 Acq.23-II/19-7/79-80—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 956 Ward No. 2, situated at Narsing Sheri, Sagrampura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 2-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Nondh No. 956, Ward No. 2, Narsing Sheri, Sagrampura, Surat duly registered at Surat on 2-7-1979 vide No. 2516.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 23-1-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Auto Mansen Engineers' Corporation;
through : Partner Savtril K. Mazani and others;
Vallabh Vidyanagar, Anand Taluka.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th February 1980

Ref. No. P.R. No. 867 Acq.23-II/13-1/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing .

Plot No. 33 of Vithal Udyognagar, G.I.D.C. Industrial Estate situated at Vallabh Vidyanagar, (Via) Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 20-7-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) M/s. Industrial Equipment Manufacturers;
through : Partner Jasbbai P. Patel and others;
Plot No. 33, Vithal Udyognagar, GIDC Estate,
Vallabh Vidyanagar, Anand Taluka.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the (b) date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Land and industrial shed situated at Plot No. 33, Vithal Udyognagar, G.I.D.C. Estate, Vallabh Vidyanagar, and fully described as per sale-deed No. 1690 registered in the office of Sub-Registrar, Anand on 20-7-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 8-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th January 1980

Ref. No. P.P. No. 863 Acq.23-II/1763/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Nondh No. 1504 Ward No. 1, situated at Godha Sheri, Nanpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 6-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Keraben Bamansha Daruwala;
Contractor Building-18,
3rd Floor, Victoria Garden Road,
Bhaykhalla, Bombay-27.

(Transferor)

(2) 1. Shri Bhagvatilal Durgashanker Dave;
C/o. M/s. B. D. Dave,
Godha Sheri, Nanpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Godha Sheri, Nanpura, Nondh No. 1504, Ward No. 1, Surat duly registered at Surat on 6-7-1979 vide No. 2575/79.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 30-1-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th February 1980

Ref. No. P.R. No. 865 Acq.23-II/6-1/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, Bhavanipur Society situated at Nizampura, National Highway 8, Baroda and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 16-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Shivabhai G. Patel;
P. A. Holder of Rameshbhai Vithalbhai;
52, Vithalnagar Society, Kerelibaug,
Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Rameshbhai Lalaji Patel;
No. 2, Bhavanipur Society;
National Highway-8,
Nizampura, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at Bhavanipur Society (No. 2) situated on the National Highway-8, Nizampura area, Baroda and fully described as per sale-deed No. 3968 in the office of Sub-Registrar, Baroda on 16-7-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 11-2-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th February 1980

Ref. No. PR. No. 866 Acq.23-II/6-1/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 503 Race Course Road, Plot No. 1 of Sampatrao Colony, Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 17-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Indubhai Ambalal Patel;
Eastern Society, Fatehganj, Sama Road, Baroda.
Power of Attorney Holder of :—
1. Bhupendrakumar Narsinghbhai Patel;
2. Dilipkumar Narsinghbhai Patel;
3. Jagdishkumar Narsinghbhai Patel and
4. Kiritkumar Narsinghbhai Patel.

(Transferor)

(2) Bhagwan Apartment Coop. Housing Society Ltd., C/o. Hindustan Land Estate Corp., Opp. Mahajan Lane, Raopura, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the days of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at R.S. No. 503, Plot No. 1 of Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda and fully described as per four sale deeds (Nos. 1807, 1808, 2940, 2941) registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 17-7-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 6-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Sadhuram Gordhandas,
Netaji Cloth Market,
Kalupur, Kotnirang,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Minor Griven Jayendrabhai Kharawala,
Maharashtra Society,
Mithakali,
Ellisbridge, Navrangpura,
Ahmedabad,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-389 009, the 15th January 1980

Ref. No. Acq.23-I-2656(927)/1-1/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 517-2-B Paiki T.P.S. 3 of Ellisbridge, situated at E-Block, 2nd Floor, Nos. E-10, E-11, E-12 of Capital Commercial Centre, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 26-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
21—6GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An office standing on land admeasuring 1/17 of 1635.20 sq. mtr. i.e. 96.24 sq. mtr. undivided share) bearing F.P. No. 517-2-B of T.P.S. 3, Ellisbridge, situated at E-10, E-11, E-12, 2nd floor, Capital Commercial Centre, Ashram Road, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered date 26-7-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 15-1-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd February 1980

Ref. No. Acq.23-I-2581(930)/10-1/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 548, M. Ward No. 14, S. No. 41, Digvijaya Plot, Sheri No. 7, Opp : New English School, Jamnagar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jamnagar on 23-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said' Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Damodardas Jamnadas,
Rasik Tin Factory,
Nr. Bedi Gali,
Jamnagar.

(Transferor)

(2) M/s Anupam Theatre,
C/o. Anupam Theatre,
Outside Bedi's Gali,
Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor portion of the building standing on land measuring 1792 sq. ft. bearing S. No. 41, House No. 548, situated at Digvijay Plot, Sheri No. 7, Opp : New English School, Jamnagar and as full described in the sale-deed registered vide R. No. 1832 date 23-7-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 2-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd February 1980

Ref. No. Acq.23-I-2581(931)/10-I/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 548, M. Ward No. 4, S. No. 41, situated at Digvijaya Plot Sheri No. 7, Opp : New English School, Jamnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 23-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Shri Damodardas Jammadas,
Rasik Tin Factory,
Bedigali,
Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Jammadas Lalaji Solanki,
Digvijaya Plot,
Sheri No. 7, Opp : Nr. English School,
Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1st Floor of the building standing on land, admeasuring 1792 sq. ft., bearing S. No. 41, House No. 548, situated at Digvijaya Plot, Sheri No. 7, Opp : New English School, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 1833 date 23-7-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd February 1980

Ref. No. P.R. No. Acq.23-1-2918(932)/16-3/79-80.—
Whereas I, S. N. MANDAL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 21, Paiki Kanakia Plot, Jetpur.

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Jetpur on July, 1979for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);Now therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—(1) Shri Jamnadas Hamirbhai Soni,
Santacruz, S. V. Road,
"Triveni", B-3, Ground Floor,
Bombay-54.

(Transferor)

(2) Shri Bavanji Ukabhai,
Station Plot, Dhoraji,
Dist. Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Open land, Plot No. 21, Paiki, adm. 300 sq. yds. situated
at Kanakiya Plot, Jetpur, duly registered by Registering
Officer, Jetpur, vide sale-deed No. 101/573/222/July, 1979
i.e. property as fully described therein.S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 2-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Babul Vallabhdas Gadhia,
S. V. Road, Triveni, B-3, Ground Floor,
Santacruz., Bombay-54.

(Transferor)

(2) Shri Bavauji Ukabhai Gandhiya,
Station Plot,
Dhoraji,
Dist. Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd February 1980

Ref. No. Acq.23-/2918(933)/16-3/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 21, Paiki situated at Kanakiya Plot, Jetpur, on July, 1979

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land, plot No. 21, Paiki, adm. 300 sq. yds. situated at Kanakiya Plot, Jetpur, duly registered by Registering Officer, Jetpur vide Sale-deed No. 102/574/223/July, 1979, i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 2-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Bhagwatiprasad Navalshankerbhai Vyas,
Sir Lakhaji Road,
Rajkot.

(Transferor)

(2) Super Industrial Corporation—through partner Shri Vallabhdas Jethabhai,
Mavdi Plot, Sheri No. 1 & 7,
Nr. Railway Crossing,
Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th February 1980

Ref. No. Acq.23-I-2625(942)/16-6/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Industrial bldg., known as "Super Industrial Corporation" situated Mavdi Plot, Street No. 1 & 7, near Railway Crossing, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the **said Act**, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Industrial bldg. known as "Super Industrial Corporation", standing on land 550-3-134 sq. yd. situated at Patel Bawa Karsan's Plot, Mavdi Plot, Street No. 1 & 7, (Nr. Railway Crossing), Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot, vide sale-deed No. 1036/July, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shantilal Gokaldas Panchasara,
29-D, Industrial Estate, Rajkot-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th February 1980

No. Acq.23/I-2619(943)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Lekh No. 132 & 336—Plot No. 75, double storeyed building situated at Ramnagar, Nr. Commerce College, Gondal Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 24-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Ramniklal Hargovinddas Savani,
C/o K. R. Industrial Corporation,
Bhaktinagar Station Road No. 2, Rajkot-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building standing on land 264.88 sq. mtr. Lekh No. 132 & 336 Paiki—situated at Ramnagar, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot, vide sale-deed No. 4310/24-7-1979 i.c. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1980

Ref. No. P.R. No. 871Acq.23-II/79-80.—Whereas, I,
S. N. MANDAL
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Nondh No. 2541-A-3-2-, Ward No. 11 situated at Machhali
Pith, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Surat on 30-7-1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) 1. Ketiben Arachsha Bamanji Dastur;
Chikalvadi, Tardeo Road, Bombay.
2. Homi Urge Pestanji Mistry
Chikalvadi, Tardeo Road, Bombay.
3. Shri Naushirvan Arachsha Dastur;
Machhali Pith, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kanaiyalal Sunderlal Kansara,
2. Shri Navinchandra Sunderlal Kansara,
3. Shri Rajendra Sunderlal Kansara,
4. Shri Ashokchandra Sunderlal Kansara,
Khand Bazar, Lal Gate, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property situated at Nondh No. 2541-A-3-2-, Ward No.
11, Surat admeasuring 244 sq. yds. land, duly registered on
30-7-79 at Surat vide No. 2868/79.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

Date : 15-2-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd February 1980

Ref. No. P. R. No. 872Acq.23-II/19-7/79-80.—Whereas, J. S. N. MANDAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 380 paiki property situated at Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 19-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—
22—6GI/80

- (1) 1. Smt. Lilagauri Chhabildas Urfe Ashrumati Himatal Sisawala, Shyam Bhuvan, Chira Bazar, Bombay-2.
2. Smt. Bavliben Chandrakant Reshamdalal, Murli Bhagwan Nivas; Khetvadi, Bombay-4.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Mohmad Kasim Alibhai Ahmedabadi,
2. Shri Mohmad Hafiz Alibhai Ahmedabadi,
3. Shri Mohmad Sidiq Alibhai Ahmedabadi,
4. Shri Mohmad Salim Alibhai Ahmedabadi, Rani Talav, Main Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Rani Talav, Main Road, Nondh No. 380 paiki, property Wd. No. 12, Surat duly registered with the authority at Surat on 19-7-79 vide No. 1583.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 23-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri Babubhai Keshavbhai,
Tekra Falia, Katargam, Surat.
2. Smt. Vasumati Babubhai,
Tekra Falia, Katargam, Surat.
3. Shri Hemantkumar Babubhai
Tekra Falia, Katargam, Surat.

(Transferor)

(2) Tribhovannagar Coop. Housing Society Ltd.,
Secretary,
Shri Jagdishchandra Champaklal Suddivala,
Chairman :
Shri Jagjivanbhai Paragbhai Patel,
4/780, Ghasia Bldg., Tower Road, Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd February 1980

Ref. No. P.R. No. 873 Acq. 23-II/19-7/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 22,000/- and bearing No. Property at R.S. No. 22/2, situated at Ved Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 9-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at village Tunki, bearing R.S. No. 22/2 Ved Road, Surat admeasuring 3 Acre 38 Guntha of land duly registered on 9-7-79 vide No. 2608/79.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 23-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri Gulamnabi Sidhubhai,
2. Shri Gulam Mohyudin Gulamnabi,
3. Sairabibi & Gulamnabi,
Haripura, Kanskivad, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th February 1980

Ref. No. P.R. No. 874Acq.23-II/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 3014 Wd. No. 2, situated at Sagrampura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 4-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Mohammad Said Gukim Mustafa,
Shri Usmangani Manzil Mustafa,
2/3014, Sagrampura, Near Moti Masjid,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property bearing Nondh No. 3014, Wd. No. 2 Sagrampura, Surat, duly registered with Sub-Registrar on 4-7-1979 at Surat vide No. 1740.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hasmukhlal Nagindas Shah,
Pardi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gayatri Vikas Co.,
Partner : Shri Vinodrai Somabhai Naik,
Pardi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th February 1980

Ref. No. P.R. No. 875Acq.23-II/79-80.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 870-A-1-1, 871-2-+3+4, 872 situated at Pardi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on 16-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 Acre 17-23 Guntha situated at Pardi bearing S. No. 870-A-1-1, 871, 869-2-+3+4, and 872 duly registered on 16-7-79 at Pardi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri J. G. Modi,
Race Course Society,
Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Jyantilal Gordhandas Modi,
6, Diwanpara, Rajkot.
T. No. 25040 and 26984,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd February 1980

Ref. No. Acq.23-I-2689(944)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (at Diwanpara Road)—situated at 6, Diwanpara Road, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot, on 23-7-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 312-84 sq. yds. situated at 6, Diwanpara, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 4591 dated 23-7-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 23rd February 1980

Ref. No. Acq.23-I-2654(945)/1-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sub-Plot No. 1A, S. No. , 389, F.P. 61, of T.P.S. 12 situated as Asarwa, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 26-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ahmedbai Ramjanbhai,
Sodagarni Pole,
Kalupur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Ketan Co-operative Industrial Estate,
through : Chairman :
Sureshbandra Jayantilal,
677/10, Balabhai Girdharlal Market,
Cross Lane, Relief Road,
Ahmedabad.

(Transferee)

(3) Sarawati Manufacturing Works.
Asarwa, Ahmedabad.

(Person whom the under signed knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open land admeasuring 924 sq. yds. bearing S. No. 389, Sub-Plot No. 1A, F.P. No. 61 of T.P.S. 10, situated at Asarwa, Ahmedabad, and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 8401 dated 26-7-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 23-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ismailbhai Ramjanbhai,
Matawali Pole, Bhanderi Pole,
Kalupur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Ketan Co-operative Industrial Estate Ltd.,
through : Chairman :
Sureshbhai Jayantilal,
677/10, Balabhai Girdharbhai Market,
Cross Lane, Relief Road,
Ahmedabad.

(Transferee)

(4) C. J. Industries,
Asarwa, Ahmedabad.

(Person whom the under signed knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd February 1980

Ref. No. Acq.23-I-2654(946)/1-1/79-80.—Whereas, I,
S. N. MANDAL
being the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
F.P. 61, Sub-Plot No. 2-A, of T.P.S. 12,
situated at Asarwa, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ahmedabad on 26-7-1979
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have
reasons to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-
tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION 5—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 924 sq. yds. bearing
F.P. No. 61, Sub-Plot No. 2-A of T.P.S. 12 situated at
Asarwa, Ahmedabad, and as fully described in the sale-deed
registered vide R. No. 8402 dated 26-7-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

Date : 23-2-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd February 1980

Ref. No. Acq.23-I-2654(947)/1-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 389, F.P. No. 61, Sub-Plot No. 3-A, of T.P.S. 12 situated at Asarwa, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 26-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Abdulkarim Ramjanbhai, Home Sweet Home, Opp : Mirzapur Police Chowky, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Ketan Co-operative Industrial Estate Ltd., through : Chairman : Sureshbchandra Jayantilal, 677/10, Balabhai Market, Cross Lane, Station Road, Ahmedabad. (Transferee)
- (4) Saga Industries, Asarwa, Ahmedabad. (Person whom the under signed knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1115 sq. yds. bearing S. No. 389, F.P. No. 61, Sub-Plot No. 3-A, of T.P.S. No. 12, situated at Asarwa, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 8403 dated 26-7-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Saberaben Ramjanbhai,
Dhupclwali Pole,
Kalupur, Ahmedabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF
THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd February 1980

Ref. No. Acq.23-I-2654(948)/I-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 389, F.P. No. 61, Sub-Plot No. 7 of TPS 12 situated at Asarwa, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 26-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Ketan Co-operative Industrial Estate Ltd.
through : Chairman :
Sureshchandra Jayantilal,
677/10, Balabhai Girdharlal Market,
Cross Lane, Relief Road,
Ahmedabad.

(Transferee)

(4) 1. M/s. Vijaya Wood Works &
2. M/s. R. K. Patel & Co.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1847 sq. yds. bearing S. No. 389, F.P. No. 61, Sub-Plot No. 7, of T.P.S. 12 of Asarwa, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 8404 dated 26-7-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 23-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
23—6GI/80

FORM ITNS

(1) Shri Haribhai Valabhai Rabari,
Chaloda Village,
Tal : Dholka, Dist. Ahmedabad.
(Transferor)

(2) 1. Shri Ramanlal Chunilal Patel
2. Shri Devendra Ramanlal Patel,
3. Shri Sharad Ramanlal Patel,
4. Shri Rajesh Ramanlal Patel,
154, Makeriwad, Rajpur, Ahmedabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th February 1980

Ref. No. Acq.23-I-2661(949)/1-I. 79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 468, F.P. 20-A of T.P.S. 24 situated at Rajpur-Hirpur, City Taluka, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 414 sq. yds. bearing S. No. 468, F.P. No. 20-A of T.P.S. 24 situated at Rajpur-Hirpur, City Taluka, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 7808 dated 20-7-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 26-2-1980
Seal :

FORM ITNS(1) Ratna Gova Vanpariya
Keshod.

(Transferor)

(2) Mava Jiwa Kayada
Khamidaya, Taluka : Keshod.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th February 1980

Ref. No. Acq.23-1-2349(950)/1-2/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 572 situated at Keshod (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Keshod on 25-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural Land admeasuring A. 17, G-25, bearing S. No. 572, situated on Westernside to Keshod, Dist. Junagadh and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 810 in July, 1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-2-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th February 1980

Ref. No. Acq.23-I-2530(951)/11-3/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 122 situated at Kankasa, Mangrol Taluka, Dist. Junagadh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangrol on 16-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Vipra Ramniklal Vrandavandas Thakar, Kankasa, Tal. Mangrol, Dist. Junagadh. (Transferor)
- (2) Aher Govind Vejanand Chacha, Kankasa, Tal. Mangrol. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An ag. land admeasuring A. 5, G-31, bearing S. No. 122, situated at Kankasa, Tal. Mangrol, Dist. Junagadh and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 548 dt. 16-7-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 26-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) S/SHRI

1. Ramshang Laxman,
2. Harihai Ramshang,
3. Vajabhai Ramshang,
4. Bhupatbhai Ramshang,
5. Desaihai Ramshang.

Nawagam, Taluka : Sihor; Dist. Bhavnagar.

(Transferees)

(2) Shri Ravjibhai Chunibhai Amin, 87, Urmi Society, Behind New India Mills, Vadodara-390 005.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 1st March 1980

Ref. No. Acq. 23-I-2550(952)/5-5/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 230/1 situated at Nawagam, Sihor Taluka, Sihor, Dist. Bhavnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sihor on July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land adm. A-7, G-02 situated at Navagam village, Taluka : Sihor, Dist. Bhavnagar, and as fully described in the sale-deed registered vide No. 425 in July 1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-4-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kumarpal Premchandbhai Shah and Manvantiben Amritlal Shah, Vallabhipur.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sureshbhai Bhanajibhai Rathod, Vallabhipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd March 1980

No. Acq. 23-I-2549 (953)/5-5/79-80.—Whereas, I,
S. N. MANDAL,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. S No. 37-I, situated at Loliyana Village, Vallabhipur
Taluka, Dist. Bhavnagar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred, under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Sihi on July 1979,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Agricultural land admeasuring A-15, G-16, bearing S.
No. 37, situated at Loliyana Village, Taluka : Vallabhipur,
Dist. Bhavnagar, and as fully described in the sale-deed registered
vide R. No. 108 dated July 1979.

THE SCHEDULE

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 3-3-1980.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Kumarpal Premchandbhai Shah, and Manvantiben Amritlal, Vallabhipur.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhagwanbhai Jiwanbhai Parmar, Lakhana. Taluka : Vallabhipur, Dist. Bhavnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 3rd March 1980

No. Acq. 23-I-2549(954)/5-5/79-80.—Whereas, I,
S. N. MANDAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 37 situated at Ioliyana Village, Taluka : Vallabhipur, Dist. Bhavnagar,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sihor on 2nd July 1979,
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring A.6, G.0, bearing S. No. 37, situated at Ioliyana Village, Tal. Vallabhipur, Dist. Bhavnagar and as fully described in the sale-deed registered Vide R. No. 107 dated July 1979.

S. N. MANDAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-3-1980.
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Bhikhabhai Bhagsali and Others, Vill : Dolatpara, Dist. Junagadh.

(Transferor)

(2) Shri Karamshi Ladhabhai Saparia, O/S Majewad Gate, Junagadh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 4th March 1980

No. Acq. 23-I-2533(955)/11-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 8, Paiki—Agricultural land—4 Acre-3G situated at Village : Dolatpara, Dist. Junagadh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Junagadh on 11-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 4 Acre, 3 Gunthas, situated at Village : Dolatpara, Dist. Junagadh, duly registered by Registering Authority, vide Sale-deed No. 1237/11-7-1979 i.e property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 4-3-1980.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Gangaben widow of Damodarbai Kalyanbai; Nizampura, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The President; Vihalkrupa Coop. Housing Society Ltd., Nizampura, Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 4th March 1980

Ref. No. P.R. No. 889 Acq. 23-6-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. S. No. 143/1, Final Plot No. 202 situated at Nizampura, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 30-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—6GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 6080 sq. mtrs. situated at S. No. 143/1, in the Nizampura area of Baroda City and fully described as per sale deed No. 4151 and 4152 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 30-7-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 4-3-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 4th March 1980

Ref. No. P.R. No. 890 Acq. 23/6-1/79-80.—Whereas, I S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 59, T.P.S. No. 12 Plot No. 150 situated at Nizampura, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 20-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhagwanbhai Ramabhai; Nizampura, Baroda and Shri Kantilal Ramabhai; Nizampura, Baroda. (Transferor)
- (2) President; Paishwanath Coop. Housing Society Ltd., Pathar Gate, Amrut Nivas, Moti Tamboliwad, Baroda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDELE

Open land admeasuring 1 Acre and 25 Gunthas situated at C.S. No. 59, T.P. S. No. 12, Plot No. 150, in the Nizampura area of Baroda City and fully described as per sale-deed No. 4031 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 20-7-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 4-3-1980..
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Maganbhai Madhabhai Amin; Premi Bhavan, Krishna Society, Navsari.
 (Transferor)
 (2) Shri Bavanjibhai Alshibhai Kukadia; Krishna Nagar Apartment, Lunsikui, Navsari.
 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
 AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1980

Ref. No. P.R. No. 876 Acq. 23-II/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Rev. S. No. 237 paiki Plot No. 15 & 22 situated at Vijalpor, Ashapuri Road, Navsari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 17-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing Rev. S. No. 237 paiki Plot No. 15 & 22, situated at Vijalpor, Ashapuri Road, Navsari, qdmeasuring 10331 sq. ft. duly registered on 19-7-1979 at Navsari vide No. 1184.

S. N. MANDAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 27-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Vasantiben Rambhai Bhakt; Opp. Jamshed Bag, Char Pool, Navsari.

(Transferor)

(2) Shri Gulam Kadar Mohmadbhai Fruityvale; Shri Iqbalhusein Mohmadbhai Fruityvale; Tata School Road, Navsari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1980

Ref. No. P.R. No. 877 Acq. 23-II/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 236, Wd. No. 2, Tika No. 6/2 situated at Opp. Jamshed Bag, Navsari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Navsari on 24-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing House No. 236, ard No. 2, situated Opp. Jamshedbag, Navsari duly registered on 24-7-1979 with Sub-Registrar at Navsari vide No. 1415.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 27-2-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahmad Ise Adam Mitha; Kasuk, Bharuch.
(Transferor)
(2) Secretary-cum-Mantri; Shri Dipak Kantilal Shah;
Pritam Society, Bharuch.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st March 1980

Ref. No. P.R. No. 879 Acq. 23-4-3/79-80.—Whereas, I S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing Survey No. 16 parki land situated at Majampur, Bharuch, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharuch on 18-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 16 parki land, situated at Majampur, Bharuch duly registered with the registering authority at Bharuch on 18-7-79 vide No. 1071.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-3-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) Bai Kattiben Ise Odam Mitha; Kasak, Bharuch.
(Transferor)

(2) Secretary-cum-Mantri; Shri Dipak Kantilal Shah;
Pritam Society, Bharuch.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 1st March 1980

Ref. No. P.R. No. 880 Acq. 23/4-3/79-80.—Whereas, I S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 16 paiki land situated at Mojampur, Bharuch, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bharuch on 23-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 16 paiki land situated at Mojampur, Bharuch duly registered with the registering authority at Bharuch on 23-7-1979 vide No. 1091.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 1-3-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) Nirmalaben Sudbirchandra Shah; Gopipura, Bhansali Pole, Surat
(Transferor)

(2) President : Jayesh Coop. Housing Society Ltd., Smt. Vilasben Harilal Modi; 24, Swati Society, Nanpura, Timaliawad, Surat and Mantri : Shri Premchandbhai Bhogilal Doshi; Gopipura, Talla Jiva Mandir, Surat.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

**ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 3rd March 1980

Ref. No. P.R. No. 881 Acq. 23/19-7/79-80.—Whereas, I S. N. MANDAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1936/A paiki land situated at Kailashnagar Society, Majura, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 9-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Majura, Kailasnagar Society, bearing Nondh No. 1936/A paiki land, duly registered with authority at Surat on 9-7-1979 vide No. 1867.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-3-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Naginchand Chimanlal Shah; Ganjawala Apartment, Borivali (West), Bombay.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) President : Smt. Vilasben Harilal Modi; 24-Swati Society, Nanpura, Timaliawad, Surat and Mantri : Shri Premchandbhai Bhogilal Doshi; Gopipura Lalla Jiva Mandir; C/o Jayesh Coop. Housing Society Ltd., Surat.
(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 3rd March 1980

Ref. No. P.R. No. 882 Acq. 23-19-7/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 2/1936/A paiki land situated at Majura, Kailasnagar Society, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 9-7-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Majura Kailasnagar Society, Surat duly registered with authority at Surat, bearing Nondh No. 2/1936/A paiki land registered on 9-7-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kuberibhai Dhanjibhai Patel; Gotalavadi, Katargam, Surat.
(Transferor)

(2) Shri Pursottam Javaharlal Patel; and Shri Jayantilal Ramjibhai Patel; Prabhunagar Coop. Housing Society Ltd., Variavi Bazar, Saiyedpura, Surat.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009. the 3rd March 1980

Ref. No. P.R. No. 883 Acq. 23-19-7/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 468 paiki land situated at Katargam, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on F. N. 31-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Katargam bearing Survey No. 468 paiki land, duly registered at Surat in Fortnight 31-7-79 vide No. 2828.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 3-3-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
25—6GI/80

FORM ITNS—

(1) Shri Karasanbhai Gamanbhai; Gadkhol—Taluka—Ankleshwar.
 (Transferor)

(2) Ambalal Chinanlal Gandhi and others; Ankleshwar.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-II
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 3rd March 1980

Ref. No. P.R. No. 884 Acq. 23/4-1/79-80.—Whereas, I S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 184/2 situated at Gadkhol—Taluka—Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on 31-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Gadkhol—Taluka Ankleshwar bearing Survey No. 184/2 duly registered on 31-7-1979 at Ankleshwar.

S. N. MANDAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 3-3-1980.
 Seal :

FORM ITNS—(1) Shri Fakirbhai Devjibhai; Kazi Falia, Ankleshwar.
(Transferor)(2) Shri Ambalal Chimanlal Gandhi and others; Ankleshwar.
(Transferee)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 3rd March 1980

Ref. No. P.R. No. 885 Acq. 23/4-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 184/1+3 land situated at Gadkhola—Taluka—Ankleshwar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ankleshwar on 31-7-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Gadkhola Taluka Ankleshwar bearing Survey No.—184/1+3 land duly registered with the authority at Ankleshwar on 31-7-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-3-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Karsanbhai Gamnabhai; Gadkhola, Tal. Ankleshwar.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Ambalal Chimanlal Gandhi and others;
2. Shri Dhansukhlal Chunilal Mithaiwala; Ankleshwar.
(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 3rd March 1980

Ref. No. P.R. No. 886 Acq. 23/4/-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 184/2 land situated at Gadkhola—Taluka—Ankleshwar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ankleshwar on 31-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Gadkhola—Taluka Ankleshwar bearing Survey No. 184/2 duly registered at Ankleshwar on 31-7-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 3-3-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Shardulsinh Udaysinh Mahida—P. A. Holder
of Vijaysinh Udaysinh Mahida;
Village : ChhediChha; Post : Kasmada,
Dist. Surat.

(Transferor)

(2) 1. Shri Shashikant Chhotalal Sheth;
2. Shri Jaymanben Shashikant Sheth,
3. Shri Vandan Shashikant Sheth,
all residing at
B-11, 2nd Floor, Dina Pariwar, Nanpura,
Tamilavad, Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDIOMM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1980

Ref. No. P.R. No. 891 Acq. 23-19-8/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 1482 known as Plot No. H/4 Sr. No. 62, situated at Adarshnagar Coop. Society, Athwa, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 25-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 209D of the said Act, to the following persons, namely :—

Property situated at Adarshnagar Coop. Housing Society, Athwa, Surat bearing Sur. No. 1482, Plot No. H/4, Index No. 62 duly registered at Surat on 25-7-79 vide No. 2807.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 6-3-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1980

No. Acq. 23-I-2601(958)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 123 Paiki Plot No. 148 situated at Bedipara—towards Rajkot Wadhwana Road, Rajkot (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 31-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohanlal Trikamji of Bombay-52—being Power of Attorney holder of—Shri Dayakunver Hirala,
2, Shakti Bhawan, Ghod Bander Road, Bombay-52.
(Transferor)

(2) Shri Ramji Parmar,
C/o, Shri Bedipara Rajput Mandal,
Bedipara, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 123 Paiki Plot No. 148, situated at Bedipara—towards Rajkot Wadhwana Road, Rajkot (southern side) S. No. 123—duly registered by Registering Officer, Rajkot Vide sale-deed No. 4770 dated 31-7-1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 6-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohanlal Trikamji Thakker,
72, Shakti Bhawan, S. V. Road,
KHAJUR (West), Bombay-52.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Ramji Parmar,
C/o, Shri Bedipara Rajput Mandal,
Bedipara, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. Acq. 23-I-2601(959)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 123, Paiki Plot situated at Bedipara—towards Rajkot Wadhwan Road, Rajkot (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 31-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 123 Paiki Plot—situated at Bedipara—towards Rajkot Wadhwan Road, Rajkot (southern side)—duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 4771 dated 31-7-1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 6-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) (1) Shri Gunvantrai Parshottam Zaveri,
- (2) Shri Mukundrai Parshottam Zaveri,
- (3) Shri Manharlal Parshottam Zaveri,
All at "Zaveri Bhawan", Rajmahal Road,
Verawal.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

- (2) Aradhana Cinema,
through : Partners :
Shri Gunvantrai Parshottam Zaveri & Others,
Verawal.

(Transferee)

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1980

No. Acq. 23-I-2509(960)/11-6/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 308 Paiki Property known as "Zaveri Bhawan" situated at Rajmahal Road, Verawal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Verawal on 18-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property known as "Zaveri Bhawan"—at S. No. 308 Paiki standing on land 2413.90 sq. mtrs. situated at Rajmahal Road, Verawal, duly registered by Registering Officer, Verawal, vide sale-deed No. 451/18-7-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jayantilal D. Sinroja,
Kandivali, Industrial Estate, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kuntaben Jamnadas Gajjar,
4, Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1980

No. Acq. 23-I-2505(961)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 390, Plot No. 4, situated at Gondal Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 21-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—6GI/79

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land adjoining measuring 1529.40 sq. yds. bearing S. No. 390, Plot No. 4, situated at Gondal Road and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 3215 dated 21-7-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 6-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chandrakant Keshavlal Depala,
Dudhrej Road, Surendranagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Durga Builders,
through : Parop.
Shri Pradhumna Bhurubha,
Wadhawan City,
Dist. Surendranagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1980

No. Acq. 23-I-2540(962)/18-5/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1770—Paiki Plot No. 2 to 5, situated at Surendra Nagar District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 1770—Paiki Plot No. 2 to 5, adm. 1261 2 sq ft.—City Survey No. 5358—situated at Surendranagar District—duly registered by Registering Officer, Wadhawan vide Sale-deed No. 1936/July, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Haridas Pradhanbhai Vithalani,
"Jay Niwas", Opp. : Parekh Street,
Ghad Bander Road, Kandivili,
Bombay-67.

(Transferor)

(2) Shri Amratlal Madhvajibhai,
Raiya Road,
Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1980

No. Acq. 23-I-2622(963)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 451 Plot No. 10-A, adm. 165-1-36 sq. yd. situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 451, Plot No. 10-A, adm. 165-1-36 sq. yds. situated at Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot Vide sale deed No. 4550/79/July, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 6-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1980

No. Acq. 23-I-2622(964)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 451, Plot No. 10-B, adm. 171-1-0 sq. yds. situated at Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Haridas Pradhanbhai Vithalani,
"Jay Niwas", Opp. : Parekh Street,
Ghad Bander Road, Kandivili,
Bombay-67.

(Transferor)

(2) Shri Janakrai Chhatrabhuj Thakker,
Raiya Road,
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 451, Plot No. 10-B, adm. 171-1-0 sq. yds. situated at Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide Sale-deed No. 4551/79/July, 1979 i.e. property as fully described therein.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Haridas Pradhanbhai Vithalani,
"Jay Niwas", Opp. : Parekh Street,
Ghad Bander Road, Kandivili,
Bombay-67.

(Transferor)

(2) Shri Amarsinhbhai Mayjibhai Tank,
Vaniawadi Street No. 1,
Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDI OOM HOUSE; ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1980

No. Acq. 23-1-2622(965)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 451—Plot No. 10-C adm. 177-4-32 sq. yds. situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 451—Plot No. 10-C—adm. 177-4-32 sq. yds. situated at Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 4552/July, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 6-3-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1980

No. Acq. 23-I-2622(966)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 451—Plot No. 10-D adm. 183-5-112 sq. yds. situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Haridasbhai Pradhanbhai Vithalani,
"Jay Niwas", Opp : Parekh Street,
Ghad Bander Road, Kandivili,
Bombay-67.

(Transferor)

(2) Shri Chhaganlal Laljibhai Kataria,
"Kataria Mansion", Raiya Road,
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 451, Plot No. 10-D, adm. 183-5-112 sq. yds. situated at Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot, vide sale-deed No. 4553/July, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 6-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Naliniben Chandubhai,
C/o. Labhsanker Tribhovandas,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Vallabhbhai Vasrambahai,
Prahald Plot Road,
Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1980

No. Acq. 23-1-2597(967)/16-6/79-80.—Whereas, I,
S. N. MANDAL,
being the Competent Authority under section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 451—Paiki Plot No. 41—sq. yds. 165-6-108 situated
at Raiya Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Rajkot on July 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value
of the aforesaid property, and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act,
I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid
property by the issue of this notice under sub-section (1)
of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of the
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from a service of notice on the respective
persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Open land of S. No. 451 Paiki Plot No. 41—Paiki—sq. yds.
165-6-108—situated at Raiya Road, Rajkot, duly registered
by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 4108/4-7-79
i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 6-3-1980

Seal :

FORM ITNS ——

(1) Smt. Naliniben Chandulal,
Co. Labhshanker Tribhovandas,
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kanubhai Chhaganlal Pandya,
Prahald Plot, Main Road,
Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. Acq. 23-I-2597(968)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 451—Paiki Plot No. 41, Paiki sq. yds. 103-8-0 and 103-8-0 sq. yds. Ralya Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land of S. No. 451, Paiki Plot No. 41, Paiki sq. yds. 103-8-0 and 103-8-0 sq. yds. situated at Ralya Road, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 4111/4-7-79 and 4112/4-7-79 respectively i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 6-3-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Smt. Naliniben Chandulal,
C/o. Labhshanker Tribhovandas,
Ahmedabad.
(Transferor)

(2) Shri Vallabhbhai Vasrambahai Patel,
Prahalaad Plot, Main Road,
Rajkot.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1980

No. Acq. 23-I-2597(969)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 451—Paiki Plot No. 41, Paiki sq. yds. 103-8-0 and 103-8-0 situated at Raliya Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 4-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land of S. No. 451, Paiki Plot No. 41, Paiki sq. yds. 103-8-0 and 103-8-0 sq. yds. situated at Raliya Road Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot—vide sale-deed No. 4109/4-7-79 and 4110/4-7-79 respectively i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—
27—6GI/80

Date : 6-3-1980

Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Chhaganlal Zaverchand Shah;
Sonivad, Billimora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th March 1980

Ref. No. P. R. No. 892 Acq. 23-II/79-80 —Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. City Sur. No. 3247 Paiki land situated at Deshra, Billimora (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi on 10-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) President :
Shri Mohanlal Zaverchand Shah;
Vanka Mahollo, Billimora;
C/o Shivanjali Coop. Housing Society.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Deshra, bearing City Survey No. 3247 admeasuring 1784-48-72 sq. mts. duly registered at Gandevi on 10-7-79 vide No. 1184.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 10-3-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Mukundrai Hargovinddas Trivedi and Others.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Sh. Monpara Laljibhai Mohanbai,
(2) Shri Monpara Hirabhai Monabhai.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th March 1980

No. Acq. 23-I-2554(970)/5-I/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 117, 118, 119 Paiki Plot No. 20 situated at Rua Gam i.e. Village Rua, Dist. Bhavnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 9-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 117, 118, 119—Paiki Plot No. 20, adm. 517-93 sq. mtrs, situated at village Rua, Dist. Bhavnagar, duly registered by Registering Officer, Bhavnagar, vide sale-deed No. 1315/July, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Hārilal' Muljibhai Thakkar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) (1) Mr. Mohanbhai Vashram,
Post at Khokhra,

(2) Mr. Jodhabhai Bijalbhai, Post at Khokhra,

(3) Mr. Nasinbhai Amarabhai, Post at Surka.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th March 1980

No. Acq. 23-1-2558(971)/5-1/79-80.—Whereas, I,
S. N. MANDAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. Vacant Plot area 1250 sq. yds., situated at Ghoga Road Nr. Merv Baug
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhavnagar on 21-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant Plot of land area 1250 sq. yds. Ghogha Road Nr. Merv Baug, duly registered by Registering Officer, Bhavnagar, vide sale-deed No. 1419/21-7-1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I,
 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dilipkumar Narottambhai Purohit,
19, Raghuvir Park,
Rajkot.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (1) Shri Amratlal Ramjibhai Mehta,
(2) Smt. Taragauri Amratlal Mehta,
Both at Janta Society,
Rajkot.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th March 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

No. Acq. 23-I-2598(972)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 42—Paiki—Aghat Lekh No. 120 and 3, situated at Raghuvir Industries Compound, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 6-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building bearing plot No. 42—Paiki—Aghat Lekh No. 120—on land 155 sq. yds. situated at Raghuvir Industries Compound, Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale deed No. 3539/6-7-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10 3-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nandlal A. Mehta,
Dr. Radhakrishna Society,
Raiyya Road,
Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th March 1980

No. Acq. 23-I-2623(973)/16-6/79-80.—Whereas, I,
S. N. MANDAL,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 54/0—Paiki—Building on land 280-0 sq. yds.
situated at Bhaktinagar Society, Rajkot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering officer
at Rajkot on July, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(2) (1) Shri Vithaldas Nathalal Makwana,
(2) Shri Vasantilal Nathalal Makwana,
Both at Tagore Road,
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Building bearing Plot No. 54/0—Paiki standing on land
admeasuring 280-0 sq. yds. situated at Bhaktinagar Society,
Rajkot duly registered by Registering Officer, vide sale-deed
No. 4457/July, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons named :—

Date : 10-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th March 1980

Ref. No. P. R. No. 983 Acq 23-II/1684/19-8/79-80.—
Whereas, I, S. N. MANDAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1636-A-2 situated at Tappura Street, Suthar Mohollo, Nanpura, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5-7-1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Partners of M/s. R. Manibhai & Co.,
 - 1. Shri Ravjibhai Bhajibhai Patel;
 - 2. Shri Chhanabhai Bhajibhai Patel;
 - 3. Shri Manibhai Bhajibhai Patel;
 - 4. Shri Parsottambhai Manibhai Patel;

Village : Ode, Tal. Anand.

(Transferor)

- (2) 1. President :
Shri Ambalal Lallubhai Patel;
Divyesh Apartments Coop. Hsg. Society Ltd.
Kakaji Street, Nanpura, Surat.
Resi : Sarpanch Mabollo, Adajan Patia, Surat.
- 2. Secretary :
Shri Janak Dhirubhai Desai;
Sangadiavad, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property situated at Nanpura, Ward No. 1, Sur. No. 1636-A-2 admeasuring 481 sq. yds. duly registered on 5-7-79 vide No. 2565.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 11-3-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Harish Khushaldas,

(Transferor)

(2) Shri Teja Mema Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th March 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

No. Acq. 23-I-2563(974)/12-I/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 36, Sector No. 4 situated at Dist. Anjar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Anjar on July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Land Plot No. 36, Sector No. 4, situated at Anjar District duly registered by Registering Officer, Anjar, vide sale-deed No. 641-642/July, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009(1) Mahavishnu Madansinhji Rajput
Chhatralaya Trust
through : Hon. Secretary Shri Jadeja V. J. of Bhuj
Ghanshyamnagar, Block No. 4,
Bhuj.

(Transferor)

(2) Shri Manharlal Lalji Geria,
Ganpati Bhawan,
Opp : Babunshapir, Bhuj.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380 009, the 12th March 1980

No. Acq. 23-I-2564(975)/12-2/79-80.—Whereas, I,
S. N. MANDAL,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have
reason to believe that the immoveable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
CS. Sheet No. 200 inquiry No. 31, Part Plot No. 8
situated at Bhuj
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bhuj on July, 1979
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952
(27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land admeasuring 264-43 sq. mtrs. bearing City Survey
Sheet No. 200—Inquiry No. 31, Part Plot No. 8, situated at
Bhuj, duly registered by Registering Officer, Bhuj, vide sale-
deed No. 1170/July, 1979 i.e. property as fully described
therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
28—6GI/80

Date : 12-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDILOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th March 1980

No. Acq. 23-I-2522(976)/11-4/79-80.—Whereas, I,

S. N. MANDAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant Plot of land situated at Porbandar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Porbandar on 9-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Shri Narottamdas Mohanlal Takwani and Others,
Sudama Road,
Porbandar.

(Transferor)

(2) Shri Dineshkumar Kantilal Bamta,
Vadi Plot, Street No. 2,
Porbandar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A vacant plot of open land of sq. yd. 400 duly registered by Registering Officer, Porbandar, vide sale-deed No. 2540/9-7-1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-3-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD**

Ahmedabad-380009, the 12th March 1980

Ref. No. Acq.23-1-2572(977)/10-5/79-80.—Whereas, I.

S. N. MANDAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 10, AO-17-G Paiki Plot No. 2, land situated at Kalawad Talpad, Kalawad Distt. Jamnagar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kalawad on July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Luhar Harjivan Vas ram,
Bholeshanker Society, Behind Vikram Mill,
Saraspur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Doshi Dhirajlal Popatla,
Darbaigadh Sheri, Kalawad (Shitala),
Distt. Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 5670 sq. ft. at Kalawad Talpad, Non-agricultural S. No. 10, Paiki Plot No. 2, situated at Kalawad, duly registered by Registering Officer, Kalawad, *vide* sale-deed No. 707/17-7-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 12-3-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 12th March 1980

Ref. No. Acq. 23-I-2525(978)/11-4/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 3 Sheet No. 143—Building situated at Wadi Plot, Porbander (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Porbander on July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Karsanbhai Nermabhai,
of Vill : Garge,
Distt. Porbander.

(Transferor)

(2) Shri Harsukhlal Nathubhai,
Opp : Natverlal Oil Mill, Wadi Plot,
Porbander.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building standing on land 255-2-9 sq. yds. Lekh Reg. No. 368 of 1942-43—C.S. No. 3 Sheet No. 143 situated at Wadi Plot area at Porbander duly registered by Registering Officer, Porbander vide sale-deed No. 2655/20-7-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-3-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 12th March 1980

Ref. No. Acq.23-I-2523(980)/11-4/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. Ward No. 3, S. No. 2904 Paiki, situated at Kamla Nehru Park, Porbander (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Porbander on July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Laljibhai Jivanbhai Lakhani,
& others,
Vilage : "GOSA",
Distt. Porbander.

(Transferor)

(2) Shri Patabhai Rambhai
Village : Garag,
Distt. Porbander.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 445 sq. yds. Paiki bearing C.S.W. No. 3, S. No. 2904 situated at Kamla Nehru Park, Porbander, duly registered by Registering Officer, Porbander vide sale-deed No. 2532/9-7-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 12-3-80
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Laljibhai Jivanbhai Lakhani
Vill : "Gosa",
Distt. Porbander.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 12th March 1980

Ref. No Acq. 23-I-2523(980)/11-4/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing CS. Ward No. 3, S. No. 2904, Paiki, situated at Kamla Nehru Park, Porbander (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Porbander on July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Sekabhai Rambhai Antrolia,
Village : Garej,
Distt. Porbandar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 445 sq. yd. Paiki bearing C.S.W. No. 3, S. No. 2904, situated at Kamla Nehru Park, Porbander, duly registered by Registering Officer, Porbander vide sale-deed No. 2534/9-7-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-3-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 12th March 1980

Ref. No. Acq. 23-I-2523(981)/11-4/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing CS. No. Ward No. 3, S. No. 2904 Paiki situated at Kamla Nehru Park, Porbander (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Porbander on July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Laljibhai Jivanbhai Lakhani & Others,
Village : GOSA,
Distt. Porbander.

(Transferor)

(2) Shri Kanabhai Rambhai Gareja,
Village : Garej,
Distt. Porbander.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 464 sq. yds. Paiki bearing C.S.W. No. 3, S. No. 2904 situated at Kamla Nehru Park, Porbander, duly registered by Registering Officer, Porbander, vide sale-deed No. 2533/9-7-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 12-3-80

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 12th March 1980

Ref. No. Acq.23-I-2555(982)/5-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 21-A situated at Satyanarayan Road, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 7-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Chandrakanta Kantilal Rawal
Shri Kantilal Bhayshanker Rawal
Shri Umakant Bhayshanker Rawal
Satyanarayan Road,
Plot No. 24,
Bhavnagar.

(Transferor)

(2) (1) Arunaben Ghansyambhai Parikh
(2) Urmilaben Kanaiyalal Parikh
(3) Jyotiben Bipinchandra Parikh
C/o. Shri Trambaklal Savailal Parikh,
Havelivali Sheri,
Bhaga Talav, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 975 sq. mtrs. bearing Plot No. 21, situated at Satyanarayan Road, Bhavnagar and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 1308 dt. 9-7-79.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 12-3-80

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri Iqbal Singh Monga, (2) Sh. Talok Singh Monga & (3) Sh. Attar Singh Monga sons of S. Kartar Singh Monga R/o. 32/42, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) (1) Shri Hari Om Parkash Bhalla, (2) Subhash Bhalla, (3) Ashok Bhalla & (4) Ajayvir Bhalla ss/o sons of Dewan Chand Bhalla of 3489 Aryapura S. Mandi, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/7-79/2689.—Whereas, I. R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32, Road No. 42 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bearing Plot No. 32, on Road No. 42, mg. 1140.49 sq. yds at Punjabi Bagh, area of vill. Madipur Delhi State Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 10-3-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
29—6GI/80

FORM ITNS

(1) Shri Surjan s/o S. Bhai Gurmukh Singh R/O 23/41,
Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S. Tarlochan Singh s/o Seth Kesh Ram got
1/2 share Harvinder Singh got 1/4th share &
Bhupinder Pal Singh got 1/4th sons of Sh. Tarlochan
Singh 4/57, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/7-79/2696.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23 Road No. 41 situated at Punjabi Bagh, Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

THE SCHEDULE

House on Plot No. 23, on Road No. 41, in Class A, mg 2209.26 sq. yds. at Punjabi Bagh, area of vill. Madipur Delhi State, Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 10-3-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/7-79/5513.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 8/5, Alipur Road, situated at Civil Lines, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri L. N. Gadodia & Son Ltd., through Director Sh. Taj Pal Gadodia s/o Ram Gopal Gadodia, r/o 89, Alipur Road, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Satya Narayan S/o Sh. Kashi Ram & Smt. Tofa Devi W/o Sh. Satya Narayan R/o 3635, Mori Gate, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereinbelow are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A Double Storeyed house No. 8/5, Alipur Road, Civil Lines, Delhi. With land underneath 131.96 Sq. Mts.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/7-79/5565.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. A-43 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Krishan Lal, (2) Sh. Subhash Chander, (3) Sh. Avinash Chander, (4) Sh. Des Deepak, (5) Sh. Mukesh & (6) Sh. Gulshan Rai Sons of Late Sh. Madan Lal Trehan of A-43, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gulshan Oberoi and (2) Sh. Manmohan Oberoi Sons of Sh. Manak Chand of B13/14, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ Storeyed building on Plot No. A-43, measuring 378 sq. yds., at Rajouri Garden, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 10-3-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II,**

4/14A, ASAFAI ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/7-79/2706.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at on North West Avenue Road, Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Rohini Oberai W/o Late Lt. Col. Dhan Raj Oberai D/o Late Lt. Col. Ncchal Dass Puri R/o 1, West North Avenue Road, Punjabi Bagh, Delhi herself and attorney of her Brother Sh. Hari Chandra Puri & Avinash Chander Puri.

(Transferor)

(2) Shri Ram Sarup, (2) Sh. Om Parkash Sons of Sh. Hira Nand, (3) Ved Vias & Mohinder Pal sons of Ram Sarup D-3/65, Janakpuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 1, On North West Avenue Road, Punjabi Bagh, area of vill. Madipur Delhi State, Delhi, measuring 2545 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 10-3-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/7-79/2740.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18 Road No. 26 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Bhaj Batra s/o Shri Tara Chand Batra R/o 6/14, East Punjabi Bagh Delhi. (Transferor)

(2) Shri Suresh Kukreja and (2) Sh. Anil Kukreja sons of Dr. K. Kukreja R/o 18/26, East Punjabi Bagh Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House, on Plot No. 18, on Road No. 26, mg. 555.33 sq. yds. at Punjabi Bagh (East) area of vill. Shakurpur Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 10-3-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Singh s/o Sh. Diwan Chand R/o 2/80
Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Chawla W/o Sh. S. L. Chawla R/o
5/19 Punjabi Bagh, Delhi and Sh. Prem Chawla
s/o Sh. S. L. Chawla R/o 2/80, Punjabi Bagh,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/7-79/2742.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2 Road No. 80 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on July 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property on Plot No. 2 on Road No. 80 mg. 1190 sq. yds. at Punjabi Bagh area of vill. Bassal Darapur Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 10-3-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/7-79/2692.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 on Road no. 57 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Tarlochan Singh S/o Sh. Kesho Ram R/o. 4/57, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Manjit Kaur W/o S. Darshan Singh Dhall, Sh. Surinderbir Singh Dhall, 10/57, Punjabi Bagh, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1½ Storeyed house on Plot No. 4, on Road No. 57, mg. 563.89 sq. yds. at Punjabi Bagh area of vill. Madipur Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Raj Rani Chopra W/o late Ram Dev Chopra
R/o D-74, Vivek Vihar, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 15th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/7-79/5558.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XI/2848 situated at Gali Bahishtan Darya Ganj, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on July 1979 at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Smt. Sarla Sehgal W/o Sh. Narotam Lal Sehgal R/o 2130 Kucha Dhakni Rai, Daryaganj, Delhi and Smt. Asha Kapoor W/o Sh. Yash Pal Kapoor of 930, Kucha Kabool-Attar Ch. Chowk, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Free hold Property No. XI/2848 Gali Bahishtan Darya Ganj, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-3-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 15th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/7-79/5616.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-6/18 situated at Rana Partap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Har Parshad Gupta S/o Sh. Shivsahai, Ram Avtar, Ram Kishan, Rai Bahadur and Ramesh Chander Sons of Sh. Har Parshad Gupta, R/o No. D-6/18, Rana Partap Bagh, Subzi Mandi, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Sunil Kumar S/o Sh. Krishan Lal R/o. House No. 8935, Naya Mohalla, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storey house bearing No. D-6/18, situated in the abadi of Rana Partap Bagh Illaqa Subzi Mandi, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 15-3-1980.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Teju Ram S/o Sh. K. R. Ganatra R/o 2865
Bulbuli Khana, Bazar Sita Ram, Delhi.
(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 15th March 1980

Ref. No. IAC-Acq-II/SR-1/7-79/5562.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2865 Ward No. IX situated at Bulbuli Khana, Bazar Sita Ram, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One House No. 2865 Ward No. IX situated in Bulbuli Khana, Bazar Sita Ram, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-3-1980.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 15th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/79/2700.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 91 Block J-8 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Urmila Chadha W/o Sh. Inderjit Chadha R/o 527, Whitton Avenue West Green Ford, Middlesex, United Kingdom, through her attorney Sh. Suresh Chander Gupta S/o Sh. Sita Ram, Professor & Head of Elect. Agr. University, Pant Nagar, U.P.

(Transferor)

(2) Shri N. C. Soni S/o Sh. T. L. Soni of J-46, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Free-hold plot of land bearing Plot No. 91 Block 1-8 of 160 sq. yds., Rajouri Garden, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-3-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hariqbal Singh Bali S/o Sh. Dharam Singh
R/o J-5/85, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gurdip Singh s/o Sh. Karam Singh
R/o A-1/13, Krishan Nagar, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF Ali ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 15th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/7-79/2709.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. J-5/85 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as property within 45 days from the date of the publication shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. S. House No. J-5/85, measuring 160 sq. yds. at Rajouri Garden area of vill. Tatarpur Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Lakshman Swaroop S/o Sh. Nathu Singh,
K-5/5 Model Town, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI
4/14A, ASAFA LI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/7-79/5581.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. K-5/5 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the result of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Single Storeyed building bearing No. K-5/5, Model Town, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th March 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/7-79/5599.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 777 Ward No. 1, situated at Nicholson Road, Kashmeri Gate, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Rajeshwari W/o Sh. Anwar Khan & Sh. Anwar Khan S/o Sh. Mehboob Khan
R/o No. 6, Siri Ram Road, Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Hardit Kaur W/o Sh. Narain Singh and Sh. Dharam Bir Singh S/o Sh. Narain Singh
R/o No. C-125, Greater Kailash, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property bearing No. 777 in ward No. 1, situated in the abadi of Nicholson Road, Kashmeri Gate, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 20-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Om Parkash Taneja S/o Sh. Bhola Ram Taneja of 4/37, W.E.A., Karol Bakh, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Harbans Lal Dhupar S/o Sh. Gian Chand Dhupar of T-474, Ahatta Kidara, Near Water Tank, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th March 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/7-79/5510.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

G-13 situated at Bali Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. G-13, Bali Nagar, area of vill. Bassai Darpur, Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 20-3-1980
Seal :

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s. Rentiers & Financiers Pvt. Ltd.,
10-Haily Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DFLHT-110002

New Delhi, the 20th March 1980

(2) Smt. Pushpa Singhal w/o Sh. G. N. Singhal
R/o A-191, Defence Colony, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/7-79/5585.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-3, 45 situated at Mall Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
31—6GI/80

Date : 20-3-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhagwan Dass Tandon,
18/273 New Moti Nagar, Karampura,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Krishan Gopal Kapoor,
Kapoor Building, Gali No. 4,
Rajgarh, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th March 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/7-79/5561.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 6, Mpl. No. 67/4 situated at building known as Madras House, Darya Ganj, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 6, of the building known as Madras House, Municipal No. 67/A, Darya Ganj, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-3-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 15th January 1980

Ref. No. 133-A/Hapur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 21-11-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) S/Shri Satya Prakash s/o Late Shri Pyare Lal self and Mukhtyar Aam Minjanib Shri Ratan Prakash, Shri Anand Prakash and Shri Ved Prakash son of Late Shri Pyare Lal r/o Radha Bhawan Chandi Road, Hapur, Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Kumar s/o Shri Jagdish Prasad r/o Mauja : Burj Kasba Hapur, Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Pukki Shop No. 213 and Jena No. 214 measuring 19 sq. yds situated at Khirki Bazar, Hapur Distt. Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-1-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th January 1980

Ref. No. 330-A/PN/Hapur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hapur on 21-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Satya Prakash s/o Late Shri Pyare Lal r/o Radha Bhawan Chandi Road, Hapur Distt, Ghaziabad Self & Mukhtyar Aam Minjanib Shri Ratan Prakash, Anand Prakash and Ved Prakash sons of Late Shri Pyare Lal r/o Radha Bhawan Chandi Road, Hapur, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar s/o Shri Jagdish Prasad r/o Mauja : Burj, Kasba : Hapur, Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A Pukki Shop measuring 16 Sq. yds. No. 212 situated at Mouja : Khirki Bazar, Kasba : Hapur, Distt. : Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-1-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Mr. James Robert Neal s/o Mr. Late M. G. Neal
r/o 7/109-A, Swaroopnagar, Kanpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shashi Oberoi w/o Shri Jag Mohan Oberoi
r/o 7/202-A, Swaroopnagar, Kanpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th January 1980

Ref. No. 1246-A/Kanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PFR SCHLD'LLE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 15-10-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

A Portion of House No. 7/109-A measuring 425 sq. yds. situated at Swaroopnagar, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-1-1980

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Charan Singh s/o Shri Hariram
r/o Khindaura, Parg. Teh. Baghpat,
Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Pal Singh s/o Shri Onkar Singh,
Smt. Sukhbir Singh w/o Krishna Pal Singh
r/o Khindaura, Parg. & Teh. Baghpat,
Distt. Meerut.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th January 1980

Ref. No. 1001-A/P.N./Baghpat/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Baghpat on 27-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 552/5f2+10, 6207If3+9 situated at Vill : Khindaura, Parg. & Teh. Baghpat Distt. Meerut,

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-1-80

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Charan Singh s/o Shri Hatiram
r/o Khindaura, Parg. & Teh. Baghpat,
Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Naveen Kumar, Niraj Kumar S/o Shri Krishna
Pal, Vilayat Onkar Singh Babakhud
r/o Khindaura, Smt. Sarita w/o Harish
r/o Nagla Kavir Teh. Jansath, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th January 1980

Ref. No. 1002-A/Baghpat/79-80.—Whereas I, B. C.
CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baghpat on 27-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 532 measuring 1011s1+1 situated at Vill : Khindaura, Parg : & Teh. Baghpat, Distt. Meerut.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-1-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th January 1980

Ref. No. 1395-A/Meerut/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Meerut on 26-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. K. Puri s/o Late Mulakhraj, Smt. Uampuri w/o Late Shri C. K. Puri, Smt. Priyata, w/o Late Shri H. K. Puri, Smt. Achla Sethi w/o Shri H. R. Sethi
 1/o 223 West and Road, Meerut Cantt.
 (Transferor)

(2) Smt. Kusumlata w/o Tara Chandra Shastri, Shri Fateh Chandra s/o Shri Ghanshyam Dass, Shri Tara Chandra s/o Gobardhan Singh, Shri Rajendra Prasad s/o Nakli Ram, Madan Lal and Shri Pravin s/o Fateh Chandra r/o Westand Road, Meerut Cantt.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 223, Westand Road, Meerut Cantt measuring 4003.13 Sq. mtr.

B. C. CHATURVEDI
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-1-1980

Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri Rajaram s/o Mingat Ram
r/o 28, Hari Bhawan, Mohalla : Sat, Kasba :
Roorkie Parg. & Teh. Roorkie,
Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Dr. Rajendra Pal s/o Madan Mohan Gupta,
r/o Kasba : Purkaji Post : Khas,
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th February 1980

Ref. No. 892-A/Roorkie/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Roorkie on 20-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot, Municipal No. 1 measuring 4500 Sq. ft. situated at Ambertalab Eastern Tolevil Land Roorkie, Distt. Saharanpur.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Ass'tl. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
32—6 GI/80

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S/Shri Amolak Rai Obrai, Arvind Kumar Obrai
Attorney Amrit and Amrit Kumar Obrai
r/o 10, Municipal Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Jaganand Joshi s/o Shri Rudri Dutt Joshi
r/o 37/3, Mehra Road, Dehradun.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 14th February 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 532-A/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dehradun on 12-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural Land Khasra No. 363, 364, 369, 371, 372 measuring 2 Bigha, 19 Biswas and 7 1/2 Biswansi situated at Dhamtpur, Teh : & Distt: Dehradun.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Shanti Devi Bhatnagar, r/o Enta Rori, Bulandshahar.
(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar, Pradeep Kumar, Daleep Kumar
s/o Shri Omeshwar Dayal Singh, Advocate,
Bulandshahar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 19th December 1980

Ref. No. 937-A/Bulandshahar/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 3-9-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Old Construction Situated at Mohalla Civil Lines Area Chandpur Road, Bulandshahar.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 19-12-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ani Dube s/o Late Shri Dori Lal Ji Dube

R/o 166, Civil Lines, Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1980

Ref. No. 730-A/Meerut/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 6-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Dharmendra Kumar Gupta s/o Faqir Chand and Smt. Nirmala Gupta w/o Dharmendra Kumar Gupta r/o 181, Begum Bagh, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot (A) measuring 403 Sq. yds. situated at Boundary Road, Civil Lines, Meerut.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sayyid Mahmood Umar Zaidi, Sayyid Mohd. Uvais Zaidi & Sayyid Zaved Umar Zaidi r/o 95/47, Beganganj, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Akhtar Jahan w/o Mohd. Asgar r/o 92/67, Purwa Heeraman, Kanpur

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 14th January 1980

Ref. No. 694/Acq/Kanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A, per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 14.11.1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A immovable Property No. 95/59 measuring 364.44 sq. yds. situated at Beganganj, Kanpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-1-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri B. N. Gupta s/o Shri Charan Dass
r/o The Mall, Simla.
(Transferor)

(2) Shri Chitranjan Kumar Sharma
s/o Chandrashekhar Sharma
r/o Govind Nagar, Mathura.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 29th February 1980

Ref. No. 801/Acq/Mathura/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 31-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House bearing 50 and Plot bearing 47 of situated at Govind Nagar, Mathura.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-2-1980

Seal :

FORM JTNS—

NOTICE UNDERR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 21st February 1980

Ref. No. 913/Acq/Shikohabad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shikohabad on 18-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ramchandra Jain, Ashok Chandra Khud and Shri Ashok Chandra Mukhtar Aam Shri Subhash Chandra Jain ss/o Shri Lala Murari Lal Jain r/o Mandi Shriganj, Kasba : Shikohabad.

(Transferor)

(2) Smt. Bhagwati Devi Paliwal Wife of Shri Ram Gopal Paliwal r/o Mohalla : Gadhaiya, Kasba : Shikohabad, Distt : Mainpuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property No. 276 situated at Mohalla : Gadhaiya, Kasba : Shikohabad, Dist : Mainpuri.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 21-2-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 29th February 1980

Ref. No. 296/Acq/Bharthana/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Scheduled situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharthana on 16-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hrithaya Nath s/o Shri Chirajilal Palwal
1/o Vill : Punj Hall Vill : Pidiroda Khas, Teh :
Konch, Distt : Talaun.

(Transferor)

(2) Shri Nathu Ram s/o Ram Prasad Chhabinath s/o
Ram Bharose Lal Shakya r/o Gathia Parhar,
Mauja : Punja, Parg : Bharthana, Distt : Etawah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land bearing No. 251 measuring 4.99 Acre situated at Mauja : Punja, Parg : Bharthana.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 29-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Maharaj Singh s/o Kanchan r/o Ladamda,
Teh : & Distt : Agra.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pooran Singh s/o Shri Gopi Chandra r/o Bichpuri,
Agra and Shankerlal s/o Makuhomal r/o Gali
Mahadev Moti Katra, Agra.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 7th March 1980

Ref. No. 426/Acq/Agra/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A/ per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Agra on 25-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing No. 262 measuring 8 Bigha 6 biswa situated at Mauja : Ladamda, Teh : and Distt : Agra.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 7-3-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
33—6GI/80

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

(1) Shri Jayak Singh s/o Bhanwar Singh r/o Alinagar Kenjra, Parg : Firozabad, Distt : Agra.
(Transferor)

(2) Kanchan Singh, Fauran Singh and Jagdish Singh sons of Gajraj Singh 1/3 part, Jail Dayal Singh, Chhoteylal, Richpal Singh s/o Sonpal Singh 1/3 part, and Radhey Shyam s/o Jimipal 1/3 part r/o Alinagar Kenjra, Parg : Firozabad, Distt : Agra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 6th March 1980

Ref. No. 216/Acq/Firozabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 20-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural Land situated at Mauja : Alinagar Kenjra, Parg : Firozabad, Distt. Agra.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-3-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Munna Lal s/o Shri Hiralal Jatava r/o Tapawla Majara Mauja : Sukhmalpur Nizamabad, Teh : Firozabad, Distt : Agra.

(Transferor)

(2) Dalchand s/o Shri Tej Singh r/o Tapawla Teh : Firozabad, Smt. Chhaya Maharshi w/o Shri Mahesh Chandraji Sharma r/o Bai Pass Road, Firozabad,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR
Kanpur, the 6th March 1980

Ref. No. 457/Acq/Firozabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Firozabad on 17-7-79 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural Land Khasara No. 395 measuring 21112-5 situated at Village : Sukhmalpur Nizamabad Teh : Firozabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 6-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 6th March 1980

Ref. No. 357/Acq./Mathura/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 20-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Biharilal Jhunjhunwala s/o Vishesar Dass r/o Dausamat Brindaban, Mathura. Mantri Shri Bhagwan Bhajonashran Pathrapur Brindavan Distt. Mathura. (Transferor)

(2) Smt Kumari Shyama, Kr. Bishal and Kumari Krishna d/o Shri Ram Kripal Shastri r/o Mangarh, Pratapgarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two Plots Nos 5 and 6 situated at Raman Reti (Fogal Ashram) Brindaban, Mathura.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 6-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Ram Nath and Subhash Chand
 S/o Shri Lal Chandra,
 Smt. Sushila Devi
 w/o Shri Bal Kishan
 i/o Satdham, Mathura.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Chandra Prabha
 w/o Shri Kanchan Lal
 r/o Fathura Darwaja, Brindaban.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Kanpur, the 1st March 1980
 Ref. No. 249/Acq/Mathura/79-80.—Whereas, I,
 B. C. CHATURVEDI
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule, situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mathura on 5-7-79
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A House Property bearing No. 1206 & 1307 situated at Sethwada, Mathura.

B. C. CHATURVEDI,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 1st March 1980

Ref. No. 200/Acq/Kol/79-80. —Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
number as per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Aligarh on 18-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Deshbir Singh
s/o Deshraj Singh
r/o Indragaj Nagar,
Luskar Gwaliar (Madhya Pradesh)
Mukhtar Aam Min Janib
Shri Deshraj Singh
s/o Shri Dulip Singh
r/o Vill. Aurangabad, Parg. Morthal,
Teh. Kol, Distt. Aligarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Nathimal & Shyamal
s/o Shri Hotilal
r/o Vill. Harduwa Ganj
Parg. Teh. Kol. Distt. Aligarh.
Shri Bharatpal Singh
s/o Shri Raghubir Singh
r/o Vill. Aurangabad,
Parg. & Teh. Kol, Distt. Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 167 & 176 measuring 17 Bigha, 6
Biswa and 7 Biswansi situated at Vill. Aurangabad, Parg. &
Teh. Kol, Distt. Aligarh.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th March 1980

Ref. No. 957-A/Mussoorie/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mussoorie on 19-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Bilquis Fyaz Ahmed
w/o Late Fyazudeen Ahmed
r/o 93, Muir Road Allahabad and
S/Shri Salman Ahmed and Moinuddeen Ahmed
both ss/o Late Shri Faiyaz and
Mrs. Mahnaz Amir Curnalla
alias Mrs. Ruksana Ahmed,
r/o 93, Muir Road Allahabad
through their Attorney said
Mrs. Bilquis Fyaz Ahmed.

(Transferor)

(2) Shri Balraj Sahani
s/o Late Shri Lajpat Rai Sahani
r/o New Market Mussoorie and
Shri Anil Kapur
s/o Shri Dev Raj Kapur
r/o Hampton Court School Mussoorie.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable Property called "Brentwood Estate" situated in Municipal Area containing by measurement about 1 acre more or less Kulri Mussoorie.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Sujan Singh, s/o
Shri Nanak Singh, r/o
119/501, B(3), Darshan Purwa, Kanpur.
(Transferor)

(2) Shri Ram Charan Singh and
Ram Pyari Devi, r/o
119/501, B(3), Darshan Purwa, Kanpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th March 1980

Ref. No. 680-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
number as per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the Echeluded annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kanpur on 24-7-1980
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefore by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property No. 119/501-B(3) measuring 535 sq.
yds. situated at Darshan Purwa, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-3-1980
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th March 1980

Ref. No. 687-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 19-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Rajendra Bahadur Singh, Sripal Singh, Rana Singh, Krishna Pal Singh, Chandra Bhooshan Singh, Anil Kumar Singh, Arun Kumar Singh Surya Bhushan Singh, Shashi Bhushan Singh r/o Mauja : Kashipur, Teh. Akbarpur, Distt. Kanpur.
(Transferor)

(2) Smt. Shanti Pajpai
w/o Shri Sri Narain Bajpai
r/o 27/1A, Birhana Road, Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property No. 118/264, situated at Kaushalpuri, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-3-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Saroj Garg
w/o Shri Satya Prakash Garg
r/o Prempuri, Muzaffarnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th March 1980

Ref. No. 954-A/Muzaffarnagar/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 25-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) S/Shri Ved Prakash Jain and Sajjan Kumar Jain
ss/o Shri Ram Chandra Jain,
r/o 7-B, New Mandi, Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House Property bearing No. Nil situated at Patel Nagar, Muzaffarnagar.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Purshotam Kumar Jain and
Satish Kumar Jain
r/o Vikas Nagar, Dehradun.

(Transferor)

(2) S/Shri Sandeep Cine Exhibitors Pvt., Ltd.
Dehradun.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th March 1980

Ref. No. 530-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
number as per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Dehradun on 13-7-1979

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable Property (Cinema) named Shashi Theaters
bearing No. 3/60-B (KHA) Part New Jain Market, Vikash-nagar, Dehradun.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-3-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 12th March 1980

Ref. No. 956-A/M. Nagar/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 30-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Deep Chandra
s/o Lala Sangam Lal
r/o Mohalla Patel Nagar, Kakra Bhawan,
Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar, s/o
Lala Triloki Nath and
Smt. Kusum Lata, w/o
Shri Vinod Kumar, present r/o
500/2, South Civil Lines,
Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 500/2 measuring 250 sq. yds. situated at Civil Lines, Muzaffarnagar.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 12-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th March 1980

Ref. No. 774-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas, J. B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 3-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Som Dutta Takiar
s/o Shri Malawaram Takiar
C/o M/s. Tube Band Wire Noting Company,
Delhi Gate, Ghaziabad
r/o Gandhi Nagar, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) M/s. Nish Stationery Manufacturing Co. Pvt. Ltd.
104, Nav Yug Market, Ghaziabad
through Sh. Deepak Kumar Gupta, Director
s/o Lala Damodar Dass
r/o Mohalla, Chhatta, Delhi Gate, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Factory Building bearing No. D/3 Meerut Road, Industrial Area, Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 14-3-1980

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th March 1980

Ref. No. 598/A/Meerut/79-80.—Whereas, I,
 B. C. CHATURVEDI
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing No.
 number as per Schedule situated at as per Schedule
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at
 Meerut on 20-7-1979
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as afore-
 said exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

(1) Mohd. Anik
 s/o Mohd. Farookh
 r/o Azad Colony, Islamabad,
 Shahar Meerut.

(Transferor)

(2) Mohd. Unus and Abdul Gaffar
 Abdul Sattar and Abdul Zabbar
 all ss/o Mohd. Yaseen
 r/o Mauja Lawar Jan Ali,
 Teh. Sardhana, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double Storeyed House bearing No. 31, measuring 250
 situated at Mohalla : Islamabad, Meerut.

B. C. CHATURVEDI,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Date : 14-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st March 1980

Ref. No. 365/Acq/Jhansi/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), **has been transferred under the Registration Act, 1908** (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhansi on 19-7-1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Rajesh Prakash, Om Prakash Virendra Prakash and Anil Prakash all ss/o Shri Harishchandra Agarwal r/o Jhokanbagh, Jhansi.

(Transferor)

(2) Smt. Jagjit Kaur w/o Shri Manmohan Singh r/o Bunglow No. 41, Sadar Bazar (Orchha Road), Jhansi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A House Property No. 41 situated at Sadar Bazar (Orchha Road), Jhansi.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-3-1980
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th March 1980

Ref. No. 299/Acq/Fatihabad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at 1908 in the office of the Registering Officer Fatihabad on 12-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Habibullah
s/o Shri Chhitaria
r/o Vill. Sigecha, Teh. Fatihabad,
Distt. Agra.

(Transferor)

(2) S/Shri Randhir Singh, Narain Singh (Balig),
Kamal Singh, Abbaran Singh and
Mahtab Singh (Nabalig)
all ss/o Shri Jwala Prasad and
Shri Bilayat Amrit
s/o Shri Dalchand
r/o Vill. Bharau, Distt. Mathura,
S/Shri Shiv Singh (Balig),
Lakhan Singh and Ombir Singh (Nabalig)
ss/o Shri Mahendra Singh and
Shri Vilayat Kishan Singh
s/o Shri Pooran Chand
r/o Vill. Vad, Distt. Agra.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural Land Khata No. 57 Khasara No. 244 measuring 14 Biswa 8 Biswansi, Khata No. 149 Khasara No. 227 measuring 11(ii)-2-19, Khasra No. 244 measuring (II) 3-8 situated at Village Sigecha, Teh. Fatihabad, Distt. Agra.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-3-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—